हिन्दी दैनिक

पटना (बिहार) तथा लुधियाना (पंजाब) से एक साथ प्रकाशित

रोजनामा इन्डो गल्फ

www.Newsindogulf.com/Email:-Newsindogulf730@gmail.com

सच्चाई में है दम, सच लिखते हैं हम

पटना, सोमवार | 21 अप्रैल 2025 | वर्ष : 03 | अंक : 108 | पृष्ठ -12 | PRGI NO - BIHHIN/2023/86924 | मूल्य - ₹ 3 | पटना संस्करण

ब्रीफ न्यूज

दिल्ली की मुख्यमंत्री ने जीपीएस से लैस 1,111 टैंकरों को हरी झंडी दिखाई

एजेंसी

नई दिल्ली: दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने गर्मियों के दौरान शहर में जलापूर्ति बढ़ाने के लिए रविवार को लोकेशन ट्रैकिंग सिस्टम से लैस 1,111 टैंकरों को हरी झंडी दिखाई। इस प्रणाली के जरिये दिल्ली जल बोर्ड मुख्यालय से ह्यआईटी डैशबोर्डह्न पर टैंकरों पर नजर रखी जा सकेगी ।दिल्ली में भाजपा सरकार के 60 दिन पूरे होने के अवसर पर आयोजित समारोह के दौरान गुप्ता ने कहा, यह पूर्ण पारदर्शिता की दिशा में उठाया गया कदम है। यह अंतिम समाधान नहीं है, हम प्रत्येक निवासी को नल से जल उपलब्ध कराने के लिए एक नयी नगर योजना पर काम करेंगे ।कार्यक्रम में जल संसाधन मंत्री प्रवेश वर्मा, पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा, भाजपा सांसद और विधायक भी उपस्थित थे। गुप्ता ने कहा कि दिल्ली सरकार ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए अपने बजट में जल क्षेत्र के लिए 9,000 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं।

निशिकांत दुबे के बयान से बीजेपी ने पल्ला झाड़ा

जेपी नड्डा ने सांसदों को दी चेतावनी

भाजपा ने निशिकांत दुबे की टिप्पणियों से खुद को अलग कर लिया है। पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने इन टिप्पणियों को सांसद के निजी विचार बताते हुए खारिज कर दिया है। नड्डा ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा,

एजेंसी

नई दिल्ली: भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने शनिवार को सुप्रीम कोर्ट पर टिप्पणी करके नया विवाद खड़ा कर दिया। अब पार्टी ने उनकी टिप्पणियों से खुद को अलग कर लिया है। पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने इन टिप्पणियों को सांसद के निजी विचार बताते हुए खारिज कर दिया है। साथ ही नड्डा ने उन्हें भविष्य में इस तरह के बयान न देने की भी हिदायत दी है।

नड्डा ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'भाजपा सांसद निशिकांत दुबे और दिनेश शर्मा का न्यायपालिका एवं देश के चीफ जस्टिस पर दिए गए बयान से भारतीय जनता पार्टी का कोई लेनाझदेना नहीं है। यह इनका व्यक्तिगत बयान है, लेकिन भाजपा ऐसे बयानों से न तो कोई इत्तेफाक रखती है और न ही कभी भी ऐसे बयानों का समर्थन करती है। भाजपा इन बयान को सिरे से खारिज करती है।'नड्डा ने यह भी कहा कि उन्होंने दोनों नेताओं और अन्य लोगों को ऐसी टिप्पणियां न करने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने हमेशा न्यायपालिका का सम्मान किया है और उसके सुझावों एवं आदेशों को सहर्ष स्वीकार किया है क्योंकि एक दल के तौर पर उसका मानना ??है कि शीर्ष अदालत समेत सभी अदालतें लोकतंत्र का अभिन्न अंग हैं।

निशिकांत दुबे की विवादास्पद टिप्पणी निशिकांत दुबे ने शनिवार को उच्चतम न्यायालय पर निशाना साधते हुए कहा कि कानून यदि शीर्ष अदालत ही बनाएगी तो संसद और विधानसभाओं को बंद कर देना चाहिए। मीडिया से बात करते हुए बीजेपी सांसद ने कहा कि देश में धार्मिक युद्ध भड़काने के लिए सुप्रीम कोर्ट जिम्मेदार है। सुप्रीम कोर्ट अपनी सीमाओं से बाहर जा रहा है। अगर हमें हर मामले के लिए सुप्रीम कोर्ट जाना पड़े तो संसद और विधानसभाओं को बंद कर देना चाहिए।

जब तक वक्फ (संशोधन) अधिनियम को वापस नहीं ले लिया जाता तब तक प्रदर्शन जारी रहेगा: ओवैसी

एजेंसी

नई दिल्ली: ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने शनिवार को कहा कि वक्फ (संशोधन) अधिनियम के खिलाफ प्रदर्शन तब तक जारी रहेगा जब तक इसे वापस नहीं ले लिया जाता ।तेलंगाना के हैदराबाद स्थित एआईएमआईएम मुख्यालय दारुस्सलाम में ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (एआईएमपीएलबी) द्वारा आयोजित एक जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि अधिनियम के खिलाफ प्रदर्शन जारी रहेगा, जैसा कि रद्द किए जा चुके कृषि कानूनों के खिलाफ आंदोलन जारी रहा ।ओवैसी ने कहा, आपको (प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी) ये कानून वापस लेना ही होगा। जिस तरह से हमारे किसान भाइयों ने रास्ता दिखाया है, हम भी उसी तरह

ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (एआईएमपीएलबी) द्वारा आयोजित एक जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि अधिनियम के खिलाफ प्रदर्शन जारी रहेगा,

प्रदर्शन करते रहेंगे। जब तक कानून वापस नहीं ले लिया जाता, तब तक देश में शांतिपूर्ण प्रदर्शन जारी रहेगा ।उन्होंने कहा, क्या आप (सभा) एक लंबी लोकतांत्रिक लड़ाई के लिए तैयार हैं?

मेरे खिलाफ बोलने से क्या होगा? बिहार में करप्शन चरम पर है, ग्लोबल टेंडर पर तेजस्वी ने उठाए सवाल

एजेंसी

पटना: पटना। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव ने राज्य सरकार से चरमराई व्यवस्था को ठीक करने को कहा। उन्होंने रविवार को राघोपुर रवाना होने के पहले पटना में मीडिया से बातचीत में कहा कि पैसे पेड़ में तो फर नहीं रहे जो अधिकारी तोड़ कर जमा कर रहे है। उन्होंने आरोप लगाया कि भ्रष्ट्राचार चरम पर है मेरे खिलाफ बोलने से क्या होगा, अगर कुछ करना है तो चरमराई सिस्टम को ठीक करें ।बिहार सरकार द्वारा विभिन्न विभागों में ग्लोबल टेंडर के जरिए किए जा रहे कार्यों को लेकर तेजस्वी ने कहा कि जब जब आप बिहार के ठेकेदारों की जगह बाहरी ठेकेदारों को काम देंगे और उसमें कमीशनखोरी करेंगे, तो काम कभी ढंग से नहीं होगा। बिना एप्रोच रोड के करीब पांच हजार से अधिक पुल-पुलिया बनाए गए हैं। सवाल पूछते हुए कहा कि राज्य सरकार की जांच एजेंसियां क्या कर रही हैं? क्यों नहीं ऐसे करप्शन में लिप्त अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई कर रही हैं।

मौसम विभाग का अलर्ट, पूर्वोत्तर भारत में बारिश की संभावना, उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत में बढ़ेगा तापमान

एजेंसी

नई दिल्ली: भारतीय मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत के कुछ हिस्सों में फिर से लू चलने की आशंका जताई है। विभाग ने अगले पांच दिनों में पूर्वोत्तर भारत में गरज और बिजली के साथ हल्की से मध्यम बारिश की संभावना जताई है।

मौसम विभाग का पूवार्नुमान

भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) के अनुसार, अगले पांच दिनों में उत्तर-पश्चिम भारत में अधिकतम तापमान में 2-3 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि होने की संभावना है। मध्य भारत और गुजरात में अगले 24 घंटों में तापमान स्थिर रहेगा, लेकिन इसके बाद 2-3 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि होगी। पूर्वी भारत में अगले चार दिनों में अधिकतम

तापमान में 4-6 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि होने की संभावना है ।जिन क्षेत्रों में लू चलने की संभावना है, उनमें 21 से 23 अप्रैल तक विदर्भ, 24 अप्रैल तक दक्षिणी उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश, 23 और 24 अप्रैल को राजस्थान और दक्षिणी हरियाणा शामिल हैं।

आईएमडी के महानिदेशक एम मोहपात्रा ने कहा, 'उत्तर-पश्चिम भारत और मध्य भारत में अधिकतम तापमान में वृद्धि होगी क्योंकि तीव्र पश्चिमी विक्षोभ (डब्ल्यूडी) दूर चला गया है। यह सिस्टम बहुत तीव्र था और इसने पहाड़ों पर बहुत अधिक गरज और बारिश की गतिविधि लाई, लेकिन अब हमें अगले कुछ दिनों में किसी भी तीव्र डब्ल्यूडी की उम्मीद नहीं है। पूर्वी भारत में भी बहुत अधिक गरज के साथ बारिश हुई, लेकिन वह भी रुक गई है, इसलिए वहां भी तापमान में भारी वृद्धि होने की संभावना है।'

2027 के उप्र चुनावों में भी इंडियागठबंधन जारी रहेगा: अखिलेश यादव

एजेंसी

उत्तर प्रदेश: समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने रविवार को कहा कि 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में विपक्षी ह्यइंडियाह्न गठबंधन जारी रहेगा। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर हमला करते हुए आरोप लगाया कि वह वक्फ (संशोधन) कानून के जरिए माफिया की तरह जमीन हड़पने की कोशिश कर रही है। यादव ने संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि 2027 के

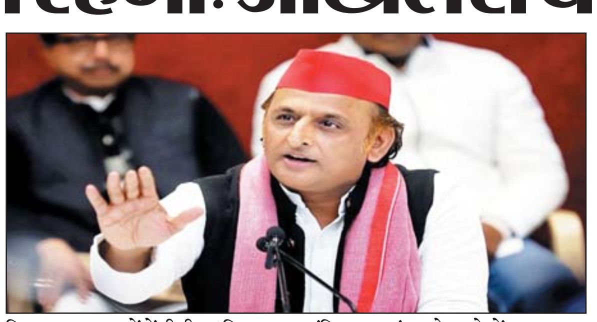

विधानसभा चुनावों में पीडीए (पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक) राज्य से भाजपा को उखाड़ फेंकेगा। जब उनसे इंडिया गठबंधन के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने दोहराया, इंडिया गठबंधन (मौजूदा) है और रहेगा ।उन्होंने कहा, भाजपा वक्फ संशोधन कानून लेकर आई है ताकि वह जमीन छीन सके। जहां भी उन्हें जमीन दिखती है, वे उस पर कब्जा कर लेते हैं। उन्होंने भाजपा को भू-माफिया पार्टी करार दिया ।यादव ने सत्तारूढ़ पार्टी पर नोटबंदी और जीएसटी (माल एवं सेवा कर) के जरिए लोगों का पैसा छीनने और आरक्षण के अधिकार को कम करने का आरोप लगाया। यादव ने प्रयागराज में महाकुंभ के आयोजन के संबंध में भाजपा की कार्यप्रणाली की भी आलोचना की तथा वादा किया।

भागवत ने एक मंदिर, एक कुआं और एक श्मशान भूमि के आदर्शों को अपनाने का आह्वान किया

एजेंसी

नई दिल्ली: राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने ह्यह्यएक मंदिर, एक कुआं और एक श्मशान भूमिह्नह्न के आदर्शों को अपनाकर सामाजिक सद्भाव के लिए प्रयास करने का आह्वान किया है। संघ प्रमुख अलीगढ़ के पांच दिवसीय दौरे पर हैं ।भागवत ने एच.बी. इंटर कॉलेज और सासनी गेट इलाके में पंचन नगरी पार्क में आयोजित दो शाखाओं में स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए हिंदू समाज के सदस्यों से समाज में

सकारात्मक बदलाव लाने का आह्वान किया है, जिसे केवल समरसता के माध्यम से ही प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने इसके लिए सामाजिक सद्भाव पर जोर दिया ।आरएसएस सूत्रों के अनुसार भागवत ने हिंदू समाज की आधारशिला के रूप में संस्कार के महत्व को रेखांकित किया और सदस्यों से परंपरा, सांस्कृतिक मूल्यों और नैतिक सिद्धांतों पर आधारित समाज बनाने का आग्रह किया ।उन्होंने आरएसएस सदस्यों से समाज के सभी वर्गों तक पहुंचने और उन्हें अपने घरों में आमंत्रित करने की वकालत की ताकि जमीनी स्तर पर सद्भाव और एकता का संदेश फैलाया जा सके ।भागवत ने कहा कि परिवार समाज की मूलभूत इकाई है, जो संस्कार से प्राप्त मजबूत पारिवारिक मूल्यों पर आधारित है।

पीएम मोदी के बिहार दौरे पहले आ रहे अनुराग ठाकुर आरा में करेंगे जनसभा; जानें पूरा शेड्यूल

एजेंसी

पटना: बिहार चुनाव को लेकर सियासी दलों के सीनियर नेताओं का दौरा शुरू हो गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रस्तावित 24 अप्रैल को मधुबनी दौरे से पहले पूर्व केंद्रीय मंत्री और बीजेपी सांसद अनुराग ठाकुर सोमवार को एक दिवसीय बिहार दौरे पर आ रहे हैं। वे आरा में पार्टी की ओर से आयोजित एक सम्मेलन में शामिल होंगे। पार्टी नेताओं से मिली जानकारी के अनुसार सोमवार को भाजपा सांसद नौ बजे पटना एयरपोर्ट पहुंचेंगे। इसके बाद वे सड़क मार्ग से आरा के लिए प्रस्थान होंगे ।अनुराग ठाकुर आरा में पार्टी की ओर से आयोजित डॉ. भीमराव अंबेडकर सम्मान अभियान में शामिल होंगे। दोपहर एक बजे आरा से पटना के लिए प्रस्थान होंगे। पटना से वे कोलकाता के लिए रवाना होंगे। कोलकाता में भी पार्टी की ओर से आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल होंगे। इसके बाद वे दिल्ली के लिए रवाना हो जाएंगे। वहीं मिथिलांचल के मधुबनी जिले के विश्वेश्वर स्थान पर आगामी 24 अप्रैल को प्रस्तावित प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यक्रम को लेकर विधायक जनसंपर्क कार्यालय में शनिवार को आमंत्रण पत्र का वितरण किया गया ।इस मौके पर फारबिसगंज विधायक विधासागर केसरी ने कहा की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मधुबनी के विश्वेश्वर स्थान आ रहें हैं। पीएम की इस सभा में फारबिसगंज विधानसभा क्षेत्र से करीब 25 हजार कार्यकर्ता भाग लेंगे। उन्होंने कहा सभी मंडल में एक-एक बस की व्यवस्था की जा रही है। उन्होंने कहा कि लोगों के कार्यक्रम में भाग लेने के लिए चार चक्का वाहनों की व्यवस्था रहेगी। कार्यक्रम में अधिक से अधिक लोग पहुंचे इसको लेकर बीजेपी कार्यकताओं द्वारा जनसंपर्क अभियान चलाया जा रहा है।

मल्लिकार्जुन खड़गे ने नीतीश कुमार पर सत्ता के लिए राजनीतिक पाला बदलने का लगाया आरोप

बिहार की जनता से की ये अपील

एजेंसी

पटना: कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे रविवार को बिहार के बक्सर के दलसागर स्टेडियम में कांग्रेस की 'जय बापू, जय भीम, जय संविधान' रैली में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर तीखा हमला बोला। खड़गे ने नीतीश पर सत्ता के लिए राजनीतिक पाला बदलने का आरोप लगाया। इतना ही नहीं, खड़गे ने जेडीयू-बीजेपी गठबंधन को अवसरवादी करार दिया ।कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया, 'नीतीश कुमार और भाजपा के बीच गठबंधन अवसरवादी है। यह राज्य के लोगों के

लिए अच्छा नहीं है। नीतीश कुमार सिर्फ ह्यकुर्सीह्न (मुख्यमंत्री पद) के लिए पाला बदलते हैं। जदयू प्रमुख ने महात्मा गांधी की हत्या करने वाली विचारधारा से हाथ मिला लिया है।'उन्होंने सवाल किया कि बिहार के लिए 1.25 लाख करोड़ रुपये के पैकेज के प्रधानमंत्री मोदी के वादे का क्या हुआ। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री झूठ की फैक्टरी चला रहे हैं ।खरगे ने दावा किया, 'बिहार के लोगों को नीतीश कुमार से पूछना चाहिए कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 18 अगस्त 2015 को बिहार के लिए 1.25 लाख करोड़ रुपये के पैकेज का जो वादा किया था, उसका क्या हुआ? मोदी जी झूठ की फैक्टरी चला रहे हैं।' साथ ही खड़गे ने लोगों से आगामी बिहार विधानसभा चुनाव में राजग सरकार को सत्ता से बाहर करने की अपील की।

युवा लोक जनशक्ति पार्टी का केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान को मुख्यमंत्री बनने के लिए कृत संकल्पित है

मोहम्मद सदर आलम नौमानी

युवा लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) आगामी 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव में माई (महिला एवं युवा) समीकरण के साथ पुरजोर तरीके से मैदान में उतरेगी और पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान को मुख्यमंत्री बनने के लिए कृत संकल्पित है।यह बात आज लोजपा (रामविलास) के राज्य मुख्यालय में आयोजित युवा लोजपा (रा) के राज्य कार्यकारिणी समिति की बैठक को संबोधित करते हुए युवा लोजपा के प्रदेश अध्यक्ष वेद प्रकाश पाण्डेय ने कही।आगे श्री पाण्डेय ने कहा कि युवा लोजपा समाज के सभी वर्गों के युवाओं को संगठन से जोड़ने तथा पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व केंद्रीय मंत्री श्री चिराग पासवान के मंत्रालय द्वारा जनहित और राज्यहित में चलाए जा रहे, जन जागरण अभियान को गांव के गालियों तक पहुंचाने, बिहार फर्स्ट-बिहारी फर्स्ट का नारा बुलंद करने, पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान को आगामी 2025 में बिहार से विधानसभा चुनाव लड़ने के साथ-साथ आगामी चुनाव में युवा लोजपा (रा) को कम से कम 15 सीटों पर चुनाव लड़ाने की मांग आज की कार्यकारिणी समिति की बैठक में प्रस्ताव पारित कर लिया गया।

आज कार्यकारिणी समिति की बैठक की अध्यक्षता युवा लोजपा (रामविलास) के प्रदेश अध्यक्ष वेद प्रकाश पाण्डेय ने किया।संचालन युवा प्रदेश महासचिव ने संतोष शर्मा ने किया।

पार्टी के प्रदेश मीडिया प्रभारी कुंदन कुमार ने बताया कि कार्यक्रम में पार्टी के समस्तीपुर सांसद शांभवी चौधरी, पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव सत्यानंद शर्मा, शाहनवाज अहमद कैफी,युवा के राष्ट्रीय महासचिव अनिल पासवान, प्रदेश प्रधान महासचिव संजय पासवान, संसदीय बोर्ड अध्यक्ष हुलास पाण्डेय, प्रदेश उपाध्यक्ष अशरफ अंसारी, विष्णु पासवान, संजय सिंह, प्रदेश मुख्य प्रवक्ता राजेश भट्ट, चुनाव अभियान प्रमुख सुरेंद्र विवेक, प्रचार-प्रसार प्रमुख संजय सिंह, आईटी सेल प्रदेश अध्यक्ष अमित रानू, अल्पसंख्यक सेल अध्यक्ष सलीम साहिल, छात्र प्रदेश अध्यक्ष सीमांत मृणाल, चिकित्सा प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार, अनुशासन समिति प्रदेश अध्यक्ष नरेश प्रसाद सिंह, युवा के प्रधान महासचिव प्रकाश कुशवाहा, कार्यक्रम प्रभारी सह युवा प्रदेश उपाध्यक्ष हर्ष चोपड़ा, आदित्य पाण्डेय, शशांक बलवंत,अमन तिवारी ,राजन नायक ,अमन सिंह युवा प्रदेश महासचिव पिंटू पासवान, ऋषु राज, शरणजीत पासवान, मनीष बुचनी ,प्रशांत सिंह चंदेल तथा बड़ी संख्या में युवा पदाधिकारी मौजूद थे ।

समस्तीपुर मे शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए यू-डायस पर उपलब्ध डाटा की होगी जांच

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

20 अप्रेल 2025समस्तीपुर : शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए यू-डायस पर आंकड़ों की जो प्रविष्टि सरकारी व निजी विद्यालयों द्वारा की गई है उसका भौतिक सत्यापन किया जायेगा।विद्यालयों ने यू-डायस पोर्टल पर अलग-अलग प्रोफाइल में आकंड़ा दिया था। समीक्षा के दौरान यह पाया गया कि कुछ विद्यालयों ने या तो अधूरी जानकारी दी है या उनकी जानकारी में कुछ गलतियां हैं। शिक्षा विभाग के सचिव अजय यादव ने इसे लेकर सभी जिला शिक्षा पदाधिकारियों को पत्र लिखा है। कहा है कि संबंधित विद्यालय द्वारा दिए गए इन आंकड़ों का भौतिक सत्यापन कराया जाये।यू डायस पोर्टल पर विद्यालय प्रधान को विद्यालय में उपलब्ध भवन, इंफ्रास्ट्रक्चर, शिक्षकों की संख्या, एजुकेशनल गुणवत्ता, विद्यालयों के लाभुक आधारित योजना का बच्चों को मिल रहे लाभ, आधार अपडेट, विद्यार्थियों की संख्या, वर्ग कक्षा की संख्या, कोटिवार विद्यार्थियों की संख्या सहित अन्य सूचनाओं की एंट्री करना था।एंट्री किये जाने वाले डेटा के आधार पर ही राज्य सरकार शिक्षक-छात्र अनुपात में शिक्षकों की उपलब्धता, आवश्यक शिक्षकों की संख्या एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का निर्धारण करती है।बताते चलें कि यू-डायस पोर्टल पर जिले के 2849 सरकारी व 594 निजी स्कूलों में नामांकित 8 लाख 25 हजार 669 बच्चों का डाटा अपलोड है।

मोदी और नीतीश की जोड़ी सिर्फ कुर्सी के लिए: मल्लिकार्जुन खड़गे

कांग्रेस को झुकाने की कोशिश करने वाले खुद मिट जाएंगे: मल्लिकार्जुन खड़गे

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

20 अप्रैल 2025कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने जय बापू जय भीम जय संविधान कार्यक्रम के आज बक्सर में आगमन हुआ। राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बक्सर में बीजेपी और आरएसएस पर जमकर निशाना साधा।

राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बीजेपी पर हमला करते हुए कहा कि बिहार की एनडीए सरकार हमला करते हुए कहा कि नरेंद्र मोदी और नीतीश कुमार की जोड़ी सिर्फ कुर्सी के लिए है. प्रधानमंत्री और नीतीश कुमार के बीच 'अवसरवादी' गठबंधन बिहार के लोगों के लिए अच्छा नहीं है. खड़गे ने कहा कि वक्फ (संशोधन) अधिनियम समुदायों के बीच विभाजन पैदा करने के लिए भाजपा और आरएसएस की साजिश है.

पंडित जवाहरलाल नेहरू जी ने नेशनल हेराल्ड की शुरूआत की थी। इसके अलावा, नवजीवन अखबार और कौमी आवाज भी शुरू किया गया था। इन अखबारों को शुरू करने का मकसद देश को आजाद कराना, देश की जनता को जागरुक करने और लोगों की आवाज अंग्रेजी हुकूमत तक पहुंचाने का था।

आरएसएस बीजेपी के लोग षडयंत्र करने में माहिर हैं। इन दिनों उन्होंने कॉंग्रेस को झूठे मुकदमों में उलझाने की फिर से कोशिश की है।

जैसे ही कांग्रेस का अधिवेशन अहमदाबाद में खत्म हुआ, एक दिन बाद नेशनल हेराल्ड की संपत्ति जब्ती का प्रयास कर दी।

दो दिन बाद सोनिया गाँधी और राहुल गाँधी का नाम चार्जशीट में डाल दिया।

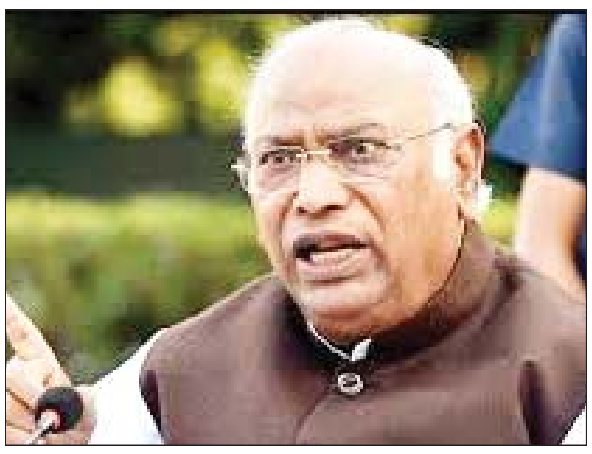

हमारे नेताओं के ऊपर पिछले 11 सालों में अनगिनत रेड हुए। निकला कुछ नहीं, लेकिन बदनाम करने में लगे हैं। हाल में नेशनल हेराल्ड मामले में जिस परिवार को बदनाम करने का प्रयास किया गया, उसके घर का हर सदस्य आजादी के आंदोलन में जेल में रहा। आजादी के पहले आनंद भवन और स्वराज भवन जैसी संपत्ति देश को समर्पित कर दिया था। इंदिरा गांधी जी देश के लिए शहीद हुईं, राजीव गांधीजी शहीद हुए।पिछले 11 सालों से कांग्रेस और विपक्षी दलों के साथ मोदी सरकार दुश्मनों जैसा व्यवहार कर रही है। कांग्रेस में सोनिया गाँधी जी और राहुल गाँधी जी इसलिए निशाना हैं क्योंकि वो कांग्रेस की रीढ की हड्डी हैं।

दूसरे ताकतवर विपक्षी नेताओं पर इसी तरह फर्जी मामले चलाए जा रहे हैं।जो बीजेपी में चला जाता है, उसका केस बंद कर दिया जाता है।

इनको शर्म आनी चाहिए कि 10 सालो में ईडी ने 193 नेताओं पर केस किया लेकिन केवल दो मामले को वो साबित कर पाये। जब चाहते हैं घंटों पूछताछ करके ईडी के लोग फर्जी खबरें फैलाते हैं।

हम लोग किसी से डरने वाले नहीं हैं, किसी के आगे झुकने वाले भी नहीं हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी झुकेगी नहीं, उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार जानबूझकर इस मुद्दे को अपनी राजनीति के लिए उठा रही है, जबकि नेशनल हेराल्ड की संपत्ति किसी को बेची नहीं जा सकती. यह उसी कंपनी की रहेगी जिसके नाम पर यह संपत्ति है. कांग्रेस पार्टी को झुकाने की कोशिश की जा रही है, लेकिन कांग्रेस पार्टी झुकेगी नहीं. बक्सर के कार्यकम में उन्होंने कहा कि पूरे बिहार को संदेश दे रहे हैं।

संविधान को बचाने के लिए लड़ाई: उन्होंने कहा कि कांग्रेस बलिदानियों की पार्टी है और कई नेताओं ने दी है देश को आजाद करने में अपना बलिदान दिया है. उन्होंने बिहार में महागठबंधन की सरकार बनाने का आह्वान किया. कांग्रेस नेता ने कहा कि हमें संविधान को बचाने के लिए एकजुट होना होगा और लड़ाई लड़नी होगी. कांग्रेस को डराने की कोशिश की जा रही है.

टिप्पणियों से नहीं, संविधान से चलेगा देश: सर्वोच्च न्यायालय और अनुच्छेद 142 की पवित्रता की रक्षा करें

प्रस्तुतकर्ता:
रेयाज आलम
अध्यक्ष (पूर्वी क्षेत्र) झ्र ह्यूमन राइट्स जस्टिस काउंसिल
संस्थापक झ्र नई उम्मीद नया संकल्प फाउंडेशन

- हाल ही में माननीय उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ द्वारा सर्वोच्च न्यायालय की शक्तियों, विशेष रूप से संविधान के अनुच्छेद 142 को लेकर की गई टिप्पणियों के संदर्भ में यह आवश्यक हो गया है कि इस प्रकार की टिप्पणियों के न्यायपालिका की संस्थागत गरिमा पर पड़ने वाले प्रभावों को गंभीरता से समझा जाए।
- वरिष्ठ अधिवक्ता एवं संसद सदस्य श्री कपिल सिब्बल ने उपराष्ट्रपति की इन टिप्पणियों पर अपनी गहरी निराशा और चिंता जाहिर की है। उपराष्ट्रपति, जो राज्यसभा के पदेन सभापति भी हैं, उनसे अपेक्षा की जाती है कि वे संवैधानिक मयार्दाओं का पालन करें और अपनी निष्पक्षता बनाए रखें। लेकिन यदि वे राजनीतिक भाषणों की तरह पक्षपाती बयान देते हैं, तो यह संवैधानिक पद की गरिमा के अनुरूप नहीं है।
- हाल ही में तमिलनाडु सरकार बनाम राज्यपाल के मामले में माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट कर दिया कि राज्यपाल विधानमंडल द्वारा पारित विधेयकों को अनिश्चितकाल तक रोके नहीं रख सकते। उन्हें संविधानिक ढांचे और समय-सीमा के भीतर कार्य करना होता है। इस निर्णय की आलोचना करते हुए उपराष्ट्रपति द्वारा यह कहना कि न्यायपालिका ह्लसुपर संसदह्व की तरह काम कर रही है — न केवल अनुचित है, बल्कि भ्रम फैलाने वाला भी है।
- यह दोहराना आवश्यक है कि अनुच्छेद 142 संविधान में निहित वह प्रावधान है जो सर्वोच्च न्यायालय को यह अधिकार देता है कि वह किसी भी मामले में ह्लपूर्ण न्यायह्व सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक आदेश दे सके। इसे ह्ललोकतांत्रिक संस्थाओं के खिलाफ परमाणु हथियारह्व बताना संविधान निमार्ताओं की दूरदृष्टि और विवेक का अपमान है।
- हमारे संविधान में यह स्पष्ट है कि राष्ट्रपति और राज्यपाल केवल औपचारिक पद हैं, और उन्हें मंत्रिपरिषद की सलाह पर कार्य करना होता है। यदि कोई सर्वोच्च न्यायालय द्वारा इस संवैधानिक व्यवस्था की व्याख्या पर प्रश्न उठाता है, तो यह भारतीय लोकतंत्र की नींव पर ही सवाल उठाने के समान है।
- श्री सिब्बल ने ठीक ही कहा कि जब अदालतों के फैसले सत्ताधारी पक्ष के अनुकूल होते हैं, तो उनकी सराहना की जाती है, लेकिन जब वे कार्यपालिका की मनमानी पर लगाम लगाते हैं, तो उनकी आलोचना की जाती है। यह दोहरी मानसिकता संस्थाओं में जनता का विश्वास कमजोर करती है।
- साथ ही, न्यायिक जवाबदेही के प्रश्न भी अभी अनुत्तरित हैं — विशेष रूप से एक उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के घर से बेहिसाब नकदी की बरामदगी पर। श्री सिब्बल ने यह भी सवाल उठाया कि इतने गंभीर मामले में अब तक कोई एफआईआर क्यों नहीं हुई और 55 सांसदों द्वारा दिए गए महाभियोग प्रस्ताव की प्रक्रिया में इतनी देरी क्यों है?
- यह समय है कि हम अपने संविधान और उसकी संस्थाओं में आस्था को फिर से दोहराएं। किसी फैसले की आलोचना का उचित रास्ता पुनर्विचार याचिका, क्यूरेटिव याचिका या अनुच्छेद 143 के तहत संदर्भ के माध्यम से होता है — सार्वजनिक मंचों पर न्यायपालिका की स्वतंत्रता को राजनीतिक रंग देकर नहीं।
- हमें यह नहीं भूलना चाहिए : लोकतंत्र केवल चुनावों से नहीं चलता, बल्कि संस्थाओं के सम्मान और संवैधानिक सिद्धांतों के पालन से फलता-फूलता है। सर्वोच्च न्यायालय संविधान से ऊपर नहीं है — लेकिन न ही कोई अन्य संवैधानिक पद।

सक्रिय पुलिसिंग के तहत सारण पुलिस की बड़ी कार्रवाई,

भेल्दी थानान्तर्गत हत्या कांड के 01 नामजद अभियुक्त गिरफ्तार।

वरिष्ठ संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
शकील हैदर

छपरा,दिनांक- 21.03.25 को भेल्दी थानान्तर्गत ग्राम रायपुरा में 02 व्यक्ति द्वारा प्रमोद महतो, पिता-स्व० जगतलाल महतो, ग्राम-राइपुरा, थाना-भेल्दी, जिला-सारण को जान मारने की नियत से फैट-मुक्का से पेट में मारने की घटना कारित की गयी थी। जिनकी इलाज के क्रम में पी०एम०सी०एच० पटना में मृत्यु हो गयी। इस संबंध में मृत व्यक्ति के परिजन के फर्दब्यान के आधार पर भेल्दी थाना कांड सं0-98/25 दर्ज कर अनुसंधान प्रारंभ किया गया। अनुसंधान के क्रम में प्राप्त आसूचना के आधार पर आज दिनांक-20.04.25 को कांड के नामजद 01 अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया है। कांड में संलिप्त अन्य अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु लगातार छापामारी की जा रही है।

>गिरफ्तार अभियुक्त का नाम एवं पता :-

1. राहुल कुमार, पिता-टीगन मांझी, साकिन-रायपुरा, थाना-भेल्दी, जिला-सारण।

> टीम में शामिल पुलिस पदाधिकारी एवं कर्मी :-

थानाध्यक्ष, भेल्दी थाना एवं थाना के अन्य पदाधिकारी एवं कर्मी।

टमाटर का खरीददार नहीं, टमाटर सड़क पर फेंक रहे किसान- सुरेंद्र

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
अब्दुल कादिर

ताजपुर/समस्तीपुर. : 20 अप्रैल 2025खरीददार के आभाव में किसान टमाटर को सड़क पर फेंकने को विवश है। मजदूर से तोड़वाकर कैरेट में सजाकर मोतीपुर सब्जी मंडी में ठेले-टेम्पू से भेजवाने के बाबजूद किसान का टमाटर पड़ा रह जाता है और अंततः एक-दो दिन इंतजार के बाद किसान को टमाटर सड़क किनारे फेंकना पड़ता है।

टमाटर उत्पादक किसानों की शिकायत पर रविवार को अखिल भारतीय किसान महासभा एवं भाकपा माले की संयुक्त टीम मोतीपुर सब्जी मंडी पहुंचकर टमाटर का जायजा लिया फिर टमाटर उत्पादक किसानों, व्यापारियों एवं गद्दीदारों से बातचीत की। मौके पर फेंके गये टमाटर का जायजा भी लिया।

गद्दीदार गोपाल साह ने बताया कि दो रुपए किलो भी टमाटर नहीं बिक पा रहा है। किसान कृष्णदेव प्रसाद सिंह ने कहा कि टमाटर उत्पादक किसान महंगा बीज, खाद, खल्ली, सिंचाई कर टमाटर उपजाया लेकिन खरीददार नहीं होने से उन्हें टमाटर फेंकना पड़ता है। किसान मंजीत सिंह ने कहा कि मोतीपुर सब्जी मंडी टमाटर उत्पादन का हब माना जाता है।यहां उच्च क्वालिटी का टमाटर उपजता है लेकिन बिक्री नहीं होने से किसान बबार्दी के कागार पर है।

टमाटर उत्पादक किसान सह अखिल भारतीय किसान महासभा के प्रखंड अध्यक्ष ब्रह्मदेव प्रसाद सिंह ने कहा कि यह क्षेत्र टमाटर उत्पादन का हब है लेकिन यहां टमाटर से सॉस, कैचप, अचार, चटनी आदि बनाने का कोई उद्योग नहीं है और न ही टमाटर रखने वाला कोल्ड स्टोरेज है फलतः किसानों का टमाटर न ही स्टोर में रखा जा सकता और न सही कीमत पर बिक पाता है फलतः किसानों को टमाटर फेंकना पड़ता है।

भाकपा माले प्रखंड सचिव सुरेन्द्र प्रसाद सिंह ने टमाटर आधारित उद्योग लगाने एवं फसल बबार्दी का किसानों को मुआवजा देने, अगली फसल लगाने के लिए निः शुल्क खाद, बीज, पानी आदि देने की मांग की है।

डॉ के पी सिंह चंद्रवंशी ने थामा कांग्रेस का हाथ

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

पटना. रविवार, 20 अप्रैल, 2025मूल अति पिछड़ा बुद्धिजीवी मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा0 के0 पी0 सिंह चन्द्रवंशी नवादा से सैकड़ों समर्थकों के साथ आज सदाकत आश्रम में बिहार कांग्रेस के प्रभारी श्री कृष्णा अल्ला वारु एवं प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम के समक्ष कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण किये। इसके साथ राष्ट्रीय संयोजक अखिल भारतीय अति पिछड़ा संघ, नन्द किशोर प्रसाद, माली विकास संघ बिहार के अध्यक्ष, कमलेश सैनी, मिलन सिंह चन्द्रवंशी राष्ट्रीय अध्यक्ष, अखिल भारतीय जरासंध अखाड़ा परिषद एवं नूतन उदया फाउण्डेशन के सचिव संध्या सिंह चन्द्रवंशी अपने समर्थकों के साथ नीतू निषाद प्रभारी अति पिछड़ा आरक्षण मोर्चा बिहार ने भी शिरकत किया ललन भगत माली मालाकार संघ के संयोजक भी शिरकत किया। गुलाब ठाकुर, इन्द्रजीत चन्द्रवंशी, अजय चन्द्रवंशी, कुलदीप राम, धर्मेन्द्र कुमार, नीरज कुमार, सुमित कुमार, प्रीतम कुमार, रविन्द्र सिंह, गुड्डू सिंह, सौरभ कुमार, संतोष कुमार, प्रमोद कुमार प्रभाकर , ओम प्रकाश सिंह, अन्य लोग सदस्यता प्राप्त किया।इस अवसर पर ब्रजेश प्रसाद मुनन , अजय चौधरी , उमैर खान ,उदय चन्द्रवंशी सहित अन्य नेता मौजूद थे।

रोसड़ा में पंसस पति पर फायरिंग मामले में पिंटू बाबा और लाइनर मणि भूषण गिरफ्तार

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

20 अप्रेल 2015समस्तीपुर/रोसड़ा : समस्तीपुर जिले के रोसड़ा थाना क्षेत्र में अपराधियों पर पुलिस का खौफ मानो खत्म होता दिख रहा है।परिणाम स्वरूप गोविंदपुर गांव में फिर से पंसस पति सुरेश प्रसाद सिंह पर जान मारने की नीयत से फायरिंग की गई। चार आरोपितों में पुलिस ने घटना के मैनेजकर्ता बटहा गांव के वार्ड 10 निवासी जय नारायण महतो के पुत्र प्रभात कुमार उर्फ पिंटू बाबा एवं वार्ड 11 निवासी विश्व कुमार महतो उर्फ विशो महतो के पुत्र लाइनर मणि भूषण प्रसाद उर्फ मनोहर को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।इस फायरिंग मामले में भी वही लोग आरोपित किये गये हैं जिन्हें कुछ दिन पूर्व 28 मार्च को हुई फायरिंग मामले में पंसस पति ने आरोपित किया था। लाइनर व मैनेजकर्ता के अलाचस इस बार भी बटहा वार्ड 11 निवासी जोगिंदर महतो के पुत्र अजय कुमार महतो एवं संतोष कुमार महतो के पुत्र विकास

कुमार व अज्ञात को आरोपित किया गया है। ये दोनों नामजद युवक समेत अन्य युवक गांव में खुलेआम घूम कर दिनदहाड़े फायरिंग जैसी घटना को अंजाम दे रहे हैं।इस घटना के संबंध में सुरेश प्रसाद सिंह के आवेदन पर बीएनएस की विभिन्न आपराधिक धाराओं एवं 27 आर्म्स एक्ट के तहत कांड संख्या 120/2025 दर्ज किया गया है। दर्ज एफआईआर में श्री सिंह ने 18 अप्रैल की संध्या 2:40 बजे की घटना बताते हुए कहा है कि वे अपने घर बटहा से रोसड़ा की ओर मोटरसाइकिल से अकेले जा रहे थे। पूर्व से घात लगाये तीन की संख्या में बाइक सवार आरोपितों ने षड्यंत्र के तहत गोविंदपुर गांव में उन्हें रुकने को कहा। नहीं रुकने पर आरोपित विकास कुमार पर जान मारने की नीयत से कमर से पिस्तौल निकाल कर गोली चलाने का आरोप लगाया है28 मार्च को हुई फायरिंग मामले के आरोपित ने ही पंसस पति पर फिर से चलायी गोली :जानकारी के अनुसार गोली उनके सिर के बगल से निकल गया। पुनः आरोपितों ने उनका पीछा किया एवं आरोपित अजय कुमार महतो पर पिस्तौल से गोली चलाने का आरोप लगाते हुए कहा कि दूसरी गोली उनके पीठ के बगल से निकल गया।

आल इंडिया यूनाईटेड मुस्लिम मोर्चा

माइनोरिटीज को भी एससी / एसटी एक्ट 1989 में एडजस्ट करने की मांग

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

पटना : 20 अप्रैल 2025(प्रेस विज्ञप्ति) सेन्टर फॉर पीस (CPOS) एवं जकात भवन के बैनर तले आज पटना में 'मिल्लत बचाव, मुल्क बचाव, कॉफ्रेंस का अयोजन हुआ। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता मो० राशिद अहमद, सम्पादक, संगम उर्दू डेली, ने की। संगठनों की संयुक्त मांग यही रही कि माइनोरिटीज विशेष कर इसके कमजोर तबकों को SC/ST Act 1989 में एडजस्ट किया जए।

कॉफ्रेंस को सम्बोधित करते हुए मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व सांसद डॉ० एजाज अली ने कहा कि माइनोरिटीज का कमजोर वर्ग, इस समय देश का महासेवक है। कचरा बिन्ने, सफाई करने, पंकचर बनाने, जूता चप्पल बनाने, मटन-चिकेन एवं मजदूरी करके देश वासियों की सेवा करता है। ये हाशिया बरदार है और मेट्रो शहरो में गंदी बस्तियाँ ही इनका ठिकाना हो चुकी है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा ही इनकी मुख्य समस्या रही है जो कल भी थी और आज भी है। आसामाजिक तत्वों द्वारा उत्तेजित नारों, झुठे मुकद्दमें मॉबलिचिंग, दंगे-फसाद कराने का ग्राफ दिन-ब-दिन बढ़ता गया है, जिस पर आज ये समाज अधिक चिंतित है। मोर्चा के राष्ट्रीय प्रवक्ता, हाफि ज गुलाम सरवर ने इस असवर पर कहा कि 80 के दहाई में दलितों की जो हालत थी, वैसी ही आज मुसलमानें के कमजोर वर्गो की है।

स्व० राजीव गाँधी ने 1989 में "अत्याचार निवारण एक्ट बनाया जिसमें केवल दलितों एवं आदिवासियों को स्थान मिला और ये SC/ST Act 1989 कहलाया। माइनोरिटीज के कमजोर वर्गो को इसमें जगह न मिल सकी, जबकि इस एक्ट की 24 शर्तों में पसमांदा भी फिट थे। उन्होंने कहा कि इस कानून के बनने से दलितों एवं आदिवासियों को सैकड़ों वर्षों से चली आ रही अत्याचारों से बहुत राहत मिली है, अर्थात सामाजिक हिंसा (Social Violence) रूक गई। उन्होंने कहा कि इसी एक्ट में माइनोरिटीज को एडजस्ट कर देने से धर्म के आधार पर होने वाली हिंसा (Commual Violence) पर भी ब्रेक लग जाएगा।मौलाना दानियाल, अध्यक्षत, सेंटर फॉर पीस (उढडर) ने कहा कि हम भारत के लोग हर प्रकार के शौहार्द में विश्वास रखते है। ये हमारा कल्चर है। पिछले सौ वर्षों में वोट की राजनीति ने इस शौहार्द में दरार पैदा किया, जिसका ग्राफ ऊँचा ही होता चला जा रहा है। चूँकि इस साजिश में सियासी दलों का पीछे से समर्थन रहता है। ऐसी स्थिति में बिना कानून बनाए इस उठते ग्राफ पर ब्रेक नहीं लगाया जा सकता है। इस पर कानूनी ब्रेक लगाना देश की स्वास्थ्य के लिए जरूरी है अन्यथा देश सिविल वार की तरफ चला जाएगा।

दिल्ली से आए मो० मेराजुद्दीन ने कहा कि कमजोर तब्के का असल हक तो संविधान की धारा-341 में बनता है जो अभी तक नहीं मिला है। हम सरकार से मांग करते हैं कि पसमांदों को कम से कम एससी/एसटी एक्ट 1989 में एडजस्ट करने का रास्ता निकाले ताकि देश से दंगे फसाद की राजनीति का समापन हो।

चित्रकला में बेहतर प्रदर्शन पर बच्चे पुरस्कृत

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

हुसैनगंज, एक संवाददाता। प्रखंड के विभिन्न विद्यालयों के बच्चों ने पिछले रविवार को हुसैनगंज चट्टी पर हुए चित्रकला प्रतियोगिता में हिस्सा लिया था जिसका परिणाम रविवार को समारोह आयोजित कर घोषित किया गया। इस दौरान बेहतर ड्राइंग करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया।प्रखंड के हुसैनगंज चट्टी स्थित आलम स्टडी प्वाइंट द्वारा विभिन्न विद्यालयों के बच्चों के लिए पिछले दिनों चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था जिसमे बच्चों ने अपनी कला का प्रदर्शन करते हुए बेहतरीन पेंटिंग बनाए थे। प्रतियोगिता के परिणाम की घोषणा के लिए रविवार को समारोह आयोजित किया गया था जिसके मुख्य अतिथि रिजवान तालिब ने बच्चों की चित्रकला प्रदर्शनी देखी व उनका हौसला बढ़ाया। कार्यक्रम में सबसे बेहतर प्रदर्शन करने वाले छात्रों को ट्रॉफी, मेडल व कर्मों सामग्री पुरस्कार देकर मुख्य अतिथि द्वारा सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वाले छात्रों में कुमैल अब्बास, रौनक कुमार, सहर इमाम, मुन्तजिर मेंहदी, मोजीज मेंहदी, प्रियांशु कुमार, विक्की कुमार शर्मा, कृष्णा कुमार, साहिल कुमार, तहसीन रजा, आफिया अफजल, इशांत कुमार, अदनान अंसारी, जमशेद आलम, रजिया सुल्ताना, अयान हुसैन, राहिब इमाम, आदित्य कुमार, बबली रानी, आदर्श तिवारी व अभिषेक राजपूत समेत अन्य विद्यार्थी शामिल रहे। मौके पर दर्जनों छात्र व अभिभावक समारोह में उपस्थित रहे।

हत्यारों की गिरफ्तारी को लेकर ग्रामीणों ने सड़क जाम कर किया प्रदर्शन

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

पानापुर (सारण) थाना क्षेत्र के पकड़ी नरोत्तम गांव निवासी सुरेश सिंह की अपहरण कर हत्या किए जाने के मामले में अबतक हत्यारों की गिरफ्तारी नही होने से आक्रोशित ग्रामीणों ने रविवार की सुबह सतजोड़ा बाजार पर सड़क जामकर जमकर प्रदर्शन किया।घटना से आक्रोशित आसपास के गांवों से सतजोड़ा बाजार पर जुटे ग्रामीण सड़क पर टायर जलाकर स्थानीय पुलिस प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी कर रहे थे एवं थानाध्यक्ष को हटाने की मांग कर रहे थे। इस दौरान बाजार की सभी दुकानें बंद थी एवं लखनपुर बंगराघाट मार्ग पर वाहनों की कतार लग गयी। सड़क जाम की सूचना पर वाईपीएल संयोजक युवराज सुधीर सिंह सतजोड़ा बाजार पहुँचे जहां ग्रामीणों ने उन्हें बताया कि पुलिस की लापरवाही ने सुरेश सिंह की जान ले ली।अगर समय रहते पुलिस कार्रवाई करती तो सुरेश सिंह की जान बचायी जा सकती थी। इस बीच सूचना पाकर डीएसपी मशरक अमरनाथ ,मशरक इंस्पेक्टर अशोक कुमार सिंह एवं पानापुर एवं तरैया थाने की पुलिस मौके पर पहुँची जहां उन्हें ग्रामीणों के आक्रोश का सामना करना पड़ा।आक्रोशित ग्रामीणों ने पुलिस पदाधिकारियों के समक्ष स्थानीय थानाध्यक्ष पर जातिवाद करने जैसे संगीन आरोप लगाए।युवराज सुधीर सिंह ने पुलिस प्रशासन को अल्टीमेटम दिया कि 24 घंटे के अंदर हत्यारो की गिरफ्तारी नही होती है तो पानापुर थाने पर प्रदर्शन किया जाएगा।पुलिस पदाधिकारियों द्वारा इस मामले में त्वरित कार्रवाई करने का आश्वासन दिए जाने के बाद लगभग पांच घंटे बाद जाम समाप्त हुआ । गत 4 अप्रैल को पकड़ी नरोत्तम गांव निवासी सुरेश सिंह का अपहरण कर हत्या किए जाने के मामले के उद्भेदन के लिए पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) शिखर चौधरी सारण द्वारा डीएसपी मशरक अमरनाथ के नेतृत्व में एसआइटी का गठन किया गया है ।पुलिस अधीक्षक ने पानापुर थानाध्यक्ष को 72 घंटे के भीतर लापता सुरेश सिंह को बरामद करने का निर्देश दिया है।उन्होंने निर्धारित समय सीमा के अंदर अपहत की बरामदगी नही होने की स्थिति में पानापुर थानाध्यक्ष के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई की चेतावनी दी है।

प्रसिद्ध मजदूर नेता डॉक्टर एहतेशामुलहक अचानक मटिहानी विधानसभा के नूरपुर पंचायत पहुंचे

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

और वहां के अल्पसंख्यक समाज से भेंट किया वहां के समाज के दर्जनों बुद्धिजीवियों ने और मजदूरों ने प्रदेश उपाध्यक्ष और मजदूर नेता का शानदार स्वागत किया किया और जानना चाहा कि आप लोगों के विकास एवं कल्याण के काम चल रहे हैं कि नहीं तो मोहम्मद दाऊद मोहम्मद नसीम मोहम्मद शमीम आदि ने बताया कि आप पहले जदयू के नेता हैं जो यह सभी बातें बताने के लिए आए इससे पहले हम लोगों का कोई हाल-चाल पूछने वाला भी नहीं था और हम लोग कपड़ा सिलाई का काम करते हैं डॉक्टर एहतेशामुलहक ने लोगों को दर्जनों विकास एवं कल्याण योजनाओं की जानकारी देते हुए कहा कि आप लोगों को अगर कोई कठिनाई हो तो हमसे फोन पर संपर्क करें या मेरे यहां आकर हमसे काम कड़वाए मुझे बुला ले तो भी मैं हाजिर हो जाऊंगा आम नागरिकों ने इत्मीनान का सांस लिया और आभार व्यक्त किया डॉक्टर साहब मौजूदा संशोधन वक्त बिल के पारित होने पर भी उन लोगों को को कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव 2025 में आपके पास कुछ लोग आएंगे चुनाव के समय अभी तो नहीं आए हैं और वह बताएंगे जिस तरह एनआर सी का बिल आया था तो अल्पसंख्यक समाज को इन लोगों ने डराया था आज फिर वही काम कुछ राजनीतिक दलों के लोगों के इशारे पर कुछ अल्पसंख्यक समाज के फर्जी हितैषी बनकर आपके पास पहुंचेंगे और नीतीश कुमार की उपलब्धियां को नहीं उनकी गलतियों के बारे में बताएं जो सरासर गलत होगा औ मुसलमानों को सरकार की शक्ति से दूर करने वाली भाषा में बात

करेंगे हमारे साथ थे हजरत मौलाना सदाकत हुसैन साहब इन्होंने भी लोगों को कहा कि कुछ लोग चुनाव के जमाने में हमारे हम दर्द बनकर आते हैं वोट लेने के बाद दर्द यही छोड़ देते हैं और हम लेकर पटना दिल्ली चले जाते हैं जबकि नीतीश कुमार गरीब मजदूरों का घोषितों का दर्द चुनते हैं और हम लेकर फिर से भेंट करने आते हैं और सरकारी अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हैं कि बिहार में अमन चैन का माहौल कभी बिगड़े नहीं और एक बड़ी खूबी की बात यह है कि 20 वर्षों से मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने प्रदेश में हिंदू मुसलमान या किसी जाति धर्म के लोगों को आपस में झगड़ा नहीं भाईचारा का काम किया और दंगा नहीं होने दिया ।

सुप्रीम कोर्ट पर उंगली नहीं, लोकतंत्र की रूह पर तीर है ये बयान

जौवाद हसन (स्वतंत्र पत्रकार)

- कभी-कभी एक जुमला, एक बयान, एक लहज़ा- इतना भारी पड़ता है कि उसकी गूंज वक़्त की दीवारों से टकराकर आने वाली नस्लों को भी बेचैन कर देती है। ऐसा ही एक बयान हाल ही में बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे की जुबान से निकला, जिसने न सिर्फ.जबान की हदें पार कीं, बल्कि संविधान की पवित्रता, न्यायपालिका की गरिमा और लोकतंत्र की बुनियाद को चुनौती दे डाली।
- उनका कहना कि देश में गृहयुद्ध जैसी स्थिति के लिए सर्वोच्च न्यायालय ज़िम्मेदार हैह्व, किसी साधारण राजनैतिक असहमति का इजहार नहीं था, बल्कि एक गहरा, सुनियोजित और निहायत ही खतरनाक बयान था- जो सुप्रीम कोर्ट की निष्पक्षता पर नहीं, बल्कि उसकी वैधता और ज़िम्मेदारी पर सवाल उठाता है। यह महज अदालत का नहीं, बल्कि भारत जैसे लोकतंत्र का अपमान है- जहां न्यायपालिका संविधान की आत्मा की सबसे मुहतरम रहनुमा है।
- सोचिए, जब एक निर्वाचित सांसद, जिस पर खुद दर्जनों आपराधिक मुकदमे दर्ज हों, अदालतों की चौखट पर खुद मुलज़िम बनकर खड़ा हो, वही शख़्स जब सर्वोच्च न्यायालय को ही कठघरे में खड़ा करे—तो यह न केवल संस्थाओं का अपमान है, बल्कि सियासत की गिरावट का वह मुकाम है जहाँ जबान, ज़िम्मेदारी से नहीं, अहंकार से चलती है।
- क्या यह बयान न्यायालय की अवमानना नहीं है?
- क्या यह सीधे-सीधे मुख्य न्यायाधीश और पूरी न्यायपालिका की नीयत पर उंगली उठाना नहीं है?
- क्या यह बयान, जिसमें लोकतंत्र के सबसे बड़े स्तंभ पर उकसावे और आरोप की भाषा इस्तेमाल की गई हो - राजद्रोह की श्रेणी में नहीं आता?
- सवाल बहुत हैं, लेकिन सबसे बड़ा सवाल यह है कि - अब चुप कौन रहेगा?
- क्या सुप्रीम कोर्ट अपनी मयार्दा, अपनी गरिमा, और अपने अस्तित्व की रक्षा के लिए कोई मुकम्मल कदम उठाएगा?
- क्या भारत की जनता, जो संविधान से अपनी पहचान हासिल करती है, यह सब होते हुए खामोशी से देखती रहेगी?
- जब अदालतें ही सवालों के घेरे में लायी जाएं, जब संविधान की रेखाएं सियासत की उंगलियों से मिटाई जाएँ, जब हर उस संस्था को अपमानित किया जाए जो सत्ता से सवाल करती है- तो जान लीजिए कि यह कोई सादा बयान नहीं, बल्कि लोकतंत्र को बेआबरू करने की एक सोची-समझी स्कीम का हिस्सा है।
- बीजेपी चाहे जितनी बार इस बयान से दूरी बना ले, लेकिन सवाल उसके जमीर पर रहेगा- क्या यह बयान किसी व्यक्तिगत मत का इजहार है, या सत्ता की साज़िश का हिस्सा? क्या यह वही ह्वराजधर्मह्व है, जिसकी दुहाई कभी बीजेपी की ही एक आत्मा अटल बिहारी वाजपेयी ने दी थी?
- आज की तारीख में अदालतें सियासत के तीरों की सीध में हैं। जो फैसले सत्ता की मजी के खिलाफ आते हैं, उन्हें ह्वजनविरोधीह्व और ह्वषड्यंत्रकारीह्व कह दिया जाता है। यह रवैया सिर्फ.अदालती फैसलों से नाराज होने का नहीं, बल्कि इंसाफ से डरने का इजहार है।
- आज देश एक ऐसे मुकाम पर खड़ा है जहां संविधान को दो राहों के बीच देख रहा है।
- एक राह वो है जहां अदालतें संविधान के मुताबिक अपने कर्तव्य निभाती हैं- निष्पक्ष, निर्भीक और न्यायपूर्ण।
- दूसरी राह वो है जहां सियासी दबाव, बयानबाजी, और जनमत की जहरीली धुंध में अदालतें भी थककर खामोश हो जाएं।
- लेकिन याद रखिए-
- जब अदालतें चुप होती हैं, तो सिर्फ.दीवारें खामोश नहीं होतीं, बल्कि इंसाफ की रूह घुटने लगती है।
- और जब इंसाफ दम तोड़ता है, तो मुल्क की हर सड़क, हर गली, हर नागरिक अपने वजूद के लिए लड़ता है।
- आज की सूरत-ए-हाल में मुख्य न्यायाधीश को न सिर्फ. अपना सम्मान बचाना है, बल्कि उस न्यायपालिका की गरिमा भी जो भारत जैसे लोकतंत्र की रीढ़ है। यह वक़्त है कि अदालतें एक मिसाल कायम करें — ताकि कल को कोई और चुनी हुई ज़ुबान लोकतंत्र की नींव पर सियासत की कालिख न पोते।
- भारत को अब यह तय करना होगा:
- वो उनके साथ है जो संविधान को रोज रौंदते हैं, या उनके साथ जो हर हाल में उसकी हिफाजत करते हैं।
- क्योंकि यह लड़ाई किसी पार्टी, किसी व्यक्ति या किसी बयान की नहीं है- यह लड़ाई है उस भारत की, जो अपनी अदालतों पर यकीन रखता है।
- यह लड़ाई है उस आखिरी उम्मीद की, जिसे लोग 'न्याय' कहते हैं।
- और यह लड़ाई अब सिर्फ.अदालत की नहीं, बल्कि हर उस इंसान की है जो अब भी संविधान को सिर्फ.एक किताब नहीं, एक कसम मानता है।

प्रधानमंत्री के मधुबनी कार्यक्रम में रालोमो से हजारों लोग भाग लेंगे तैयारी युद्ध स्तर पर

संवाददाता
इन्डो गल्फ संवाददाता
अब्दुल कादिर

ताजपुर मोरवा / समस्तीपुर :-- आज दिनांक 20 अप्रैल को मोरवा विधानसभा स्तरीय बैठक राष्ट्रीय लोक मोर्चा के बैनर तले जिलाध्यक्ष विनोद चौधरी निषाद जी के अध्यक्षता मे हुई जिसमे आगामी 24 अप्रैल को मधुबनी मे यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय नरेन्द्र मोदी के कार्यक्रम मे अधिकाधिक भागीदारी सुनिश्चित को लेकर तैयारी समिति की बैठक हुई। बैठक मे विभिन्न प्रखंड से आये लोगों ने अपने अपने विचार दिये। बैठक मे मौजूद लोगों ने आश्वासन दिया की राष्ट्रीय लोक मोरचा के कम से कम 6 बस से मोरवा विधानसभा से लोग भाग लेंगे। मौके पर पूर्व जिलापार्षद विभा देवी, प्रदेश महासचिव देवनारायण सिंह,डॉ दिलीप कुमार चौधरी, रामानंद सिंह,ओमप्रकाश,संजय चौधरी निषाद, मो बशीर,मनोज कुमार राम पन्नालाल सहनी, अमरजीत कुमार, राजेंद्र दास, रणधीर कुमार राय, विजय सहनी, रामेश्वर पासवान, नागदेव मण्डल, जगदीश महतो,

सामाजिक चेतना , सांस्कृतिक एवं नैतिक मूल्यों की शिक्षा देते है विद्या भारती विद्यालय : रामलाल सिंह

विद्या भारती का दो दिवसीय प्रांतीय विषय प्रमुख बैठक शुभारंभ

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

सहरसाः विद्या भारती विद्यालयों के माध्यम से हम विद्यार्थियों को शिक्षित कर, उनमें सामाजिक चेतना के साथ सांस्कृतिक एवं नैतिक मूल्यों का संचार कर, देश एवं समाज के लिए योग्य एवं पूर्ण पीढ़ी का निर्माण कर रहे है। उक्त बातें लोक शिक्षा समिति बिहार के प्रदेश सचिव रामलाल सिंह ने रविवार को राजलक्ष्मी धरणीधर सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, पटोरी,पंचगछिया, सहरसा में विद्या भारती विद्यालयों के प्रांतीय विषय प्रमुख व सह प्रमुखों के दो दिवसीय बैठक का उद्घाटन करते हुए कहीं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा प्रणाली के आधार पर समरस, समृद्ध एवं सुसंस्कृत राष्ट्र का निर्माण एवं विकास करना हमारी प्रतिबद्धता है ।उल्लेखनीय हो कि विद्या भारती विद्यालयों के वैज्ञानिक तरीकों से

संचालन हेतु पांच आधारभूत विषयों सहित वर्तमान में कुल 30 विषयों की पढ़ाई की व्यवस्था की गई हैं ।पंचगछिया में आयोजित इस दो दिवसीय प्रांतीय विषय प्रमुख बैठक में इन सभी 30 विषयों के प्रांतीय विषय प्रमुख व सह प्रमुख शामिल है ।ये सभी लोग वर्तमान शैक्षिक सत्र के लिए अपने अपने विषयों का एक वर्ष का कार्ययोजना बनाएंगे ।बैठक में बनाएं गए कार्य योजना के हिसाब से ही एक सत्र प्रांत के सभी विद्या भारती विद्यालयों का संचालन किया जाएगा ।बताते चलें कि दो दिवसीय प्रांतीय विषय प्रमुख बैठक का उद्घाटन विद्या भारती बिहार के कार्यकारिणी सदस्य डॉ शरद चौधरी, लोक शिक्षा समिति बिहार के प्रदेश मंत्री डॉ सुबोध कुमार सिंह, प्रदेश सचिव रामलाल सिंह, सहरसा विभाग संयोजक विजय कुमार झा व विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष रमेश प्रसाद सिंह ने दीप प्रज्वलित कर के किया। समारोह की अध्यक्षता विभाग संयोजक विजय कुमार झा व मंच संचालन प्रवासी कार्यकर्ता रंजीत कुमार ने किया ।वहीं विषय प्रवर्तन प्रदेश मंत्री डॉ सुबोध कुमार सिंह ने किया ।उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए विशिष्ट अतिथि डॉ शरद चौधरी ने कहा कि विद्या भारती वर्ष 1952 से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर रही है तथा युवा पीढ़ी को भारतीय मूल्यों एवं संस्कृति के अनुरूप शिक्षित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

इतिहास बदलने की नहीं बल्कि अपनी समृद्ध इतिहास को पुनर्स्थापित करने की है जरूरत : विधायक डॉ. मिथिलेश

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो अरमान अली

सीतामढ़ी । 24 अप्रैल को पंचायती राज दिवस के अवसर पर लोकप्रिय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के मिथिला आगमन पर संपूर्ण मिथिला में खुशी एवं उत्साह का लहर है। उनके स्वागत में सम्पूर्ण मिथिलावासी का सैलाब मधुबनी के विदेश्वर स्थान में उमरेगा। नगर विधायक ने कहा प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार ने मिथिलांचल सहित सम्पूर्ण बिहार को जो सौगात दिया है, वह भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में अभूतपूर्व है। विश्व की विशिष्टतम ऐतिहासिक भूमि सीता प्राकट्य स्थली को विश्व स्तर का पर्यटन बनाने का हम सीतामढ़ी वासियों के सपने को मूर्त रूप देने की प्रधानमंत्री जी की तत्परता वंदनीय है। 24 अप्रैल के कार्यक्रम का आमंत्रण

देने हेतु प्रचार सह आमंत्रण रथ को आज अहले सुबह नगर विधायक ने सीतामढ़ी विधान सभा कार्यालय से सनातन पताका दिखाकर सम्पूर्ण सीतामढ़ी विधानसभा क्षेत्र के टोला मुहल्ला तक आमंत्रण पत्र पहुंचाने हेतु आमंत्रण रथ को रवाना किया ।नगर विधायक ने कहा हम सबों को इतिहास बदलने की नही बल्कि अपनी समृद्ध इतिहास को पुनर्स्थापित करने की जरूरत है ।हमारा वैभवशाली इतिहास सम्पूर्ण विश्व का मार्गदर्शन करने वाला है। बाबा विदेश्वर नाथ की कृपा से अब तक के प्रधानमंत्री जी के कार्यक्रम के इतिहास का रिकॉर्ड हम लोग तोड़ेंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगमन को लेकर बथनाहा क्षेत्र में जनसंपर्क अभियान

जनता से मधुबनी चलने का आह्वान

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो अरमान अली

सीतामढ़ी । प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के 24 अप्रैल को मधुबनी स्थित विशेश्वर स्थान में प्रस्तावित जनसभा कार्यक्रम की सफलता हेतु बथनाहा विधानसभा क्षेत्र में व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाया गया। क्षेत्र के विधायक ई. अनिल कुमार ने नरहा पंचायत के सिरसिया गांव, सहियारा पंचायत के हरिबेला गांव और डायनकोठी पंचायत में जनसंपर्क कर भाजपा कार्यकताओं एवं क्षेत्रवासियों से कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने का आग्रह किया।

जनसंपर्क के दौरान विधायक श्री अनिल कुमार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा बिहार को दी गई विभिन्न प्रमुख सौगातों की जानकारी साझा करते हुए कहा कि आयुष्मान भारत योजना के तहत गरीबों को ?5 लाख तक के निःशुल्क इलाज की सुविधा प्रदान की गई है। वहीं थावे दुर्गा मंदिर का सौंदर्यीकरण कर धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा दिया गया है। मखाना बोर्ड के गठन से बिहार को वैश्विक पहचान मिली है। राज्य के 39 लाख से अधिक गरीब परिवारों का पक्का मकान का सपना साकार हुआ है ।मिथिला क्षेत्र में मां जानकी के भव्य मंदिर निर्माण का मार्ग प्रशस्त हुआ है। 76 लाख किसानों को किसान सम्मान निधि के तहत आर्थिक सहायता दी गई है। गोरखपुर-सिलीगुड़ी एक्सप्रेसवे द्वारा आठ जिलों को जोड़ने वाली 417 किलोमीटर लंबी सड़क सुविधा मिली है।

दरभंगा में एम्स की स्थापना से मिथिला क्षेत्र में उच्च स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित हुई है।

इस अवसर पर बथनाहा मंडल के अध्यक्ष विपुल मिश्रा, पूर्व मंडल अध्यक्ष रामेश्वर दास, जितेंद्र जी, अशोक सिंह, टिंकू सिंह, श्रीचंद्र मौली सहित पंचायतों के विभिन्न गांवों से कार्यकर्ता एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की सफलता में राजेंद्र महासेठ, सत्येंद्र सिंह, कोदई साहनी, धर्मेंद्र सिंह, प्रिंस कुमार एवं संतोष सिंह राठौड़ का विशेष योगदान रहा।

विधायक श्री अनिल कुमार ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश एवं बिहार निरंतर विकास के पथ पर अग्रसर है और 24 अप्रैल को मधुबनी में आयोजित होने वाली जनसभा ऐतिहासिक साबित होगी।

समस्तीपुर के राजू सहनी हुए आसाम में सम्मानित

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के उजियारपुर प्रखंड मुख्यालय से सटे भगवानपुर कमला गांव निवासी जिले के चर्चित युवा समाजसेवी भाई राजू सहनी को असम के गुवाहाटी में संचालित आर्य विद्यापीठ कॉलेज परिसर में श्री श्री सार्वजनिक सत्र की सहयोग व शंकर माधव देव सांस्कृतिक समाज असम सरकार के द्वारा आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में असम सरकार के स्वास्थ्य मंत्री जयंतमल बरूआ, असम सरकार की मेयर मिरगेन सरनियां, जीएमडी चेयरमैन मुक्ता डेका के द्वारा संयुक्त रूप से सम्मानित किया गया। युवा समाजसेवी भाई राजू सहनी को असम सरकार के द्वारा यह सम्मान समाजसेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए दिया गया है। युवा समाजसेवी भाई राजू सहनी के द्वारा समाजिक कार्यों में किए गये उत्कृष्ट प्रदर्शन से गदगद असम सरकार के स्वास्थ्य

मंत्री ने कहा कि आज वह लोग यहाँ समाजसेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालों को सम्मानित करने के लिए इकट्ठा हुए हैं। जिस कड़ी में हमारे युवा समाजसेवी भाई राजू सहनी का नाम भी शामिल है। इनके द्वारा किए कार्य और समर्पण ने समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आज युवा समाजसेवी भाई राजू सहनी के प्रयासों ने न केवल जरूरतमंदों की मदद की है, बल्कि समाज में एक नई दिशा और प्रेरणा भी प्रदान किया है। इनके कार्यों ने हमें यह याद दिलाया है कि हमारा समाज एक दूसरे के साथ जुड़ा हुआ है और हमें एक दूसरे की मदद करने के लिए हमेशा तैयार रहना चाहिए। भाई राजू सहनी के समाजसेवा की भावना और समर्पण ने उन्हें गर्व महसूस कराया है। उन्हें उम्मीद है कि भाई राजू सहनी के कार्यों से अन्य लोग भी प्रेरित होंगे और समाज के विकास में अपना योगदान देंगे। एक बार फिर भाई राजू सहनी को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बधाई और शुभकामनाएं। वह भाई राजू सहनी के भविष्य के प्रयासों में भी सफलता की कामना करते हैं।

दुर्घटना में मृतक के परिजनों से मिले बनियापुर विधायक, दी सांत्वना

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक थाना क्षेत्र के चैनपुर गांव में सड़क दुघर्टना में मृतक के दरवाजे बनियापुर विधायक केदारनाथ सिंह ने पहुंच परिजनों के प्रति शोक संवेदना व्यक्त किया। मौके पर टुन्ना सिंह, रंजीत सिंह समेत अन्य ग्रामीण मौजूद रहें। आपको बता दें कि चैनपुर गांव निवासी स्व श्याम पूजन सिंह के 40 वर्षीय पुत्र कौशल किशोर सिंह उर्फ कन्हैया सिंह की सड़क दुघर्टना में मौत हो गई है। मृतक अपने परिवार का एकमात्र कमाऊ सदस्य हैं। बनियापुर विधायक केदारनाथ सिंह ने मृतक के परिजनों से मुलाकात की और शोक संवेदना व्यक्त किया।

मौके पर टुन्ना सिंह, रंजीत सिंह समेत अन्य ग्रामीण मौजूद रहें। आपको बता दें कि चैनपुर गांव निवासी स्व श्याम पूजन सिंह के 40 वर्षीय पुत्र कौशल किशोर सिंह उर्फ कन्हैया सिंह की सड़क दुघर्टना में मौत हो गई

देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिथिलाराज एवं मिथिला के विभिन्न 22 सूत्री समस्याओं से संबंधित समारपत्र भेजकर मिथिलाराज की प्रो शीतलांबर झा ने मांग किया है

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

प्रो शीतलांबर झा महासचिव , मैथिल समाज रहिका मधुबनी ने प्रेस विज्ञप्ति जारकरी कहा है कि 24 अप्रैल को देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की मिथिला के पावन भूमि मधुबनी के झंझारपुर के विदेश्वरस्थान आगवन से पहले जिला अधिकारी मधुबनी के माध्यम एवं ईमेल कर भारत के संविधान के तहत पृथक मिथिलाराज एवं मिथिला के विभिन्न 22 सूत्री समस्याओं से संबंधित समारपत्र भेजकर मिथिलाराज की मांग किया है।

प्रो झा ने अपने समारपत्र में मिथिला के सभ्यता , संस्कृति ,विद्वता एवं आध्यात्मिक चर्चा करते हुए कहा है कि आदिकाल से मिथिला सदैब से समृद्धि रही है मिथिला कभी देश हुआ करता था प्राचीनकाल में राजा विदेह राजा जनक हुए है राजा जनक जी ही पृथ्वी की गोद से जगज्जननी माता सीता जी को पादुर्भाव कराए थे कालांतर में एक से बढ़कर एक मनीषियों कपिल , कणाद , गौतम , याज्ञवल्क्य, ज्योतिश्वर ठाकुर , वाचस्पति, उदयन , गंगेश , अयाची , शंकर , कालिदास , विद्यापति एवं वीर लोरिक , राजा सल्हेश , दिनाभद्री ने आध्यात्मिक चिन्तन एवं शिक्षण से विश्व को मानवता को आलोकित किया है मिथिला लोककला , चित्रकला एवं माछ और मखान से विश्व विख्यात है ।

प्रो झा ने कहा कि आजादी आंदोलन में मिथिला क्षेत्र के लोगों का योगदान बहुत ही महत्वपूर्ण रहा है राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी के नेतृत्व में तत्कालीन लोगो ने अपना बलिदान तक देश के लिए दिया था आजादी के तुरंत बाद सर्वप्रथम मिथिला केसरी बाबू जानकी नंदन सिंह जी ने पृथक मिथिलाराज की मांग को उठाए थे इसके लिए संघर्ष भी हुआ था आज भी मिथिला क्षेत्र से लेकर राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली तक मिथिलाराज को लेकर धरना प्रदर्शन होता रहा है मिथिला के सभ्यता , संस्कृति एवं विद्वता समृद्धि रहते हुए भी मिथिला क्षेत्र देश के अन्य क्षेत्रों से पीछे एवं अभिशप्त जीवन जीने को मजबूर है यहां के लोग कभी बाढ़ तो कभी सुखाड़ से परेशान हैं भुखमरी एवं पलायन ही इसके भाग्य में लगता है लिखा हुआ है जबकि मिथिला क्षेत्र के भूभाग में अनेकों उद्योग था जो आज भी बंद पड़ा हुआ है , मातृभाषा मैथिली शासन प्रशासन से उपेक्षित हैं रोजगार का घोर अभाव है , उच्च तकनीकी शिक्षण संस्थान आज भी मिथिला क्षेत्र में नहीं है , राष्ट्रीय औसत आय से मिथिला क्षेत्र के लोगों का आय अत्यधिक कम है साथ ही विकास काम भी न के बराबर हो रहा है इसलिए इन समस्याओं का एकमात्र निधान है ब्रिटिशकाल में मधुबनी के तत्कालीन अनुमंडल अधिकारी जार्ज अब्राहन ग्रियर्सन के मिथिला क्षेत्र का नक्शा के आधार पर पृथक मिथिलाराज का मांग सर्वथा उपयुक्त प्रतीत होता है।

प्रो झा ने 22 सूत्री मांग में मिथिलाराज या तत्काल मिथिला विकास बोर्ड गठन , बंद पड़े सभी उद्योग को चालू करने एवं नए उद्योग का निर्माण, मिथिला क्षेत्र में राजकाज का भाषा मैथिली में हो , प्राइमरी से लेकर उच्च माध्यमिक शिक्षा मैथिली में एवं मैथिली को अनिवार्य विषय घोषित करने , मैथिली को शास्त्रीय भाषा घोषित करने ,मैथिली शिक्षकों की बहाली एवं पुस्तकों का प्रकाशन , विश्व प्रसिद्द मधुबनी खादी उद्योग को पुनर्जीवित करने, दरभंगा में हाई कोर्ट का एक बेंच का निर्माण , मधुबनी से माता सीता जी नगरी सीतामढ़ी तक नई रेल लाइन का निर्माण, मधुबनी में केंद्रीय विद्यालय का निर्माण , आईआईएम एवं आई आई टी संस्थाओं का निर्माण , मधुबनी रेलवे स्टेशन का नामकरण कालिदास विद्यापति स्टेशन घोषित करना,मिथिला क्षेत्र के सभी प्रमुख दर्शनीय एवं प्रसिद्द स्थल को पर्यटक स्थल के रूप में विकसित करने , मिथिला के पांडुलिपि को संरक्षण एवं संवर्धन करने , मिथिला क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग एवं रेलवे का विस्तारीकरण, मिथिला विश्वविद्यालय को केंद्रीय विश्वविद्यालय का दर्जा सहित मिथिला गौरव स्व ललित नारायण मिश्रा को भारत रत्न से सम्मानित करने का आग्रह करते हुए मिथिला के चौमुखी विकास के लिए मिथिलाराज निर्माण के दिशा में आवश्यक कदम उठाने का आग्रह किया ।

अलग-अलग घटनाओं में दो घायलों को 112 की टीम ने सीएचसी में कराया भर्ती

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक के अलग-अलग गांवों से दो घायलों का इलाज सीएचसी मशरक में हुआ। पहले मामले मशरक के दुरगौली गांव में जमीनी विवाद में जमीन पर कब्जा करने का विरोध करने पर मारपीट में एक व्यक्ति को घायल हालत में इलाज के लिए सीएचसी मशरक में भर्ती कराया गया। घायल दुरगौली गांव निवासी ललन पांडेय पिता स्व धर्मनाथ पांडेय हैं। घायल ने थाना पुलिस को आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई। मशरक के पचखंडा राजापुर के पास अनियंत्रित बाइक की चपेट में आने से पैदल जा रहा एक युवक घायल हालत में इलाज के इमरजेंसी 112 की टीम के द्वारा सीएचसी मशरक में भर्ती कराया गया। घायल केसरी गांव निवासी 30 वर्षीय शैलेश कुमार हैं। इमरजेंसी 112 टीम के अधिकारी इमरान अंसारी ने कहा कि ग्रामीणों के द्वारा सूचना पर वे वहां पहुंचे और घायल को इलाज के लिए सीएचसी मशरक में भर्ती कराया।

ब्राह्मण पंचायत ने स्व अरविंद ठाकुर को दी भावभीनी श्रध्दांजलि

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

सीतामढ़ी। श्री मारवाड़ी ब्राह्मण पंचायत ने शनिवार को पंचायत अध्यक्ष राधेश्याम शर्मा की अध्यक्षता में शनिवार की देर शाम एक श्रध्दांजलि सह शोक सभा आयोजित कर जिले के वरिष्ठतम अधिवक्ता स्व अरविंद ठाकुर को भावभींनी श्रध्दांजलि अर्पित की। अपने अध्यक्षीय संबोधन में श्री शर्मा ने कहा कि बेहद धार्मिक स्वभाव के सनातन धर्म के एक स्तंभ वरिष्ठ अधिवक्ता अरविंद ठाकुर के निधन से जिला ने एक कुशल अधिवक्ता और दयालू प्रवृत्ति का समाजसेवी खो दिया है। ईश्वर उनके शोकसंतप्त परिवार और कुटुम्बियों को धैर्य और संवल प्रदान करें तथा ईश्वर उनके आत्मा को शान्ति प्रदान करें ।उपस्थित लोगों ने उनके व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा वे गरीबों को निशुल्क न्यायायिक सेवा प्रदान करते थे तथा सांस्कृतिक और अध्यात्मिक कार्यक्रम बढ़ चढ़कर हिस्सा लेते थे। उनकी कमी निकट भविष्य में काफी दिनों तक खलती रहेगी। ईश्वर उन्हें अपने चरणों में स्थान दें तथा उनके आश्रितों को संवल प्रदान करें। श्रध्दांजलि सभा के अंत में उपस्थित लोगों ने दो मिनट तक मौन रहकर ईश्वर से प्रार्थना की ।श्रध्दांजलि सह शोक सभा में कौशल किशोर शर्मा, विद्याघर शर्मा, इन्द्र चंद शर्मा, राम लाल शर्मा, नीरज व्यास, सुनील शर्मा, शशि शर्मा तथा नवीन कुमार चौधरी ने शोक प्रकट किए।

प्रो सैफुल्लाह सैफ का निधन, शिक्षा जगत में शोक की लहर

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जनवादी लेखक संघ की समस्तीपुर जिला इकाई के अध्यक्ष शाह जफर इमाम, कार्यकारी जिला सचिव डॉ अरुण अभिषेक, उपाध्यक्ष शायर कासिम सबा, संयुक्त सचिव अरविंद कुमार दास, शंभू शरण यादव एवं काबिश जमाली ने निम्नलिखित प्रेस विज्ञप्ति जारी की है कि हम बलिराम भगत कॉलेज समस्तीपुर के सेवानिवृत्त उर्दू विभागाध्यक्ष प्रोङ्ग सैफुल्लाह सैफ के आकस्मिक निधन पर अपने गम का इजहार करते हैं। विदित हो कि रविवार को करीब 11 बजे धरमपुर स्थित अपने मकान में

75 वर्षीय प्रो सैफुल्लाह सैफ ने लगभग साढ़े तीन दशकों तक बलिराम भगत कॉलेज में उर्दू विषय के सहायक प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष के रूप में अपनी सेवा दी। वे अपने विषय के विशेषज्ञ होने के साथ-साथ एक अच्छे शायर भी थे।

उन्हें दिल का दौरा पड़ा। परिवार के सदस्यों ने उन्हें धरमपुर स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां करीब 11 : 30 बजे उन्होंने आखिरी सांस ली। 75 वर्षीय प्रो सैफुल्लाह सैफ ने लगभग साढ़े तीन दशकों तक बलिराम भगत कॉलेज में उर्दू विषय के सहायक प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष के रूप में अपनी सेवा दी। वे अपने विषय के विशेषज्ञ होने के साथ-साथ एक अच्छे शायर भी थे तथा स्थानीय स्तर से लेकर राज्य स्तर तक के सैकड़ों मुशायरों और कवि सम्मेलनों में उन्होंने हिस्सा लिया। बहुत ही हंसमुख स्वभाव के धनी प्रो सैफुल्लाह एक जिन्दा दिल इंसान भी थे और अपने सहकर्मियों एवं शागिर्दों के बीच बहुत लोकप्रिय भी थे। उनका जाना शिक्षा जगत एवं उर्दू अदब की दुनियां के लिए भारी क्षति है। अपने संगठन की ओर से उन्हें खिराज-ए-अकीदत पेश करते हुए उनके परिवार के सदस्यों, उनके सहकर्मियों, दोस्तों एवं शुभचिंतकों के प्रति हार्दिक संवेदनाएं व्यक्त करते हैं तथा दुःख की इस घड़ी में हिम्मत से काम लेने की अपील करते हैं। इधर बलिराम भगत महाविद्यालय के सेवानिवृत प्रो सैफुल्लाह सैफ के

निधन होने पर ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय पेंशनधारी शिक्षक संघ के जिला संयोजक डॉ प्रभात कुमार, क्षेत्रीय पदाधिकारी निर्मल सिंह, फरजाना बानो, अमरेंद्र यादव, शीला सिंह, सच्चिदानंद तिवारी, बिंदा कुमारी, शिउली भट्टाचार्य आदि ने दुःख व्यक्त किया है।

मधुबनी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 24 को आएंगे

पीएम के कार्यक्रम में मोरवा से काफी तायदाद में लोग भाग लेंगे

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। रविवार को मोरवा विधानसभा स्तरीय बैठक राष्ट्रीय लोक मोर्चा के बैनर तले जिलाध्यक्ष विनोद चौधरी निषाद के अध्यक्षता में हुई जिसमें आगामी 24 अप्रैल को मधुबनी में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यक्रम मे अधिकाधिक भागीदारी सुनिश्चित को लेकर तैयारी समिति की बैठक हुई। बैठक में विभिन्न प्रखंड से आये लोगों ने अपने अपने विचार दिए। बैठक में मौजूद लोगों ने आश्वासन दिया की राष्ट्रीय लोक मोर्चा के कम से कम 6 बस से मोरवा विधानसभा से लोग जाएंगे और कार्यक्रम में भाग लेंगे। मौके पर पूर्व जिलापार्षद विभा देवी, प्रदेश महासचिव देवनारायण सिंह, डॉ दिलीप कुमार चौधरी, रामानंद सिंह,ओमप्रकाश, संजय चौधरी निषाद, मो बसीर, मनोज कुमार राम पन्नालाल सहनी, अमरजीत कुमार, राजेंद्र दास, रणधीर कुमार राय, विजय सहनी, रामेश्वर पासवान, नागदेव मण्डल, जगदीश महतो, मुकेश कुमार चौधरी, बैजू कुमार, चंदन कुमार, पथलु महतो, माहेश्वरी देवी, शकुंति देवी, सुरेश कुमार राम, रामवरण राम, शिवनंदन राम, संजय कुमार राम, जयदेव राय, सुभाष यादव, रामलाल सदा, गनौर पासवान, महावीर राम, अमरेंद्र कुमार आदि मौजूद थे।

बिहार चुनाव से पहले पंचायत जनप्रतिनिधियों ने खोला मोर्चा

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले पंचायत प्रतिनिधियों ने सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। अपने अधिकारों की मांग को लेकर पटना में राजनीतिक दलों के पार्टी कार्यालय के बाहर पोस्टर लगाकर विरोध दर्ज कराया है। पोस्टर के जरिए प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री से सवाल पूछा गया है, 'बिहार में सबसे नीचे पंचायती राज क्यों है? कब मिलेगा हमारा अधिकार?' ये पोस्टर्स मुखिया संघ के प्रदेश अध्यक्ष मिथिलेश कुमार राय और पंच-सरपंच संघ के अध्यक्ष अमोद कुमार निराला की ओर से लगाया गया है।पोस्टर में इस बात का भी जिक्र है कि पंचायत

जनप्रतिनिधि जब अपने अधिकार की बात करते हैं तो उन्हें केवल आश्वासन मिलता है। या चुप करा दिया जाता है। ग्राम कचहरी और पंचायती राज व्यवस्था को कमजोर किया जा रहा है। जबकि संविधान ने इन्हें मजबूत करने की बात कही है। मुखिया और पंच-सरपंच संघ का आरोप है कि पंचायत प्रतिनिधियों को प्रशासनिक अधिकार नहीं दिए जा रहे हैं।

जीविका दीदी संवाद कार्यक्रम का आयोजन

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के कल्याणपुर प्रखंड क्षेत्र के कबीर चौक के समीप एक निजी विद्यालय में प्रोजेक्टर के माध्यम से एक सौ से अधिक की संख्या में उपस्थित जीविका दीदी को नीतीश कुमार मुख्यमंत्री के शासनकाल में महिलाओं के लिए आरक्षण में वर्ष 2006 में पंचायती राज संस्था को एवं 2007 में नगर निकायों के चुनाव में सभी कोटि के पदों के लिए 50% आरक्षण, 2006 प्रारंभिक शिक्षक नियुक्ति में 50% आरक्षण वर्ष 2013 में बिहार पुलिस एवं वर्ष 2016 में विभिन्न सरकारी योजनाओं में 35% आरक्षण वर्ष 2021 में खेल विश्वविद्यालय

अभियंत्रण एवं चिकित्सा महाविद्यालय में 33% आरक्षण बिहार राज्य महिला सशक्तिकरण नीति 2015 में महिलाओं के आर्थिक सामाजिक राजनीति एवं शैक्षणिक विकास के साथ-साथ स्वास्थ्य के प्रति सजगता हेतु अनुकूल वातावरण बना है। महिलाएं हर स्तर पर सशक्त हो रही है बिहार ग्रामीण जीविका उपार्जन प्रोत्साहन समिति आदि के संबंध में विस्तृत जानकारी महिलाओं को दी गई।मौके पर कुमार अनुपम, रिजवान, तनु कुमारी, विद्या भारती समेत अधिक संख्या में जीविका दीदी मौजूद थी।

खेलो इंडिया यूथ गेम्स के लिए प्रचार वाहन रवाना

मुख्य सचिव ने दिखाई हरी झंडी, युवाओं के साथ अभिभावकों को भी किया जाएगा प्रेरित

गया। खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025' गया में होने जा रहा है। इसकी तैयारी जोर पकड़ चुकी है। रविवार को गया जिला अतिथि गृह से मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा, प्रमंडलीय आयुक्त सफीना ओर डीएएम डॉ. त्यागराजन ने प्रचार वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। बताया गया है कि प्रचार वाहन गया और बोधगया के कोने-कोने में जाकर न केवल युवाओं को बल्कि अभिभावकों को भी इस आयोजन के लिए प्रेरित करेंगे।इस मौके पर मुख्य सचिव अमृतलाल मीणा ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार खेलों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रचार वाहन के माध्यम से जिले के युवा खिलाड़ियों को जागरूक किया जा रहा है ताकि वे इस भव्य आयोजन का हिस्सा बन सकें। साथ ही में युवा खेल के प्रति समर्पित हों और राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का परचम लहराएं। दो स्थानों पर खेल प्रतियोगिता प्रस्तावित है खेलो इंडिया यूथ गेम्स प्रचार रथ को आकर्षक फ्लेक्स से सजाया गया है और इसमें ऑडियो सिस्टम भी लगाए गए हैं। वाहन से ह्यखेल के रंग, बिहार के संगह्न का नारा गूंज रहा है, जो लोगों के बीच उत्साह भर रहा है। साथ ही, आयोजन का एंथम सांग भी लगातार प्रसारित किया जा रहा है, जिससे माहौल पूरी तरह खेलमय बन चुका है। डीएम डॉ. त्यागराजन ने बताया कि गया नगर निगम और बोधगया नगर परिषद के प्रमुख चौकों और इलाकों में ये वाहन भ्रमण करेंगे। उन्होंने कहा कि यह आयोजन बिहार के लिए गर्व की बात है और इसे सफल बनाने में सरकार कोई कसर नहीं छोड़ रही। उन्होंने बताया कि गया जिले में दो स्थानों बिपार्ड और आईआईएम में खेल प्रतियोगिता प्रस्तावित है। दोनों स्थलों पर तैयारियां अंतिम चरण में हैं।

लखीसराय में स्कूल विकास योजना में बड़ा घोटाला

लखीसराय। में स्कूल सुदृढ़ीकरण योजनाओं में बड़े पैमाने पर फजीर्वाड़ा का मामला उजागर हुआ है। जिलाधिकारी मिथिलेश मिश्र के आदेश पर गठित 42 जांच टीमों ने अपनी रिपोर्ट सौंप दी है, जिसमें भारी अनियमितताएं पाई गई हैं। जांच रिपोर्ट ने शिक्षा विभाग में हड़कंप मचा दिया है। 321 में से 90 योजनाओं में स्थल पर कोई काम नहींजांच में कुल 321 योजनाओं की पड़ताल की गई, जिनमें 90 योजनाओं में स्थल पर कोई भी कार्य नहीं हुआ। इसके बावजूद इन योजनाओं का बिल बनाकर भुगतान की कोशिश की गई। डीएम ने इस गड़बड़ी में शामिल लोगों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज करने का सख्त निर्देश दिया है।190 योजनाओं का अधूरा कार्य, फिर भी पैसे की निकासी जांच में 190 योजनाओं का कार्य अधूरा पाया गया। हैरानी की बात यह रही कि इन्हें पूर्ण कार्य दिखाकर इनका भुगतान कर लिया

गया। इन मामलों में संबंधित कर्मचारियों और जिम्मेदारों को कारण बताओ नोटिस जारी किया जाएगा। सिर्फ 41 योजनाओं का कार्य ही संतोषजनक मिला।सात प्रखंडों में चला जांच अभियानशिक्षा विभाग द्वारा स्कूल भवन, शौचालय, किचन शेड, बोरिंग और बिजली वायरिंग के लिए ये योजनाएं चलाई गई थीं। लगातार मिल रही शिकायतों के बाद डीएम ने 84 अधिकारियों की 42 टीमें बनाकर बड़हिया, चानन, हलसी, लखीसराय, पिपरिया, रामगढ़ चौक और सूर्यगढ़ा प्रखंड में व्यापक जांच कराई। शिक्षा विभाग में मचा हड़कंपइस कार्रवाई से शिक्षा विभाग में हड़कंप मच गया है।

संक्षिप्त डायरी

किशोरी को एक युवक ने किया अगवा, प्राथमिकी दर्ज

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के वारिसनगर प्रखंड के तहत मथुरापुर थाना क्षेत्र के रामनगर मुहल्ला से एक 16 वर्षीय किशोरी को अपहरण किए जाने की प्राथमिकी शनिवार को थाना में दर्ज की गईं है। खानपुर थाना क्षेत्र के गुदारघाट गांव के रिंकू देवी ने एक नामजद प्राथमिकी दर्ज कराया है। इस मामले में रामनगर गांव के मोनू कुमार एवं उसके माता - पिता को भी नामजद किया है। दरोगा सुप्रिया आर्या मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

परतापुर गोलीकांड के आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के कल्याणपुर प्रखंड क्षेत्र के नगर निगम क्षेत्र वार्ड संख्या 09 परतापुर में काली ब्रह्म पूजने के क्रम में 16 अप्रैल की संध्या एक राउंड फायर हुई जिसमें गांव के ही गोरख साह के पुत्र 25 वर्षीय रोहित कुमार जख्मी हुए थे। पीड़ित मां अनीता देवी ने पुत्र को गोली लगने को लेकर थाने में प्राथमिकी संख्या 128/25 दर्ज कराते हुए पांच लोगों को आरोपित किया था जिसमें गांव के ही पवन साह के पुत्र बिट्टू कुमार को स्थानीय पुलिस ने रविवार को गिरफ्तार किया ।बतादे की शनिवार 19 अप्रैल के अपराह्न में गोलीकांड का जायजा लेने पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मिश्रा घटनास्थल पर पहुंचे थे। कई बिंदुओं पर जांच करते हुए थानाध्यक्ष राकेश कुमार शर्मा आदि को कई निर्देश दिए उसी के आलोक में थानाध्यक्ष के नेतृत्व में परतापुर में छापेमारी कर बिट्टू कुमार को गिरफ्तार किया गया है। इसकी जानकारी थानाध्यक्ष ने दी। उन्होंने बताया कि अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी को लेकर छापेमारी जारी है।

श्राद्ध का भोज खाकर घर लौटे वृद्ध, अचानक तबियत खराब होने से हुई मौत

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के कल्याणपुर प्रखंड क्षेत्र के लदौरा पंचायत अंतर्गत रामपुरा धोबी टोल के 55 वर्षीय लक्ष्मी बैठा गांव के ही एक श्राद्ध कर्म के भोज में शामिल हुए।भोज खाकर घर गये। बाद में अचानक तबीयत खराब होने लगी परिजनों के सहयोग से उन्हें सामुदायिक अस्पताल कल्याणपुर इलाज के लिए ले जाया जा रहा था परंतु रास्ते में ही मौत हो गई।अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सक ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। स्थानीय लोगों ने बताया कि वे हृदय रोग से पीड़ित थे। हृदय गति रुकने से उनकी मौत हो गई। इधर परिजनों का रो- रोकर बुरा हाल बना हुआ है।

बूढ़ी गंडक नदी में डूबा किशोर, खोजबीन जारी,किशोर शादी समारोह में शामिल होने आया था

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के उजियारपुर प्रखंड अंतर्गत अंगारघाट थाना क्षेत्र के डिहुली गांव में बुढ़ी गंडक नदी में एक बच्चे की डूबने का मामला प्रकाश में आया है। घटना रविवार दोपहर डेढ़ बजे की बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलने के बाद अंगारघाट थानाध्यक्ष दिव्या ज्योति कुमारी घटनास्थल पर पहुंची तथा इसकी सुचना एसडीआरएफ समस्तीपुर को दिया। थानाध्यक्ष अंगारघाट दिव्या ज्योति कुमारी के द्वारा सूचना देने के करीब डेढ़ घंटा बाद एसडीआरएफ की टीम घटनास्थल पर पहुंची, लेकिन एसडीआरएफ टीम के द्वारा इस्तेमाल की जानेवाली इन्फलेटेबल बोट का ईंजन स्टार्ट नही होने के कारण एसडीआरएफ की टीम शव खोजने पानी में नही उतरी है। नदी में डूबकर गायब हुए बच्चे की पहचान दरभंगा जिला के सुपौल थाना अंतर्गत बलिया गांव निवासी बद्री आचार्य के 15 वर्षिय पुत्र आयुष आचार्य के रूप में की गयी है। घटना के संबंध में बताया जाता है कि उक्त किशोर डिहुली गांव स्थित किसी रिश्तेदार के घर शादी समारोह में शामिल होने आया था। जहां की एक स्थानीय बच्ची के साथ बुढ़ी गंडक नदी में नहाने चला गया। जहां गहरे पानी में चले जाने के कारण बच्चा डूबकर गायब हो गया। वहीं किशोर के साथ नहाने गयी बच्ची किसी तरह तैरकर नदी से बाहर आ गयी और इसकी सूचना घरवालों को दिया। सूचना मिलने के बाद किशोर के परिजन रोते बिलखते नदी किनारे पहुंचे। जहां से किसी ने इसकी सूचना अंगारघाट थाने की पुलिस को दिया। सूचना मिलने के बाद अंगारघाट थाने की पुलिस घटनास्थल पर पहुंच इसकी सूचना एसडीआरएफ टीम को दिया। सूचना मिलने के बाद एसडीआरएफ की टीम भी मौके पर पहुंच चुकी है। खबर लिखे जाने तक पानी में डूबकर गायब हुए बच्चे को बरामद नही किया जा सका था।

अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी।'जिससे बैरक में अफरा तफरी मच गई। सभी सिपाही बैरक छोड़कर बाहर निकल गए। जब बाकी जवान बैरक में वापस गए तो देखा कि सोनू मृत पड़ा हुआ है। उसके सीने और चेहरे पर गोलियां लगीं। कुछ देर बाद सर्वजीत इंसास राइफल लेकर बैरक की छत पर चढ़ गया। इसके बाद सभी ने मिलकर कड़ी मशक्कत के बाद आरोपी सिपाही सर्वजीत को पकड़ा। सर्वजीत को गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी से मुफ्फसिल थाना में SDPO के नेतृत्व में पूछताछ हो रही है।मृतक सोनू भभुआ का रहने वाला था, जबकि आरोपी सिपाही सर्वजीत आरा का रहने वाला है। बताया जा रहा है कि दोनों दोस्त थे। इससे पहले भी दोनों की एक ही थाने में पोस्टिंग भी थी। कुछ दिन पहले ही सिकटा थाने से बेतिया पुलिस लाइन में ट्रांसफर हुआ था और एक ही यूनिट में तैनात थे। फिलहाल मृतक सिपाही सोनू कुमार के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। वारदात के बाद सिपाहियों में आक्रोश है।

वकील को एक महीने की जेल,पत्नी को नहीं दिया खर्च

2016 से 7.72 लाख का बकाया; 16 साल पहले रॉन्ग नंबर से शुरू हुआ था अफेयर

समस्तीपुर। फैमिली कोर्ट ने अधिवक्ता मनीष कुमार को 1 महीने की सजा सुनाई है।फैमिली कोर्ट के विशेष न्यायाधीश संजय अग्रवाल ने वकील मनीष कुमार को पत्नी प्रीति राज को गुजारा-भत्ता नहीं देने के कारण जेल भेज दिया। दरअसल, फैमिली कोर्ट ने अधिवक्ता मनीष को 2016 में आदेश दिया था कि वह अपनी पत्नी को भरण पोषण के लिए हर महीने 6 हजार रुपए देंगे, लेकिन उसने ऐसा नहीं किया। इस आदेश के उल्लंघन पर कोर्ट ने सजा सुनाई है। वहीं 9 सालों में गुजारा-भत्ता की रकम करीब 7 लाख 72 हजार हो चुकी है। अगर अधिवक्ता इसकी भरपाई नहीं करते हैं तो उनकी सजा बढ़ाई जा सकती है।प्रीति ने बताया कि- 'मैंने 2013

में कोर्ट में गुजारा भत्ते के लिए केस किया। 2016 में कोर्ट से मुझे और बेटी के भरण पोषण के लिए हर महीने 6 हजार रुपए देने का निर्देश दिया, लेकिन कोर्ट के आदेश के बावजूद आजतक एक रुपया नहीं मिला। 9 साल बाद भरण पोषण की रकम 7 लाख 72 हजार रुपए बकाया है।' पत्नी ने कहा कि- 'मनीष, सीतामढ़ी जिले के डुमरा कैलाशपुरी मोहल्ले के वार्ड नंबर 39 में रहते हैं। 2010 से 2013 तक हमदोनों साथ थे। इसके बाद भी वो छिप-छिप कर मिलने आते थे। 2022 तक कभी-कभी सिर्फ बेटी से मिलने आते थे।

शादी के दो दिन बाद प्रेमी संग रंगेहाथ पकड़ाई दुल्हन

पति से बोली- मुझे आपके साथ नहीं रहना; ससुर बोले- भाई बनकर मिलने पहुंचा था बॉयफ्रेंड

बेगूसराय। में शादी के दो दिन बाद ही दुल्हन ने अपने प्रेमी को भाई बताकर ससुराल बुला लिया। पति ने दोनों को आपत्तिजनक हालत में पकड़ा तो मामले का खुलासा हुआ। इसके बाद खूब हंगामा हुआ। वहीं दुल्हन अपने पति के साथ रहने को तैयार नहीं है। इधर, युवती के ससुर का कहना है कि 'अब वह उसे बहू बनाकर घर में नहीं रखेंगे।' सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। शुरूआती कार्रवाई करने के बाद पुलिस ने तीनों को अपने-अपने घर भेज दिया है। दरअसल, बेगूसराय के दादपुर निवासी विश्वजीत पासवान (22) की शादी 16 अप्रैल को बलिया निवासी प्रकाश पासवान की बेटी कल्पना कुमारी (19) से हुई थी। शादी के बाद विदाई हुई तो दुल्हन के साथ उसका भाई भी ससुराल आया था, लेकिन 18 अप्रैल

की सुबह वो बहन के ससुराल से अपने घर के निकल गया।इसके बाद कल्पना ने अचानक अपने ससुराल वालों को बताया कि 'मेरा मौसेरा भाई नीतीश कुमार (20) स्कूल के पास आया हुआ है। किसी को रिसीव करने भेज दीजिए।'ससुराल वाले भाई को लेकर घर पहुंचे और खातिरदारी की। परिजनों को लगा कि बहू को अपने मायके वालों से बहुत कुछ कहना होता है। इसी वजह से थोड़ी देर बाद उसे दुल्हन के कमरे में पहुंचा दिया। पति विश्वजीत को जब पता चला कि उसका साला घर आया हुआ है तो वह अपने कमरे में पहुंचा। वहां उसने दोनों को आपत्तिजनक हालत में देखा। घटना को लेकर विश्वजीत ने अपने ससुर से बात की तो उन्होंने कहा कि 'नीतीश नाम का हमारा कोई रिश्तेदार नहीं है, उसे पकड़ कर रखिए।'कल्पना, विश्वजीत से शादी नहीं करना चाहती थी। वो नीतीश के साथ रहना चाहती थी। परिजनों के दबाव में उसने शादी की। जब कल्पना ससुराल आ गई तो उसका प्रेमी नीतीश परेशान था।शादी के अगले दिन ही चुपके से जब दोनों में बात हुई तो कल्पना ने नीतीश को ससुराल आने का ऑफर दे दिया। यह भी समझा दिया था कि ससुराल में कहना कि हम मौसेरे भाई हैं। यह ऑफर मिलते ही शुक्रवार की शाम नीतीश अपनी प्रेमिका के ससुराल दादपुर पहुंच गया।कल्पना के साथ आपत्तिजनक हालत में पकड़ने के बाद जब नीतीश से पूछताछ शुरू हुई तो वह इधर-उधर की बातें करने लगा। वहीं, काफी समझाने पर भी जब दुल्हन प्रेमी को छोड़ने को तैयार नहीं हुई तो उसके पिता और भाई को बुलाया गया। उन लोगों ने भी खूब समझाया, लेकिन वह कुछ भी सुनने को तैयार नहीं हुई।इसके बाद थाने को सूचना दी गई। सूचना पर पुलिस पहुंची और दोनों को लेकर थाने ले गई। थाना में भी प्रेमिका अपनी प्रेमी के साथ जाने की बात पर अड़ी रही। प्रेमी-प्रेमिका के पिता को थाना पर बुलाया गया। दादपुर गांव के लोग और परिजन भी पहुंचे। काफी समझाए जाने पर भी जब मामला शांत नहीं हुआ तो तीनों को परिजनों को सौंप दिया गया।कल्पना के ससुर जितेंद्र पासवान का कहना है कि बहू ने ससुराल में अपने प्रेमी को मौसेरा भाई बताकर मिलने के लिए बुलाया था। मेरे बेटे ने दोनों को आपत्तिजनक हालत में पकड़ा। बहू लगातार अपने पक्ष के लोगों और पुलिस के सामने प्रेमी के साथ रहने की जिद कर रही है। हम ऐसी लड़की को बहू बनाकर नहीं रखेंगे। पुलिस ने तीनों को परिजनों के हवाले किया इस मामले में तेयाय ओपी प्रभारी नूतन ने बताया कि 'हंगामा की सूचना पर पुलिस पहुंची थी।

लकीर के फकीर

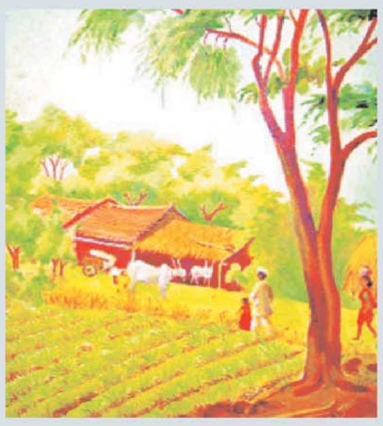

जंगल में चराई के बाद किसी बछड़े को गांव की गौशाला तक लौटना था। नन्हा बछड़ा था तो अबोध ही, वह चट्टानों, मिट्टी के टीलों, और ढलानों पर से उछलता-कूदता हुआ अपने गंतव्य तक पहुंचने में सफल हो गया।
अगले दिन एक कुत्ते ने भी गांव तक पहुंचने के लिए उसी रास्ते का इस्तेमाल किया।
उसके अगले दिन एक भेड़ उस रास्ते पर चल पड़ी। एक भेड़ के पीछे अनेक भेड़ चल पडीं। भेड़ जो ठहरीं!
उस रास्ते पर चलाफिरी के निशान देखकर लोगों ने भी उसका इस्तेमाल शुरू कर दिया। ऊंची-नीची पथरीली जमीन पर आते-जाते समय वे-पथ की दुरूहता को कोसते रहते, पथ था ही ऐसा! लेकिन किसी ने भी सरल-सुगम पथ की खोज के लिए प्रयास नहीं किए।
समय बीतने के साथ वह पगडंडी उस गाव तक पहुंचने का मुख्य मार्ग बन गई। जिस पर बेचारे पशु बमुश्किल गाड़ी खींचते रहते। उस कठिन पथ के स्थान पर कोई सुगम पथ होता तो लोगों को यात्रा में न केवल समय की बचत होती वरन वे सुरक्षित भी रहते।
कालांतर में वह गांव एक नगर बन गया और पथ राजमार्ग बन गया। उस पथ की समस्याओं पर चर्चा करते रहने के अतिरिक किसी ने कभी कुछ नहीं किया। बूढ़ा जंगल यह सब बहुत लंबे समय से देख रहा था। वह बरबस मुस्कुराता और यह सोचता रहता कि मनुष्य हमेशा ही सामने खुले पड़े विकल्प को मजबूती से जकड़ लेते हैं और यह विचार नहीं करते कि कहीं कुछ उससे बेहतर भी किया जा सकता है।

धर्म को पहले स्वयं जीवन में उतारें

हमें यह धर्मरूपी आसक्ति का चश्मा दर किनार करके सभी धर्मों को एक ही नजरिए से देखने की जरूरत है, तभी हम सभी धर्मों की अच्छाई को ग्रहण करके सभी में एक सी समानता और उनकी शिक्षाओं को पहले खुद ग्रहण करने का नजरिया रखेंगे, तभी भेदभाव की दीवार स्वयं ही ढह जाएगी।

अक्सर हम यही देखते हैं कि जब हम किसी अन्ध मान्यता, अन्ध भावावेश अथवा बौद्धिक तर्कजाल को धर्म मानने की भूल करने लगते हैं तो उसमें कहीं अधिक बुरी तरह से उलझ जाते हैं। हम जिस दार्शनिक, धार्मिक परंपरा को मान रहे हैं, उसके साथ हमारा एक भावनात्मक संबंध जुड़ जाता है। फलस्वरूप उसके विपरीत अन्य किसी दृष्टिकोण को कभी स्वीकार ही नहीं कर पाते। अथवा यह भी होता है कि अपनी तर्कबुद्धि से हमने किसी मान्यता को अपना लिया है तो अपने ही बुद्धिबल को अत्यधिक महत्ता देने के स्वभाववश अन्य किसी मान्यता को सही मानने को प्रस्तुत ही नहीं होते। परंपरागत मान्यता, हृदयगत भावुकता अथवा बौद्धिक तर्कजाल के कारण जब हम किसी भी मान्यता के गुलाम हो जाते हैं तो उसके प्रति इतनी गहरी आसक्ति पैदा कर लेते हैं कि हमेशा के लिए उसी के रंग का चश्मा पहने ही दुनिया को देखने लगते हैं। अत: उस रंग के अतिरिक्त अन्य कोई रंग हमें दिखता ही नहीं। इस प्रकार सच्चाई से, वास्तविकता से बिल्कुल दूर होते चले जाते हैं, क्यों कि हर बात को अपने ही चश्मे से देखने के आदी जो हो चुके होते हैं।
मान लीजिए, अन्धश्रद्धा, अन्धविश्वास, भावावेश अथवा बौद्धिक ऊहापोह के आधार पर हमने कोई सही सिद्धान्त भी स्वीकार कर रखा हो, परन्तु होता क्या है कि उसके प्रति हुई आसक्ति के कारण उस सिद्धान्त को स्वीकारने मात्र को ही हम सारा महत्व देने लगते हैं, जब कि उसके व्यवहारिक पक्ष को सर्वदा भुला बैठते हैं।
कुछ ज्ञानीजन समाज को, देश-दुनिया को धर्म का मार्ग दिखाने में जी-जान से जुटे हुए हैं। एक ओर हिन्दू धर्म की महिमा का बखान किया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर कुछ लोग शान्ति के मसीहा बने दुनिया को मुसलमान होने के फायदे गिनाने में लगे हुए हैं। एक कहता है कि हिन्दू धर्म और उसकी शिक्षाएं महान हैं तो दूसरा कहता है कि आप इस्लाम अपना लो तो आप में आत्म-अनुशासन, आत्म-नियंत्रण, आत्मशिक्षा, आत्म-अनुपालन जैसे गुणों का संचार होने लगेगा।
मैं मानता हूं कि न सिर्फ हिन्दू, न इस्लाम, बल्कि दुनिया का हरेक धर्म, हरेक पंथ, हरेक सम्प्रदाय महान है। उनके धर्मग्रंथ, उनकी शिक्षाएं, पीर-पैगम्बर, महापुरुष इत्यादि सब महान हैं। लेकिन ये नहीं समझ पा रहा हूं कि आप लोग जो दुनिया में धर्म का ज्ञान बांटते फिर रहे हो, पोस्ट दर पोस्ट बड़े लम्बे-चौड़े उपदेश देते रहते हो, लेकिन तुम्हारा धर्म तुम में वो महानता क्यूं नहीं पैदा कर पाया। क्या ये महानता का प्रसाद सिर्फ दूसरों में बांटने के लिए ही रख छोड़ा है, जो तुम्हारे हिस्से न आ सका। दूसरी ओर मैं उन मुस्लिम भाइयों से ये जानना चाहूंगा कि तुम कहते हो कि इस्लाम कबूल करने का सीधा फायदा ये है कि आपमें शांति, प्रेम, आत्म-अनुशासन, आत्म-नियंत्रण, आत्मशिक्षा, आत्म-अनुपालन जैसे गुणों का वास होने लगेगा, लेकिन भाई तुम तो इस्लाम के मानने वाले हो, किन्तु तुम्हारे जीवन में ऐसे किसी सद्गुण का संचार क्यों नहीं हो पाया। कमाल है! जिस चीज को आप लोग स्वयं जीवन में धारण नहीं कर सके, उसी के बारे में दुनिया को उपदेश देने में लगे हुए हैं। और लगे हुए हैं, बस दिन-रात एक दूसरे पर कीचड़ उछालने में, एक दूजे को निर्वस्त्र करने में।

कर्तव्य ही सम्मान है

यह काफी पुरानी घटना है। मद्रास प्रांत के एक स्टेशन के निकट एक पॉइंटमैन अपना पॉइंट (वह उपकरण जिससे गाड़ियों का ट्रैक बदला जाता है) पकड़े खड़ा था। दोनों ओर से दो गाड़ियां अपनी पूरी गति से दौड़ी चली आ रही थीं। उस दिन मौसम खराब था और वह आंधी-तूफान का संकेत दे रहा था। ऐसे भयावह मौसम में रोशनी के भी भरपूर साधन नहीं थे। पॉइंटमैन अपने काम के लिए मुस्तैदी से तैयार था, तभी उसे अपने पैरों पर कुछ रेंगता हुआ महसूस हुआ। उसने देखा तो दंग रह गया। एक सांप उसके पैरों से लिपट रहा था। पॉइंट उसके हाथ में था। डर के कारण उसकी घिग्घी बंध गई। किंतु तभी उसने सोचा कि यदि वह पॉइंट हाथ से छोड़ देगा तो ऐसे में दोनों गाड़ियां परस्पर भिड़ जाएंगी और असंख्य लोगों की मृत्यु हो जाएगी। सांप के काटने से तो अकेले सिर्फ उसकी जान जाएगी, लेकिन असंख्य लोगों की जान बच जाएगी। कम से कम मरते-मरते वह असंख्य लोगों की जान बचाने का पुण्य तो अर्जित कर ही लेगा। यह सोचकर वह बिना हिला-डुले पॉइंट को पकड़े खड़ा रहा। कुछ ही देर में दोनों रेलगाड़ियों की घड़घड़ाहट तेज हुई और रेलगाड़ियां आराम से पॉइंट मैन के द्वारा पकड़े गए पॉइंट की सहायता से अलग-अलग ट्रैक पर निकल गईं। उधर सांप रेलगाड़ियों की घड़घड़ाहट सुनकर पॉइंटमैन का पैर छोड़कर चला गया। रेलगाड़ियों के जाने के बाद जब पॉइंटमैन का ध्यान अपने पैरों की ओर गया तो वह यह देखकर दंग रह गया कि वहां कुछ न था। यह देखकर उसके मन से स्वत: ही निकला, 'सच ही है, जो इंसान सच्चे मन से लोगों की मदद करते हैं, उनकी सहायता ईश्वर स्वयं करते हैं।' बाद में जब इस घटना का पता अधिकारियों को चला तो उन्होंने न सिर्फ पॉइंटमैन को शाबासी दी, अपितु उसे पुरस्कार देकर सम्मानित भी किया।

मनुष्यता भलाई में है

यह मानव स्वभाव है कि किसी का अच्छा हो रहा हो, तो उसमें खलल डालता है। वहीं कुछ ऐसे भी हैं, जो बिगड़ती बात को संवारना ही मनुष्यता की परिभाषा मानते हैं, ऐसे ही बयान करती यह कथा प्रस्तुत है।

यह घटना उस समय की है, जब क्रांतिकारी रोशन सिंह को काकोरी कांड में मृत्युदंड दिया गया। उनके शहीद होते ही उनके परिवार पर मुसीबतों का पहाड़ टूट पड़ा। घर में एक जवान बेटी थी और उसके लिए वर की तलाश चल रही थी। बड़ी मुश्किल से एक जगह बात पक्की हो गई। कन्या का रिश्ता तय होते देखकर वहां के दरोगा ने लड़के वालों को धमकाया और कहा कि क्रांतिकारी की कन्या से विवाह करना राजद्रोह समझा जाएगा और इसके लिए सजा भी हो सकती है। किंतु वर पक्ष वाले दरोगा की धमकियों से नहीं डरे और बोले, 'यह तो हमारा सौभाग्य होगा कि ऐसी कन्या के कदम हमारे घर पड़ेंगे, जिसके पिता ने अपना शीश भारत माता के चरणों पर रख दिया।' वर पक्ष का दृढ़ इरादा देखकर दरोगा वहां से चला आया पर किसी भी तरह इस रिश्ते को तोड़ने के प्रयास करने लगा। जब एक पत्रिका के संपादक को यह पता लगा तो वह आगबबूला हो गए और तुरंत उस दरोगा के पास पहुंचकर बोले, 'मनुष्य होकर जो मनुष्यता ही न जाने वह भला क्या मनुष्य? तुम जैसे लोग बुरे कर्म कर अपना जीवन सफल मानते हैं किंतु यह नहीं सोचते कि तुमने इन कर्मों से अपने आगे के लिए इतने कांटे बो दिए हैं, जिन्हें अभी से उखाड़ना भी शुरू करो तो अपने अंत तक न उखाड़ पाओ। अगर किसी को कुछ दे नहीं सकते तो उससे छीनने का प्रयास भी न करो।' संपादक की खरी-खोटी बातों ने दरोगा की आंखें खोल दीं और उसने न सिर्फ कन्या की मां से माफी मांगी, अपितु विवाह का सारा खर्च भी खुद वहन करने को तैयार हो गया। विवाह की तैयारियां होने लगीं। कन्यादान के समय जब वधू के पिता का सवाल उठा तो वह संपादक उठे और बोले, 'रोशन सिंह के न होने पर मैं कन्या का पिता हूं। कन्यादान मैं करूंगा।'

बुद्धि बड़ी या भाग्य

बुद्धि व भाग्य में विवाद होने लगा, दोनों एक दूसरे को बड़ा साबित कर रहे थे। राजा ने एक कथा के माध्यम से दोनों का निर्णय किया। भाग्य से यदि किसी को राजा बनाने का प्रयास हो और संसार की सभी वस्तुएं भी हों तो भी बुद्धि के अभाव में वह राजा नहीं बन सकता। यह आलेख इसी तथ्य पर आधारित है।

एक बार बुद्धि और भाग्य में झगड़ा हुआ। बुद्धि ने कहा, मेरी शक्ति अधिक है। मैं जिसे चाहूं सुखी कर दूं। मेरे बिना कोई बड़ा नहीं हो सकता।'' भाग्य ने कहा, मेरी शक्ति अधिक है। मैं तेरे बिना काम कर सकता हूं। तू मेरे बिना काम नहीं कर सकती।'' इस तरह दोनों ने अपनी-अपनी ओर से दलीलें जोर-शोर से दीं। बुद्धि ने भाग्य से कहा कि उस गड़रिए को जो जंगल में भेड़ें चरा रहा है, मेरी सहायता के बिना राजा बना दो तो समझूं कि तुम बड़े हो। भाग्य ने राजा बनाने का प्रयत्न शुरू कर दिया। उसने बहुत कीमती खड़ाऊं जिसमें लाखों रुपए के नग लगे थे, गड़रिए को दी। भाग्य ने एक व्यापारी को वहां पहुंचा दिया।
व्यापारी उन खड़ाऊंओं को देखकर विस्मित हुआ। उससे कहा, तुम ये खड़ाऊं बेच दो।'' गड़रिए ने वो अनमोल खड़ाऊं जिनमें एक-एक हीरा करोड़ों रुपए का था, दो मन चनों के बदले में बेच डालीं। यह देखकर भाग्य ने और प्रयत्न किया। अब उस व्यापारी ने वे खड़ाऊं राजा को भेंट की तो राजा देखकर हैरान हो गया। व्यापारी से पूछा, ''तुमने ये खड़ाऊं कहां से पाईं? व्यापारी ने कहा ''महाराज एक राजा मेरा मित्र है उसने ये मुझे दीं।''
यह सुनकर राजा ने कहा, ''अच्छा जाओ, मेरी लड़की की सगाई उसके लड़के से करा दो।'' ''ठीक है, आपकी लड़की की सगाई पक्की करने जाता हूं।'' तो क्या देखता है कि गड़रिया उससे भी मूल्यवान खड़ाऊं पहने है।
व्यापारी ने सोचा कि हो न हो, यह कोई सिद्ध महात्मा है। उसने वहीं डेरा लगा दिया और अपना बहुत सा तांबा लदा हुआ सब सामान एक ओर पेड़ के नीचे रख दिया। दोपहरी में गड़रिया धूप से व्याकुल हो उस पेड़ के नीचे तांबे के ढेर के सहारे सिर रखकर सो गया। भाग्य ने उस तांबे के ढेर को सोना कर दिया। व्यापारी ने सोचा कि जिसके छूने से तांबा सोना हो जाता है, उसको राजा बनाना कोई बड़ी बात नहीं। उस व्यापारी ने वहीं जमीन खरीदी और किला बनवा दिया। सेना की भर्ती की जाने लगी और व्यापारी गड़रिए को पकड़कर किले में ले गया। उसको अच्छे-अच्छे मूल्यवान वस्त्र पहनवाए; मंत्री सेवक आदि कर्मचारी रखे और फिर लड़की वाले राजा को पत्र लिखा कि हमारे राजाजी की विवाह की तिथि लिख दो; उसी दिन बारात आ जाएगी। पत्रोत्तर में राजा ने तिथि लिख दी। इस पर विवाह का प्रबंध होने लगा।
विवाह की तिथि आने पर व्यापारी बारात लेकर चल दिया। जब लड़की वाले राजा का नगर निकट आ गया और उधर से मंत्री, बहुत से नौकर-चाकर, सेना, अस्त्र-शस्त्र, हाथी-घोड़े इत्यादि राजा की अगवानी के लिए आए तो गड़रिए ने विचार किया कि कदाचित् मेरी भेड़ें इनके खेत में चली गई हैं और ये मेरे कपड़े-लत्ते छीनने आ रहे हैं। अत: उसने झट व्यापारी से कहा, ये सब मेरे कपड़े-लत्ते छीनने के लिए आ रहे हैं। चूंकि यह बात कान में कही गई थी, अत: व्यापारी के सिवा और किसी को मालूम नहीं हुई। लोगों ने व्यापारी से पूछा, ''कुंवरजी क्या आज्ञा दे रहे हैं? कुंवरजी कहते हैं कि जितने लोग स्वागत में आए हैं, सबको पांच-पांच लाख रुपया पुरस्कृत किया जाए।'' लोग सोचने लगे कि किसी बड़े भारी सम्राट के कुंवर की बारात आई है, लड़की वाला राजा भी घबराया कि मैंने बड़े भारी राजा से नाता जोड़ा है। अब तो ईश्वर ही लाज रखे। अंत: उसी दिन राजा की कन्या का विवाह उस गड़रिए से हो गया। जब राजकुमारी गड़रिए के पास आई, तब गड़रिए ने गहनों की आवाज सुन सोचा, हो न हो, कोई चुड़ैल मुझे मारने के लिए आ रही है। यह सोच वह जल्दी से एक दरवाजे की ओट में छिप गया। राजकुमारी कन्या के जाते ही गड़रिए को विचार आया कि अभी एक चुड़ैल से तो मुश्किल से बचा हूं, न मालूम यहां कितनी और चुड़ैल आएं, अत: यहां से भागना चाहिए। सोच ही रहा था कि उसे एक जीना दिखाई पड़ा। वह झट ऊपर चढ़ गया और वहां एक छेद में हाथ डालकर कूदकर भागने का विचार करने लगा। उसी समय बुद्धि ने भाग्य से कहा, ''देख तेरे बनाने से भी यह राजा न बना। अब यह जल्दी ही गिरकर मृत्यु के मुख में जाना चाहता है।'' अत: सिद्ध है कि यदि संसार की सारी वस्तुएं भी एकत्रित हों, तो भी जब तक मनुष्य को बुद्धि न आए, वह अपने उद्देश्य को पूर्णतया सिद्ध नहीं कर सकता।

धन-सम्पदा का गर्व चकनाचूर

यूनान में आल्सिबाएदीस नामक एक बहुत बड़ा संपन्न जमींदार था। उसकी जमींदारी बहुत बड़ी थी। उसे अपने धन-वैभव एवं जागीर पर बहुत अधिक गर्व था। वह इसका वर्णन करते हुए थकता नहीं था। एक दिन वह प्रसिद्ध दार्शनिक सुकरात के पास जा पहुंचा और अपने ऐश्वर्य का वर्णन करने लगा। सुकरात उसकी बातें कुछ देर तक सुनते रहे। फिर उन्होंने पृथ्वी का एक नक्शा मंगवाया। नक्शा फैला कर उन्होंने आल्सिबाएदिस से पूछा-अपना यूनान देश इस नक्शे में कहां है? जमींदार कुछ देर तक नक्शा देखने के बाद एक जगह अंगुली रख कर बोला 'अपना यूनान देश यह रहा।' सुकरात ने पुन: पूछा-और अपना एटिका राज्य कहां है? बड़ी कठिनाई के बाद जमींदार एटिका राज्य को ढूंढ़ सका। अच्छा, इसमें आपकी जागीर की भूमिका कहां है? सुकरात ने एक बार फिर पूछा। अब जमींदार कुछ सकपका गया। वह बोला- आप भी खूब हैं, इस नक्शे में इतनी छोटी-सी जागीर कैसे बताई जा सकती है? तब सुकरात ने कहा-भाई! इतने बड़े नक्शे में जिस भूमि के लिए एक बिन्दु भी नहीं रखा जा सकता, उस नन्ही-सी भूमि पर आप गर्व करते हैं? इस पूरे ब्रह्माण्ड में आपकी भूमि और आप कहां कितने हैं, जरा यह भी तो सोचिए। सुकरात के मुंह से यह सुनते ही आल्सिबाएदिस का अपनी जागीर और सम्पति पर जो गर्व था, चकनाचूर हो गया। व्यक्ति को अपनी धन-संपदा का बखान तथा उस पर गर्व नहीं करना चाहिए।

पहली बार समुद्री मार्ग से अमेरिका पहुंचा भारत का अनार

- समुद्री मार्ग से यह वाणिज्यिक शिपमेंट सफल परीक्षणों के बाद किया गया

मुंबई।

भारत के प्रमुख अनार निर्यात बाजारों में यूएई, बांग्लादेश, नेपाल, नीदरलैंड, सऊदी अरब और श्रीलंका के बाद अब अमे रिका भी शो मिल हो गया है। भारत से पहली बार महाराष्ट्र से न्यूयॉर्क तक समुद्री मार्ग से 14 टन अनार की पहली खेप भेजी गई है। कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण ने अमेरिका के कृषि विभाग के पशु और पादप स्वास्थ्य निरीक्षण सेवा, राष्ट्रीय पादप संरक्षण संगठन और सोलापुर स्थित आईसीएआर-राष्ट्रीय अनार अनुसंधान केंद्र के साथ मिलकर इस पहल को अंजाम दिया है। समुद्री मार्ग से यह वाणिज्यिक शिपमेंट सफल परीक्षणों के बाद किया गया, जिससे फलों की शेल्फ लाइफ 60 दिन तक बढ़ाई जा सकी। इस खेप में 4,620 बॉक्स शामिल थे और पांच सप्ताह में इसे डिलीवर किया गया। गुणवत्ता और उपस्थिति दोनों के लिहाज से इसे अमेरिका में सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली। उल्लेखनीय है कि दिसंबर 2024 में एपीडा ने नियामक प्रक्रियाओं को आसान बनाने के लिए अमेरिकी अधिकारियों के साथ पूर्व-मंजूरी कार्यक्रम भी आयोजित किया था। वित्त वर्ष 2023-24 में

भारत ने 72,011 मीट्रिक टन अनार का निर्यात किया था जिसकी कीमत 69.08 मिलियन अमेरिकी डॉलर रही। वहीं, 2024-25 की अप्रैल से जनवरी अव में यह निर्यात 59.76 मिलियन डॉलर तक पहुंच गया, जो साल-दर-साल 21 फीसदी की वृद्धि दर्शाता है।

पेट्रोल-डीजल के दाम में कोई बदलाव नहीं

- कच्चे तेल की कीमतें 65-78 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली ।

भारतीय पेट्रोलियम कंपनियों ने रविवार को सुबह 6 बजे ईंधन के नए दाम जारी कर दिए हैं। जारी रेट के अनुसार रविवार को भी पेट्रोल-डीजल के दाम में कोई बदलाव नहीं किया गया है। हालांकि अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें 65-78 डॉलर प्रति बैरल, जो कि पिछले दिनों के मुकाबले कम है। दिल्ली में पेट्रोल 94.77 रुपए लीटर, डीजल 87.67 रुपए लीटर, मुंबई में पेट्रोल 103.50 रुपए लीटर, डीजल 90.03 रुपए लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 105.01 रुपए लीटर, डीजल 91.82 रुपए लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 100.80 रुपए लीटर, डीजल 92.39 रुपए लीटर, नोएडा में पेट्रोल 94.87 रुपए लीटर, डीजल 88.14 रुपए लीटर, बेंगलुरु में पेट्रोल 102.92 रुपए लीटर, डीजल 88.99 रुपए लीटर, पटना में पेट्रोल 105.60 रुपए लीटर, डीजल 92.04 रुपए लीटर, लखनऊ में पेट्रोल 94.69 रुपए/लीटर, डीजल 87.55 रुपए लीटर, चंडीगढ़ में पेट्रोल 94.30 रुपए लीटर, डीजल 82.38 रुपए लीटर, हैदराबाद में पेट्रोल

107.46 रुपए लीटर, डीजल 95.63 रुपए लीटर, गुरुग्राम में पेट्रोल 95.17 रुपए लीटर, डीजल 88.03 रुपए लीटर, जयपुर में पेट्रोल 104.72 रुपए लीटर, डीजल 90.36 रुपए लीटर है।

बीते वित्त वर्ष वाहन निर्यात 19 फीसदी बढ़कर 53.63 लाख इकाई हुआ

जबकि 31 मार्च, 2024 को समाप्त वित्त वर्ष यह 45 लाख इकाई था

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजारों में यात्री, दोपहिया और वाणिज्यिक वाहनों की मांग में तेजी की वजह से बीते वित्त वर्ष 2024-25 में भारत का कुल वाहन निर्यात 19 प्रतिशत बढ़कर 53 लाख इकाई से अधिक हो गया है।

पिछले वित्त वर्ष में कुल वाहन निर्यात 53.63 लाख इकाई रहा, जबकि 31 मार्च, 2024 को समाप्त वित्त वर्ष यह 45 लाख इकाई था। सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) ने यह जानकारी दी है। पिछले वित्त वर्ष में यात्री वाहनों का निर्यात 15 प्रतिशत बढ़कर 7,70,364 इकाई हो गया, जबकि 2023-24 में यह 6,72,105 इकाई था। उद्योग निकाय सियाम ने कहा कि भारत में बनने वाले वैश्विक मॉडल की मांग में बढ़ोतरी की वजह से इस खंड ने पिछले वित्त वर्ष में अपना बेहतर वार्षिक प्रदर्शन किया। सियाम ने कहा कि विनिर्माण गुणवत्ता में सुधार के साथ, कुछ कंपनियों ने विकसित बाजारों में निर्यात भी शुरू कर दिया है। यूटिलिटी वाहनों के निर्यात में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई और यह 3,62,160 इकाई रहा। वित्त वर्ष 2023-24 के 2,34,720 इकाई की तुलना में यह 54 प्रतिशत की वृद्धि है।

पिछले वित्त वर्ष में दोपहिया वाहनों का निर्यात 21 प्रतिशत बढ़कर 41,98,403 इकाई रहा, जबकि 2023-24 में यह आंकड़ा 34,58,416 इकाई था। वित्त वर्ष 2023-24 की तुलना में 2024-25 में तिपहिया वाहनों के निर्यात में दो प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 3.1 लाख इकाई रहा। पिछले वित्त वर्ष में वाणिज्यिक वाहनों का निर्यात 23 प्रतिशत बढ़कर 80,986 इकाई रहा, जबकि इससे पिछले साल यह 65,818 इकाई था।

बीते सप्ताह सभी तेल-तिलहनों के भाव गिरावट के साथ बंद हुए

- गुजरात में मूंगफली की सरकारी बिक्री होने के कारण कारोबारी धारणा प्रभावित हुई

नई दिल्ली ।

सहकारी संस्था नेफेड द्वारा 21 अप्रैल से सोयाबीन बेचने की अफवाहों तथा गुजरात में मूंगफली की सरकारी बिक्री और कारोबारी धारणा प्रभावित होने से बीते सप्ताह सभी तेल-तिलहनों के भाव गिरावट के साथ बंद हुए।

बाजार सूत्रों ने कहा कि मूंगफली पहले ही न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से 17-18 प्रतिशत नीचे दाम पर बिक रही थी और अब सहकारी संस्था नेफेड की ओर से सोयाबीन की भी बिक्री किये जाने की अफवाह है।

इससे बाजार में घबराहट का माहौल है जो तेल-तिलहन कीमतों में गिरावट का मुख्य कारण है। इससे पिछले सप्ताह में जिस कच्चे पामतेल का दाम 1,125-1,130 डॉलर प्रति टन था, वह समीक्षाधीन सप्ताह में घटकर 1,100-1,105 डॉलर प्रति टन रह गया है। विदेशों में दाम टूटने और नेफेड की बिकवाली पहल के बीच घबराहटपूर्ण माहौल के कारण पाम-पामोलीन तेल में गिरावट दर्ज हुई।

दूसरी ओर, सोयाबीन डीगम का दाम जो पहले 1,105-1,110 डॉलर प्रति टन था वह समीक्षाधीन सप्ताह में बढ़कर 1,115-1,120 डॉलर प्रति टन हो गया है। इसके अलावा सरकार ने सोयाबीन डीगम का आयात शुल्क मूल्य भी 81 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ाया है। इससे सोयाबीन तेल में और मजबूती की उम्मीद की जा रही थी लेकिन नेफेड की सोयाबीन बिकवाली संबंधी अफवाहों के बीच दाम टूटते दिखे। उन्होंने कहा कि देश के आयातकों की पैसों के मामले में हालत इतनी खराब है कि वे सोयाबीन डीगम तेल को आयात की लागत से भी कम दाम पर बेचने को मजबूर हो चले हैं। इससे सोयाबीन तेल-तिलहन कीमतों में तो गिरावट आई ही, वहीं बाजार में घबराहटपूर्ण माहौल के बीच अन्य सभी तेल-तिलहनों के दाम भी दबाव में आ गये। बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 150 रुपये की गिरावट के साथ 6,225-6,325 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ, सरसों दादरी तेल का थोक भाव 450 रुपये की गिरावट के साथ 13,350 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद, सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 45-45 रुपये टूटकर क्रमशः 2,335-2,435 रुपये और 2,335-2,460 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ।

कंपनियों के तिमाही नतीजों से तय होगी बाजार की चाल

- कच्चे तेल के दाम और डॉलर के मुकाबले रुपये की चाल पर भी रहेगी बाजार की नजर

मुंबई ।

अमेरिका के स्मार्टफोन, कंप्यूटर से हित अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों में टैरिफ पर छूट दिए जाने के साथ ही मैक्सिको, कनाडा और अन्य देशों से आने वाले वाहनों और उनके पुर्जों पर लगने वाले शुल्क में संशोधन पर विचार करने के संकेत एवं विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) के रुख की वजह से बीते सप्ताह साढ़े चार प्रतिशत के उछाल पर घरले शेयर बाजार की चाल अगले सप्ताह कंपनियों के तिमाही नतीजे से तय होगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। विश्लेषकों ने कहा कि इसके अलावा निवेशक आगे के संकेतों के लिए वैश्विक बाजार के रुझान, बेंचमार्क ब्रेंट कच्चे तेल के दाम और डॉलर के मुकाबले रुपये की चाल पर भी नजर रखेंगे। बाजार के विशेषज्ञों ने कहा कि इस सप्ताह, सभी की निगाहें एचसीएल

टेक्नोलॉजीज, एक्सिस बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर और मारुति जैसी बड़ी कंपनियों के तिमाही नतीजों पर रहेगी। इसके अलावा वैश्विक स्तर पर शुल्क के मोर्चे पर किसी घटनाक्रम और दुनिया पर उसका क्या प्रभाव रहता है, इस पर भी निवेशकों की निगाह रहेगी। देश की दूसरी सबसे बड़ी सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनी इन्फोसिस के शेयर पर सोमवार को सभी की निगाह रहेगी। मार्च तिमाही में कंपनी का एकीकृत शुद्ध लाभ 11.7 प्रतिशत घटकर 7,033 करोड़ रुपये रहा है। उन्होंने कहा` कि इस सप्ताह हमें भारतीय बाजार में तेजी जारी रहने की उम्मीद है, जो एफआईआई की खरीदारी में रुचि, घरेलू मुद्रास्फीति में कमी और मौसम विभाग के सामान्य से बेहतर मानसून की भविष्यवाणी जैसे सहायक कारकों से प्रेरित है। उन्होंने कहा कि इस बीच यदि अमेरिकी शुल्क के मोर्चे पर तनाव बढ़ता है, तो बाजार में उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। वहीं कंपनियों के बीते वित्त वर्ष की चौथी तिमाही के नतीजों की वजह से बाजार में शेयर विशेष गतिविधियां देखने को मिल सकती हैं।

मोटोरोला राझर 60 अल्ट्रा जल्द होगा लांच

नई दिल्ली स्मार्टफोन बनाने वाली कंपनी मोटोरोला जल्द ही अपने फ्लिप फोन सीरीज के तहत मोटोरोला राझर 60 अल्ट्रा को लॉन्च करने जा रहा है। लॉन्च से पहले राझर 60 अल्ट्रा के स्पेसिफिकेशन्स ऑनलाइन लीक हो गए हैं, जिससे इस फोन के पावरफुल फीचर्स सामने आए हैं। इन डिवाइसेज़ की घोषणा 24 अप्रैल को संभावित इवेंट में की जा सकती है। रिपोर्ट्स के अनुसार, फोन में 7 इंच का सुपर एचडी एलटीपीओ अमोलेड डिस्प्ले मिलेगा, जो डॉल्बी विजन, 4500 निट्स की पीक ब्राइटनेस और 165एचझेड रिफ्रेश रेट को सपोर्ट करेगा। साथ ही, इसका 4 इंच का ओलेड कवर डिस्प्ले भी 3000 निट्स ब्राइटनेस और 165एचझेड रिफ्रेश रेट से लैस होगा। फोन में स्नैपड्रैगन 8 एलीट चिपसेट दिए जाने की संभावना है। इसे 16जीबी एलपीडीडीआर5एक्स रैम और 512 जीबी यूएफएस 4.0 इंटरनल स्टोरेज के साथ पेश किया जा सकता है। कैमरा सेक्शन में, रेजर 60 अल्ट्रा में 50 मेगापिक्सल का ओआईएस मेन कैमरा और 50 मेगापिक्सल का अल्ट्रावाइड लेंस दिया जा सकता है। यह डिवाइस एंड्रॉयड 15 आउट ऑफ द बॉक्स पर काम करेगा और इसमें ड्यूल सिम, 5जी, वाय-फाय 7, ब्लूटूथ 5.4, एनएफसी, जीपीएस और यूएसबी टाइप-सी जैसे कनेक्टिविटी फीचर्स मिल सकते हैं।

बीएचईएल का राजस्व 19 प्रतिशत बढ़कर 27,350 करोड़

नई दिल्ली । सार्वजनिक क्षेत्र की इंजीनियरिंग कंपनी बीएचईएल ने रविवार को बताया कि वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान उसका राजस्व 19 प्रतिशत बढ़कर 27,350 करोड़ रुपये रहा। कंपनी ने बयान में कहा कि उसने बीते वर्ष के दौरान 92,534 करोड़ रुपये का अबतक का सबसे अधिक ऑर्डर भी हासिल किया। इसके साथ ही, वित्त वर्ष 2024-25 के अंत में बीएचईएल की कुल ऑर्डर बुक 1,95,922 करोड़ रुपये हो गई। बयान के अनुसार भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 27,350 करोड़ रुपये (अस्थायी) का राजस्व दर्ज किया, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की तुलना में लगभग 19 प्रतिशत अधिक है। कंपनी ने कहा कि बिजली क्षेत्र में उसने 81,349 करोड़ रुपये के ऑर्डर हासिल कर अपनी अग्रणी स्थिति बनाए रखी। औद्योगिक खंड में 11,185 करोड़ रुपये के नए ऑर्डर मिले।

कोयला एक्सचेंज पर नियमों पर सार्वजनिक टिप्पणियां देने की समयसीमा बढ़ी

- कोयला मंत्रालय ने अंतिम तिथि छह अप्रैल, से बढ़ाकर सात मई करने का निर्णय लिया

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने कोयला व्यापार एक्सचेंज को लेकर प्रस्तावित नियमों पर सार्वजनिक टिप्पणियां देने की समयसीमा सात मई तक के लिए बढ़ा दी है। इस एक्सचेंज से जिंस के रूप में कोयले का कारोबार किया जा सकेगा। कोयला मंत्रालय ने अपनी वेबसाइट पर कहा कि मंत्रालय ने सार्वजनिक परामर्श के लिए कोयला व्यापार एक्सचेंज पर प्रस्तावित नियमों का मसौदा प्रकाशित किया था। कोयला मंत्रालय ने टिप्पणियां या सुझाव देने की अंतिम तिथि छह अप्रैल, 2025 से बढ़ाकर सात मई, 2025 करने का निर्णय लिया है। कोयला मंत्रालय ने प्रस्तावित एक्सचेंज के लिए कोयला नियंत्रक संगठन (सीसीओ) को नियामक के रूप में सशक्त बनाने का प्रस्ताव किया है। वर्तमान में देश में कोयला बिक्री चैनल विशिष्ट रूप से कोल इंडिया लिमिटेड सहित सार्वजनिक क्षेत्र की कोयला कंपनियों के लिए है। इसलिए एक मंच यानी कोल ट्रेडिंग एक्सचेंज (सीटीई) प्रदान करने की आवश्यकता महसूस की जा रही है, ताकि वाणिज्यिक, खुद के उपयोग के लिए कोयला खनन करने वाली कंपनियों को अपने उत्पाद को बाजार में लाने के लिए आसान पहुंच मिल सके। यह एक्सचेंज जिंस के रूप में कोयले के व्यापार की सुविधा प्रदान करेगा।

सेंसेक्स की 10 प्रमुख कंपनियों का मार्केट कैप 3.84 लाख करोड़ बढ़ा

- शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर बरकरार रही

नई दिल्ली ।

पिछले सप्ताह सेंसेक्स की प्रमुख 10 कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में 3,84,004.73 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी देखी गई। छुट्टियों के कारण कम कारोबारी सत्रों वाले सप्ताह में शेयर बाजार में तेजी के बीच एचडीएफसी बैंक और भारती एयरटेल को सबसे ज्यादा मुनाफा हुआ। बाजार के जानकारों ने कहा` कि छुट्टियों के कारण कम कारोबारी सत्रों वाले सप्ताह में बाजारों में मजबूत सुधार देखा गया और यह 4.5 प्रतिशत से अधिक चढ़ गया। उन्होंने ने कहा कि मुख्य रूप से शुल्क को टाले जाने और चुनिंदा उत्पादों पर हाल ही में दी गई छूट से बाजार में उछाल आया। समीक्षाधीन सप्ताह में एचडीएफसी बैंक का बाजार मूल्यांकन 76,483 करोड़ रुपये बढ़कर 14,58,934 करोड़ रुपये पहुंच गया। सबसे ज्यादा लाभ एचडीएफसी बैंक को ही हुआ। भारती एयरटेल की बाजार हैसियत 75,210 करोड़ रुपये बढ़कर 10,77,241 करोड़ रुपये,

रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 74,766 करोड़ रुपये बढ़कर 17,24,768.59 करोड़ रुपये, आईसीआईसीआई बैंक का मूल्यांकन 67,597 करोड़ रुपये बढ़कर 10,01,948.86 करोड़ रुपये, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का मूल्यांकन 38,420.49 करोड़ रुपये बढ़कर 7,11,381.46 करोड़ रुपये, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) की बाजार हैसियत 24,114.55 करोड़ रुपये बढ़कर 11,93,588.98 करोड़ रुपये, बजाज फाइनेंस का मूल्यांकन 14,712.85 करोड़ रुपये के उछाल के साथ 5,68,061.13 करोड़ रुपये, आईटीसी की बाजार हैसियत 6,820.2 करोड़ रुपये बढ़कर 5,34,665.77 करोड़ रुपये, इन्फोसिस का मूल्यांकन 3,987.14 करोड़ रुपये बढ़कर 5,89,846.48 करोड़ रुपये और हिंदुस्तान यूनिलीवर का मूल्यांकन 1,891.42 करोड़ रुपये बढ़कर 5,57,945.69 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर बरकरार रही। उसके बाद क्रमशः एचडीएफसी बैंक, टीसीएस, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, इन्फोसिस, बजाज फाइनेंस, हिंदुस्तान यूनिलीवर और आईटीसी का स्थान रहा।

एचडीएफसी बैंक ने जारी किए नतीजे, डिविडेंड देने का भी ऐलान

- बैंक में वित्त वर्ष 2025 के मार्च तिमाही में 6.7 फीसदी की ग्रोथ देखी गई

नई दिल्ली । भारतीय बाजार में एचडीएफसी बैंक ने एक बार फिर अपनी ताकत दिखाई है जब वह वित्त वर्ष 2025 के चौथे तिमाही के नतीजे जारी कर दिए हैं। बैंक ने नेट प्रॉफिट में अनुमान से अधिक बढ़ोतरी दर्ज कराई है, जिस कारण उसने अपने शेयरहोल्डर्स को 22 रुपये प्रति शेयर डिविडेंड देने का भी ऐलान किया है। बैंक ने साल दर साल आधार पर वित्त वर्ष 2025 के मार्च तिमाही में 6.7 फीसदी की ग्रोथ देखी है, जो नेट प्रॉफिट को 17,616 करोड़ रुपये पहुंचाती है। इस ग्रोथ दर की वर्तमान चली दुर्गम परिस्थितियों में बैंक की मजबूती को दर्शाती है। बोर्ड ने डिविडेंड का ऐलान करते हुए 1 रुपये के फेस वैल्यू पर शेयरहोल्डर्स को 22 रुपये प्रति शेयर देने का फैसला किया है। इसकी रिकॉर्ड डेट 27 जून 2025 को रखी गई है। बैंक के नपा रेशियो में भी धीमी गिरावट दर्ज की गई है। 31 दिसंबर 2024 को 1.42 प्रतिशत से 31 मार्च 2025 को इसे 1.33 प्रतिशत पर कम किया गया है। यह बैंक की स्थिरता के संकेत माना जा सकता है। इसी तरह, एनपीए रेशियो 0.43 फीसदी पर है, जो पिछली तिमाही में 0.46 फीसदी पर था। ग्रॉस एनपीए भी पिछली तिमाही के मुकाबले धीमा रहा है, लेकिन दिखाता है कि बैंक संकटों का सामना करने में सक्षम है।

एफपीआई ने घरेलू शेयर बाजार में 8,500 करोड़ रुपए का निवेश किया

- वैश्विक व्यापार मोर्चे पर राहत की उम्मीद से निवेशकों का भरोसा बढ़ा

नई दिल्ली ।

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने पिछले सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों में करीब 8,500 करोड़ रुपये का निवेश किया है। इस माह की शुरुआत में एफपीआई ने घरेलू बाजार में बिकवाली की थी।` फिर वैश्विक व्यापार मोर्चे पर कुछ राहत की उम्मीद और मजबूत घरेलू अर्थव्यवस्था से निवेशकों का भरोसा बढ़ा है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार कम कारोबारी सत्रों वाले समाप्त सप्ताह के दौरान एफपीआई ने शेयरों में से 8,472 करोड़ रुपये का निवेश किया है। इसमें 15 अप्रैल को 2,352 करोड़ रुपये की निकासी भी शामिल है। हालांकि, इसके अगले दो सत्रों में उन्होंने 10,824 करोड़ रुपये का निवेश किया। उन्होने कहा कि एफपीआई गतिविधियों में हालिया तेजी से धारणा में संभावित बदलाव का संकेत मिलता है, लेकिन इस प्रवाह की स्थिरता वैश्विक वृहद आर्थिक स्थिति, अमेरिकी व्यापार नीति में स्थिरता और भारत की घरेलू वृद्धि के परिदृश्य पर निर्भर करेगी। कुल मिलाकर एफपीआई ने अप्रैल में अब तक शेयरों से 23,103 करोड़ रुपये निकाले हैं। इससे 2025 की शुरुआत से उनकी कुल निकासी 1.4 लाख करोड़ रुपये हो गई है। भारत की मजबूत घरेलू अर्थव्यवस्था, वैश्विक व्यापार व्यवधानों से कुछ राहत और भारतीय शेयर बाजारों में हालिया 'करेक्शन'

की वजह से आकर्षक मूल्यांकन के चलते एफपीआई की धारणा में सुधार हुआ है। इसके अलावा अमेरिका और चीन दोनों देशों में इस साल धीमी वृद्धि दर्ज होने की संभावना है, जबकि भारत में प्रतिकूल वैश्विक माहौल के बावजूद वित्त वर्ष 2025-26 में वृद्धि दर छह प्रतिशत रहने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि वृद्धि के मोर्चे पर भारत का बेहतर प्रदर्शन शेयर बाजारों के लिए भी अच्छा रहेगा।इससे पहले मार्च में एफपीआई ने शेयरों से 3,973 करोड़ रुपये निकाले थे। फरवरी में उनकी निकासी 34,574 करोड़ रुपये रही थी। वहीं जनवरी में उन्होंने कहीं अधिक 78,027 करोड़ रुपये की निकासी की थी।

इलेक्ट्रिक कार ईविटारा का इंतजार जल्द होगा खत्म

नई दिल्ली ।

कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी की पहली इलेक्ट्रिक कार, ईविटारा जल्द ही पेश होने वाली है। बताया जा रहा है कि इसे अगले महीने लॉन्च किया जा सकता है। हाल ही में इस इलेक्ट्रिक एसयूवी को गुरुग्राम के सेक्टर 54 चौक पर कवर के साथ देखा गया था, जहां यह कंपनी की पॉपुलर वैगनआर के पास खड़ी थी। ईविटारा के फीचर्स की बात करें तो इसमें एलईडी हेडलाइट्स, डेटाइम रनिंग लैंप, 18-इंच व्हील्स, पैनोरमिक सनरूफ, मल्टी-कलर इंटीरियर्स, और 10.25-इंच डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर जैसे आकर्षक फीचर्स दिए गए हैं। इसमें वायरलेस चार्जिंग, 10.1-इंच इंफोटेनमेंट टचस्क्रीन, एप्पल कारप्ले और एंड्राएड ऑटो जैसे कनेक्टिविटी फीचर्स भी शामिल हैं। इसके अलावा, इसमें इनफिनिटी बाय हरमन ऑडियो सिस्टम, पीएम 2.5 एयर फिल्टर, वेंटिलेटिड फ्रंट सीट्स, और 10-वे पावर एडजस्टेबल ड्राइवर सीट भी मिलेगी। यह एसयूवी ड्राइव मोड्स, जैसे ईको, नॉर्मल, और स्पोर्ट, के साथ-साथ स्नो मोड और रीजन मोड जैसी सुविधाओं से लैस है। मारुति ने ईविटारा को विभिन्न ऑटो इवेंट्स में पहले ही पेश किया है और इसकी टेस्टिंग भी अब अंतिम चरण में पहुंच चुकी है। कंपनी ने डीलर्स के माध्यम से इसके ऑफलाइन प्री-बुकिंग भी शुरू कर दी हैं।

कावासाकी ने भारतीय बाजार में लॉन्च की क्रूजर बाइक एलिमिनेटर

- क्रूजर बाइक में 451सीसी का लिक्विड-कूल्ड इंजन, कीमत 5.76 लाख

नई दिल्ली । जापानी टू-व्हीलर निर्माता कंपनी कावासाकी ने हाल ही में अपडेटेड मॉडल वाली अपनी प्रसिद्ध क्रूजर बाइक एलिमिनेटर को भारतीय बाजार में लॉन्च कर दिया है। यह बाइक नवीनतम तकनीकी और डिज़ाइन फीचर्स के साथ आता है। 2025 कावासाकी एलिमिनेटर में 451 सीसी लिक्विड-कूल्ड 4-स्ट्रोक पैरलल ट्विन इंजन दिया गया है, जो 45पीएस का पावर और 42.6 एनएम का पीक टॉर्क जनरेट करता है। इस बाइक में हार्डवेयर भी कमाल का है, जैसे डुअल-चैनल एबीएस, डिस्क ब्रेक, टेलिस्कॉपिक फॉर्क, डुअल शॉक एब्जॉर्वर और बहुत कुछ। एलिमिनेटर के फीचर्स में एक सर्कुलर एलसीडी इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, राइडोलॉजी ऐप के साथ स्मार्टफोन कनेक्टिविटी, डुअल चैनल एबीएस, और कई और डिजिटल इंवोवेशनें शामिल हैं। इस नई बाइक का ओवरऑल डिज़ाइन भी मॉडर्न और एलिगेंट है।

बुनियादी हल को अपनाने का वक्त

भारत डोगरा

विश्व में अन्याय, विषमता की व्यवस्थाएं बहुत समय से अनेक स्थानों पर रही हैं व इनसे बहुत दुख-दर्द भी जुड़ा रहा है। युद्ध व हिंसा से भी बहुत दुख-दर्द जुड़ा रहा है। पर पिछले लगभग 80 वर्षों का समय इस दृष्टि से धरती के इतिहास में अभूतपूर्व है कि पहली बार मानव-निर्मित कारणों से धरती की जीवनदायिनी क्षमताएं संकटग्रस्त हो गई हैं। संकट के दो पक्ष हैं। पहला पक्ष तो लगभग दर्जन भर गंभीर पर्यावरणीय समस्याओं का है। दूसरा पक्ष महाविनाशक हथियारों का है जिनके कारण धरती पर जीवन और भी तेजी से व कहीं अधिक दर्दनाक ढंग से ध्वस्त हो सकता है। जब जीवन के अस्तित्व मात्र का संकट मौजूद है तो जरूरी है कि विश्व नेतृत्व के लिए सबसे बड़ी जिम्मेदारी यह होनी चाहिए कि वह संकट के समाधान को उच्चतम प्राथमिकता देते हुए करे और यह समाधान न्याय, अमन-शांति व लोकतंत्र के दायरे में होना चाहिए

हाल की विश्व स्तर की सरगर्मियों में बहुत कुछ है जो चौंकाने वाला है, पर इनसे विश्व की सबसे बड़ी और बुनियादी समस्याओं के समाधान नजदीक नहीं आ रहे हैं अपितु और दूर जा रहे हैं, और यह गहरी चिंता का विषय है।

विश्व में अन्याय, विषमता की व्यवस्थाएं बहुत समय से अनेक स्थानों पर रही हैं और इनसे बहुत दुख-दर्द भी जुड़ा रहा है। युद्ध और हिंसा से भी बहुत दुख-दर्द जुड़ा रहा है। पर पिछले लगभग 80 वर्षों का समय इस दृष्टि से धरती के इतिहास में अभूतपूर्व है कि पहली बार मानव-निर्मित कारणों से धरती की जीवनदायिनी क्षमताएं ही संकटग्रस्त हो गई हैं। इस संकट के दो पक्ष हैं। पहला पक्ष तो लगभग दर्जन भर गंभीर पर्यावरणीय समस्याओं का है। दूसरा पक्ष महाविनाशक हथियारों का है जिसके कारण धरती पर जीवन और भी तेजी से और कहीं अधिक दर्दनाक ढंग से ध्वस्त हो सकता है।

जब जीवन के अस्तित्व मात्र का संकट मौजूद है तो जरूरी बात है कि विश्व नेतृत्व के लिए सबसे बड़ी जिम्मेदारी यह होनी चाहिए कि वह इस संकट के समाधान को उच्चतम प्राथमिकता देते हुए करे और ये समाधान न्याय, अमन-शांति और लोकतंत्र के दायरे में होने चाहिए। इसके लिए जरूरी है कि विश्व के विभिन्न देशों में में सहयोग को तेजी से बढ़ाया जाए ताकि वे सब आपसी सहयोग और परस्पर विश्वास से कार्य करते हुए विश्व की सबसे बड़ी और बुनियादी समस्याओं के समाधान प्राप्त करें। दुर्भाग्यवश वास्तविक स्थिति यह है कि परस्पर सहयोग और शांति को बढ़ाने के स्थान पर विश्व में तनाव और अविश्वास बढ़ते जा रहे हैं। इन स्थितियों में यह संभावना कम होती जा रही है कि विश्व की सबसे महत्त्वपूर्ण और बड़ी समस्याओं के समाधान के लिए विभिन्न देश आपसी सहयोग और विश्वास से कार्य कर सकेंगे।

हालांकि यह स्थिति कुछ वर्षों से बनी हुई है पर हाल के समय में यह पहले से और विकट हुई है। वर्ष 2025 का आरंभ कुल मिला कर ठीक माहौल में हुआ। गाजा में युद्ध विराम की घोषणा हुई। चाहे यह युद्ध विराम उस समय भी बहुत मजबूत नहीं लगा था, फिर भी गोले बरसने और बमों के धमाकों से कुछ राहत तो बुरी तरह त्रस्त और आहत गाजा के लोगों को मिली। इतना ही नहीं, यूक्रेन-रूस की युद्ध समाप्ति की कुछ उम्मीद भी उत्पन्न हुई। निरंतर विकट होते जा रहे एक बेहद खतरनाक युद्ध के बीच समझौते की कुछ संभावना नजर आने लगी।

बहुत दुख की बात है कि बहुत शीघ्र ही ये उम्मीदें ध्वस्त होने लगीं या कमजोर पड़ने लगीं। गाजा में तो युद्ध विराम टूट ही चुका है। यूक्रेन में जो शीघ्र युद्ध समाप्त होने की उम्मीद इस वर्ष जनवरी-फरवरी में नजर आई थी वह अप्रैल आते-आते कमजोर पडक्ष्ने लगी है। उधार, अफ्रीका में कांगो, सूडान, दक्षिण सूडान जैसे संकटग्रस्त देशों में भी बड़े स्तर की हिंसा और विस्थापन का कहर बढ़ रहा है। अमेरिका और ईरान के बीच भी तनाव हाल में बढ़ा है। उधर, यमन में जो बमबारी हो रही है, वह भी अधिक व्यापक संकट में बदल सकती है। टैरिफ विवाद शुरू होने के बाद सबसे तीखा टकराव अमेरिका और चीन के बीच देखा जा रहा है। कुछ विश्लेषक चिंता व्यक्त कर रहे हैं कि यदि विवाद बढ़ता गया तो यह व्यापार युद्ध किसी हिंसक युद्ध या प्राक्सी युद्ध में न बदल जाए। यूक्रेन संकट का बहुत खतरनाक पक्ष यह रहा है कि इसमें कुछ दौर ऐसे भी आए जब इसके तीसरे विश्व युद्ध की ओर बढ़ने की आशंकाएं व्यक्त की जा रही थीं। कुछ समय के लिए ऐसी आशंकाओं पर विराम लगा था। अब ये खतरनाक आशंकाएं फिर व्यक्त की जा रही हैं।

इस समय विश्व में लगभग 13,000 परमाणु हथियार हैं और इनमें से मात्र 10 फीसद या 5 फीसद का भी उपयोग हो गया तो पूरा विश्व नष्ट हो सकता है। जब एक ओर इतने विध्वंसक हथियार मौजूद हैं तथा दूसरी ओर विश्व में युद्ध और तनाव बढ़ रहे हैं तो निश्चय ही स्थिति बहुत संकटपूर्ण है। ऐसी स्थिति में दुष्यंत कुमार की एक गजल के ये अंश बहुत उपयुक्त लगते हैं-

हो गई हर घाट पर पूरी व्यवस्था
शौक से डूबे जिसे भी डूबना है।

इस घोर संकट के बीच कुछ उम्मीद भी तो ढूंढ निकालनी है। इस उम्मीद की तलाश को भी दुष्यंत कुमार के ही शब्दों में व्यक्त करें तो-

हो गई है पीर पर्वत सी पिघलनी चाहिए,
इस हिमालय से कोई गंगा निकलनी चाहिए।

यह उम्मीद विश्व को इस रूप में मिल सकती है कि बढ़ती संख्या में लोग, लोकतांत्रिक तौर-तरीकों से, न्याय, पर्यावरण रक्षा और अमन-शांति की राह पर अग्रसर हों और इस राह पर व्यापक एकता बनाई जाए। विश्व स्तर पर करोड़ों लोग अमन-शांति, निशस्त्रीकरण, पर्यावरण रक्षा और न्याय, समता के लिए सक्रिय रहेंगे और उनमें एकता भी बनेगी तो इस आधार पर विश्व स्तरपर एक बहुत बड़ा बदलाव आ सकता है। यदि विश्व के अनेक जाने-माने व्यक्ति और संयुक्त राष्ट्र संघ इन प्रयासों के समर्थन में बढ़-चढ़ कर आगे आएं तो इसकी सफलता की संभावना और बढ़ जाएगी। उम्मीद है कि यह विश्वव्यापी प्रयास जब एक स्तर तक आगे बढ़ जाएंगे तो उनकी प्रगति की रफ्तार अपने आप तेज हो जाएगी क्योंकि आने वाले समय में इनकी जरूरत तो बढ़ने वाली है और नई पीढ़ी विश्व की स्थितियों को देखते हुए इन प्रयासों के महत्त्व को और बेहतर ढंग से समझ सकेगी। अब समय आ गया है कि छोटे-बडे जिस स्तर पर भी संभव हो, ऐसे प्रयासों को दुनिया भर में और तेज किया जाए, सशक्त किया जाए।

प्रायः कहा जाता है कि इस तरह के प्रयास तो बहुत बड़ी बात हैं, इससे जनसाधारण की भूमिका भला कैसे हो सकती है। इस संदर्भ में याद रखना जरूरी है कि बहुत से छोटे-छोटे पर गहरी निष्ठा से किए गए प्रयासों से भी बडे बदलाव आ सकते हैं। ऐसे बहुत से छोटे-छोटे प्रयासों से समाज में सबसे सार्थक मुद्दों पर सक्रियता बनी रहती है, लोगों को सार्थक प्रयासों से कई स्तरों पर जुडक्ष्ने का मौका मिलता है। सबसे महत्त्वपूर्ण बात यह है कि निराशा और निष्क्रियता के स्थान पर उम्मीद और उमंग का माहौल बनता है। अतः बेशक यह बड़ी बात लगे कि धरती की जीवनदायिनी क्षमताएं खतरे में हैं और हमें उनकी रक्षा अमन-शांति, न्याय और पर्यावरण रक्षा की राह को अपना कर करनी है पर यह बहुत बड़ा उद्देश्य तभ भी प्राप्त हो सकेगा जब इसके निरंतर और निष्ठा से प्रयास होते रहें, फिर चाहे हर प्रयास अपने में छोटा प्रयास ही प्रतीत हो।

संपादकीय

भारत की दो टूक

मुंबई में 26/11 के आतंकी हमले में मुख्य आरोपियों में से एक तहव्वुर राणा के अमेरिका से भारत में प्रत्यार्पित होने से पाकिस्तान बौखलाया हुआ है। भारतीय एजेंसियां इस हमले से संबंधित सभी पहलुओं पर राणा से पूछताछ कर रही हैं। पूछताछ में हमले में पाकिस्तान की केंद्रीय भूमिका की पुख्ता जानकारी मिल सकती है। इस बीच, पाकिस्तान का कश्मीर को लेकर अनर्गल पलाप जारी है। पाकिस्तान के सेनाध्यक्ष जनरल आसिम मुनीर ने इस्लामाबाद में पहले प्रवासी पाकिस्तानी सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि कश्मीर हमारे गले की नस थी, हमारे गले की नस रहेगी और हम इसे कभी नहीं भूलेंगे। जनरल मुनीर के इस बयान का भारतीय विदेश मंत्रालय ने कड़ा प्रतिवाद किया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने दो टूक कहा कि पाकिस्तान के कब्जे वाला कश्मीर (पीओके) भारत का अभिन्न अंग है। पाकिस्तान को उसे जल्द खाली करना पड़ेगा। लोगों को याद होगा कि पिछले महीने ही संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत पार्वथानेनी हरीश ने साफ शब्दों में कहा था कि पाकिस्तान ने जम्मू-कश्मीर के एक हिस्से को अवैध रूप से कब्जा कर रखा है जो उसे खाली करना पड़ेगा। इसके पहले भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने भी लंदन में एक समारोह में कहा था कि कश्मीर समस्या का समाधान जम्मू-कश्मीर के चुराए गए हिस्से की वापसी के बाद होगा, जो अवैध रूप से पाकिस्तान के कब्जे में है। पीओके पर केंद्र की वर्तमान मोदी सरकार का यह रुख निरंतर जारी है और अपनी गति पर है। यह बताता है कि पाकिस्तान के अवैध कब्जे से पीओके को भारत वापस लाने के लिए नई दिल्ली वैश्विक समर्थन जुटाने के लिए प्रयासरत है। यहां के नागरिक पाकिस्तानी सरकार और सेना के जुल्म से मुक्ति पाने के लिए आंदोलनरत हैं। वे भारत जैसे लोकतांत्रिक और धर्मनिरपेक्ष देश के साथ रहना चाहते हैं। पाकिस्तान की पहचान एक ऐसे देश के रूप में बन गई है, जो आतंकवाद का केंद्र है। कोई भी सभ्य नागरिक ऐसे देश में रहना नहीं चाहता। इसीलिए वहां के नागरिक पीओके के भारत में विलय की मांग कर रहे हैं। उम्मीद है कि देर-सबेर उनका यह सपना पूरा होकर रहेगा।

चिंतन-मनन

सबसे अच्छा सखा है ज्ञान

आत्मा ही आनन्द का स्वरूप है। किसी भी सुखद अनुभूति में तुम आंखे मूंद लेते हो। जैसे जब किसी फूल को सूंघते हो, कोई स्वादिष्ट खाना चखते हो या किसी वस्तु को स्पर्श करते हो। दुख का केवल यही अर्थ है कि तुम अपरिवर्तनशील आत्मा पर केन्द्रित होने के बदले विषयवस्तु में फंसे हो, जो परिवर्तनशील है। सभी इन्द्रियां केवल डाइविंग बोर्ड की भांति हैं जो तुम्हें वापस आत्मा तक पहुंचाती हैं। स-खा का अर्थ है वह ही इन्द्रिय है। सखा वह है जो तुम्हारी इन्द्रिय बन गया है, जो तुम्हारी इन्द्रिय ही है। यदि तुम मेरी इन्द्रिय हो, इसका मतलब तुम्हारे द्वारा मुझे ज्ञान मिलता है, तुम मेरी छठी इन्द्रिय हो। जैसे मैं अपने मन पर विश्वास करता हूं, वैसे ही मैं तुम पर विश्वास करता हूं। एक मित्र केवल इन्द्रिय-विषय हो सकता है, परन्तु सखा स्वयं इन्द्रिय बन जाता है।

सखा वह साथ है जो सुख और दुःख, दोनों अनुभवों में साथ रहता है। सखा वह है जो तुम्हें आत्म स्थित करता है, यदि तुम किसी विषय वस्तु में फंसे हो। जो ज्ञान तुम्हें वापस आत्मा की ओर लाता है, वही सखा है। ज्ञान तुम्हारा साथी है और गुरु केवल ज्ञान के प्रतिरूप हैं। सखा का अर्थ है, वह मेरी इन्द्रियां हैं। मैं संसार को उसी ज्ञान के द्वारा, उनके माध्यम से देखता हूं। यदि तुम्हारी सोच देवी है, तो तुम समस्त संसार को दिव्य दृष्टि से देखोगे। कुछ वर्षो में तुम्हारा मस्तक मिट्टी में होगा, जीते जी तो अपना सर कीचड़ से मत भरो। मेरा पीछा न करो। वास्तव में तुम मेरा पीछा कर भी नहीं सकते, क्योंकि मैं तो तुम्हारे पीछे हूं, तुमको आगे ठेलने के लिए। तुम्हें सब-कुछ पीछे छोड़ देना है और आगे बढ़ना है। सब कुछ तुम्हारे सभी अनुभव, तुम्हारे नाते-रिश्ते-भूत काल के हिस्से हैं। सब-कुछ छोड़ दो। अपनी स्मृतियों के सम्पूर्ण संसार को पीछे छोड़ दो। मुझको भी। आगे बढ़ो और मुक्त हो जाओ। कुछ और खोजना बन्द करो- तब तुम मुक्त होगे और तुममें अनुकम्पा उभरेगी।

कशमीर की घाटियों से बफीर्ली वादियों में गलवादियाँ करेगी वंदे भारत

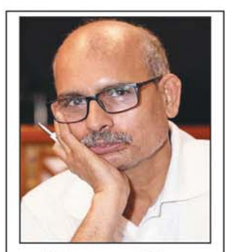

विनोद कुमार सिंह

वंदे भारत ट्रेन में यात्रा होगी सुगम और सुरक्षित कश्मीर की कठिन परिस्थितियों में ड्राइवर की सुरक्षा और सुविधा सुनिश्चित करने के लिए इस वंदे भारत ट्रेन में अत्याधुनिक तकनीक का उपयोग किया गया है,जिससे सुगम यात्रा संभव होगी।

विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र हमारा देश भारत जहाँ भिन्न भिन्न भाषा,धर्म जाति का चेहता देश,जो सम्पूर्ण विश्व को विविधता में एकता का संदेश देते हुए जीवन जीने का गुरू रहस्यो का तरीका व सलीका सिखाता है।जी हाँ हमारा व आप का प्यारा देशहै। जिसकी पहचान आज विश्व के मानचित्र में पहचान भारत के रूप अपना प्रच्चम फहरा रहा है। जिसकी अप्रैल की हल्की ठंडक और वसंत की खिलती बहार... हिमालय की बफीर्ली चोटियाँ,सेब के पेड़ों पर गुलाबी फूलों की चादर,और मैदानों की हरी घास,यह सब अब सिर्फ मात्र अब कल्पना नहीं रहेगा।क्योंकि अब जल्द ही, इसका आनंद आप अपनी आंखों से देख सकते है। इसके लिए आप को जल्द ही जम्मु कश्मीर चलने के लिए तैयार रहना होगा। आप सोच रहे होगें कि कशमीर में तो अभी सर्दी व बफीर्ले हवाओं से समाना करना पडेगा।तो आप को बता दें कि रेलवे ने जम्मू कश्मीर के विषय परिस्थितियो को ध्यान में रखते हुए स्पेशल डिजाइंड किया है। वह भी अपने यात्रियो के सुःख सुविधाओं का ध्यान में रखते हुए। जिसका नाम वंदे भारत ट्रेन दिया गया है। आप इसी वंदे भारत ट्रेन में बैठकर कशमीर की घाटियों व वादियों का नजदीक से देख सकेंगे। सर्व विदित रहे कि जैसे ही यह ट्रेन पहलगाम की घाटियों से गुजरेगी, हरियाली से सजी वादियाँ,दूर तक फैले चीड़ के जंगल और चरवाहों की झलक आपको एक लम्हे में रोक देंगे। वही देवदार की खामोशी को चीरती वंदे भारत की तेज रफ्तार - तकनीक और प्रकृति का अद्भुत संगम जल्द ही आपको देखने को मिलगी। जहाँ इंजीनियरिंग का कमालमेक इन इंडिया के तहत इंटीग्रल कोच फैक्ट्री (ICF) में बनी यह ट्रेन आधुनिक तकनीक और सुविधाओं से लैस है,जो बिजली सी चलती है।मगर सुरक्षित और आरामदायक सफर की मिसाल है। यह सफर हर भारतीय को गर्व से भर देगा।यहाँ पर आप के मन प्रश्न उठना स्वाभाविक है - क्या यह वंदे भारत ट्रेन कश्मीर की घाटियो व हिमालय की वादियों व विपरीत परिस्थितियों के अनकुल है।मै स्पष्ट कर दुं कि यह वंदे भारत एक्सप्रेस विश्वसनीयता,सुरक्षा और यात्रियों के आराम को सुनिश्चित करने के लिए अत्याधुनिक तकनीक एवं उन्नत सुविधाओं से युक्त है।इस वंदे भारत ट्रेन को कश्मीर घाटी की कठिन जलवायु परिस्थितियों में सुगम यात्रा प्रदान करने के लिए खास तौर पर डिजाइन किया गया है। जिससे अब हर मौसम में कश्मीर घाटी तक पहुंचना आसान होगा और वंदे भारत एक्सप्रेस की शुरूआत,क्षेत्र में यात्री सेवाएँ एवं पर्यटन अनुभव बेहतर बनाएगी।जम्मू-कश्मीर जैसे सर्द मौसम वाले क्षेत्र में सुचारू रेल संचालन सुनिश्चित करने के लिए इस वंदे भारत ट्रेन में विशेष तकनीकी सुविधाएँ प्रदान की गई हैं।सिलिकॉन हीटिंग पैडः यह वॉटर और बायो- टॉयलेट टैंकों में पानी को जमने से रोकेंगे।साथ ही,इनमें ओवरहीट प्रोटेक्शन सेंसर लगे हैं, जो यह सुनिश्चित करता है कि शून्य या माइनस तापमान में भी रेल संचालन सुचारू रूप से हो।हीटेड प्लंबिंग पाइपलाइनः जीरो डिग्री से भी कम तापमान में सेल्फ-रेगुलेटेड हीटिंग केबल्स पानी को जमने से रोकेंगे।

ऑटो-ड्रेनिंग मैकेनिज्मः प्लंबिंग लाइनों में पानी के जमने की समस्या को रोकेगा, जिससे संचालन में कोई बाधा नहीं आएगी। वंदे भारत ट्रेन में यात्रा होगी सुगम और सुरक्षित कश्मीर की कठिन परिस्थितियों में ड्राइवर की सुरक्षा और सुविधा सुनिश्चित करने के लिए इस वंदे भारत ट्रेन में अत्याधुनिक तकनीक का उपयोग किया गया है,जिससे सुगम यात्रा संभव होगी।इसके लिए एंबेडेड हीटिंग एलिमेंटः फ्रंट लुकआउट ग्लास में लगाए गए यह एलीमेंट सर्द मौसम में विंडशील्ड को डी-फ्रॉस्ट कर ड्राइवर को क्लियर.विजन प्रदान करेंगे, जिससे सुरक्षित व सुगम ट्रेन संचालन हो सकेगा।एंटी-स्पॉल लेयरः बर्फबारी या आंधी जैसे कठिन मौसम के दौरान यह लेयर ड्राइवर को सुरक्षित ट्रेन के संचालन में सहायता करेगा।

सुरक्षित और आरामदायक वर्क एनवायरनमेंटः ट्रेन को कठिन मौसम परिस्थितियों से निपटने के लिए स्पेशल रूप से डिजाइन किया गया है। इस वंदे भारत ट्रेन के

सुचारू संचालन और यात्रियों के आराम के लिए कई तकनीकी सुविधाएं सुनिश्चित की गई हैं: -एयर ड्रायर सिस्टम हीटिंगः अत्याधिक ठंड में एयर ब्रेक सिस्टम की दक्षता बनाए रखेगा। साथ ही, हीटिंग, वेंटिलेशन और एयर कंडीशनिंग (HVAC) डक्ट्स द्वारा यात्रियों की आराम दायक यात्रा सुनिश्चित की गई है I5 kVA ट्रांसफॉर्मरः ट्रेन के महत्वपूर्ण घटकों के सुचारू संचालन और ठंडे मौसम में उनकी दक्षता बनाए रखने के लिए इसे अंडरफ्रेम में विशेष रूप से स्थापित किया गया है।पूर्ण वातानुकूलित कोचः सेमी-हाई-स्पीड क्षमताओं (160 किमी प्रति घंटे) से लैस होंगे, जिससे तीव्र और समयबद्ध यात्रा संभव होगी।आधुनिक सुविधाएँ: चौड़े गैंगवे, स्वचालित प्लग डोर, मोबाइल चार्जिंग सॉकेट, इंफोटेनमेंट सिस्टम और सीसीटीवी जैसी सुविधाएँ यात्रियों के अनुभव को सुगम बनाएंगी।

विमर्शः दायरों में निहित है सच्चा लोकतंत्र

डॉ. घनश्याम बादल

आखिर, वही हुआ जिस बात का डर था। संसद के दोनों सदनों में बहुमत की मोहर लगने के साथ वक्फ संशोधन बिल कानून में तो बदल गया लेकिन जिस तरह एक सांसद ने कहा था कि मुस्लिम समाज इस बिल को कानून के रूप में स्वीकार नहीं करेगा और कुछ प्रतिक्रियावादी नेता इस पर बयान दे रहे थे तो यह तो तय था कि कानून बनने के बावजूद इसके खिलाफ वे अदालत में जाएंगे और गए भी। एक दो नहीं, बल्कि देश भर से इस कानून की खिलाफत करते हुए और इसे वक्फ बोर्ड के अधिकारों पर डाका डालने वाला बताते हुए या फिर मुस्लिम संप्रदाय के धार्मिक अधिकारों में अनुचित हस्तक्षेप बताते हुए एक दो नहीं अपितु 120 जनहित याचिकाएं उच्चतम न्यायालय में दायर की गई। यह इस बात का संकेत देने की कोशिश है कि यदि सरकार मनमाने तरीके से कानून बनाएगी तो हम भी मनमाने तर्क गढ़ कर प्राप्त अधिकारों का उचित - अनुचित प्रयोग करते हुए प्रतिरोध करेंगे।

सरकार समर्थकों का मानना है कि वक्फ बोर्ड के मनमर्जी करने वाले अधिकारों पर कुल्हाड़ी चलते ही कुछ खास लोग बिलबिला उठे। भारत के दो जाने-माने वकीलों या कहिए कि वकील से अधिक नेता कैसे-कैसे तर्क लेकर न्यायालय में आए, वे दुख एवं हंसी दोनों का सबब है। ये दोनों वकील शायद स्व. राम जेठमलानी के बाद के ऐसे सबसे अधिक चर्चित वकील हैं, जो विवादास्पद मुद्दों पर तुरंत हाजिर होते हैं, और संविधान की खामियों का फायदा उठाते हुए न केवल भारी- भरकम फीस लते हैं अपितु खुद को चर्चा में रखते हैं। वकील का काम है अपने मुवक्किल के पक्ष में हर तरह के तर्क पेश करके उसे लाभ पहुंचाना। कपिल सिब्बल एवं अभिषेक मनु सिंघवी तथा उनकी टीम ने यही किया तो इसमें गलत क्या है। लेकिन जिस तरह से न्यायालय ने टिप्पणी की वह चचाओं में है। हालांकि न्यायालय ने इस संबंध में कोई अंतिम फैसला नहीं सुनाया बल्कि उसने सरकार को 5 मई तक सब्र करने की नसीहत देते हुए इस कानून की कुछ धाराओं पर रोक लगा दी।

इस से पूर्व भी उच्चतम न्यायालय ने देश के सर्वोच्च पदधारक राष्ट्रपति एवं राज्यपालों को एक निश्चित समय अवधि में फैसला लेने का निर्देश भरा परामर्श देने का अचंभित करने वाला फैसला सुनाया था जिसकी प्रतिक्रिया में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने जिस तरह न्यायपालिका को 'सुपर संसद' के रूप में काम करने वाली संस्था बताया वह भी विस्मयकारी है। इसमें दो राय नहीं कि भारतीय लोकतंत्र व्यवस्थापिका, कार्यपालिका एवं न्यायपालिका का संतुलित समन्वयन है जिसमें इन तीनों स्तंभों के दायरे सुपरिभाषित हैं, लेकिन कुछ समय से जैसे ये दूसरे के क्षेत्र में हस्तक्षेप करते दिख रहे हैं, वह लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत नहीं है।

जिस तरह आज अति उत्साही सोशल मीडिया एवं टीवी चैनलों पर अधकचरे विचारों को स्थान मिल रहा है वह भी खतरनाक है। चैनलों, अखबारों एवं सोशल मीडिया मंचों की जिम्मेदारी तय करना बहुत जरूरी है। जैसे कभी अखबार में छपी बात एक नजीर बन जाया करती थी वैसे ही आम आदमी की नजर में टीवी एंकर द्वारा कही गई बात या सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए विचार मायने रखते हैं, और इससे वे कई बार दिग्भ्रमित भी होते हैं। इसमें भी अकाउंटेबिलिटी तय करना जरूरी है कि बिना जांचे-परखे एवं उसके क्या आफ्टर इफेक्ट्स होंगे इसका जिम्मा व्यक्ति चैनल या सोशल मीडिया मंच को लेना होगा। इसमें दो राय नहीं कि लंबे समय तक देश में तुष्टिकरण का दौर चला और अब अंधभक्ति भरा उग्र आस्था का दौर जोर पकड़े हुए है। देश के दो बड़े संप्रदायों के बीच जितनी गहरी खाई इन दिनों देखी जा रही है, इससे पहले कभी नहीं थी। यदि भारत ने आजादी के बाद उल्लेखनीय प्रगति की है तो उसमें बेशक, सबका योगदान रहा है। शांति एवं सद्भाव के चलते ही विकास का एक बड़ा ढांचा खड़ा किया जा सका है। जरा सोचिए, यदि एक तरफा झुकने का यह दौर लंबा चला तो फिर इस नये, पुराने विकास का क्या होगा? अस्तु, इस संक्रमण काल में मुद्दे ही मुद्दे हैं, कुछ गरम, कुछ बहुत गर्म और उनकी गर्मी से राजनीतिक पार्टियां और सियासतदां फायदा भले ही उठा लें लेकिन देश का भला होना मुश्किल है। अतः बुद्धिजीवी वर्ग को निष्पक्ष रहते हुए आम आदमी तक बातें पहुंचाने में बहुत सावधानी बरतनी होगी।

स्वामी, प्रकाशक और मुद्रक डा0 सरवर जमाल ने आर0 डी0 प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स प्रा0 लि0 प्लाट नं0 16-17 पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, रोड नं0 झ्र 09 पटना झ्र 800013 से छपवाकर कार्यालय 203 बी, ब्लाक रंजीत रेसीडेंसीज, साकेतपुरी, मछली गली, राजा बाजार पटना- 800014 से प्रकाशित किया ।सम्पादकः श्रीमती शबाना प्रवीन पी0 आर0 बी0 एक्ट के तहत खबरों की जिम्मेवार मैनेजिंग एडिटरः डा0 राजीव कुमार, स्थानीय सम्पादकः डा0 नूतन कुमारी, उप सम्पादकः तबस्सुम नवाज PRGI NO:- BIHHIN/2023/86924 E-mail- Newsindogulf730@gmail.com,Mob-9472871824/8544031786 समस्त विवादों का निवारण पटना न्यायालय के अधीन ही होंगे।

‘जाट’ पर धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने का आरोप

सनी-रणदीप के खिलाफ केस दर्ज

सनी देओल, रणदीप हुड्डा स्टारर हालिया रिलीज फिल्म ‘जाट’ मुश्किलों में घिरती दिख रही है। फिल्म पर धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने का आरोप लगा है। जालंधर के थाना सदर में सनी देओल, रणदीप हुड्डा समेत टीम के अन्य सदस्यों के खिलाफ केस दर्ज कराया गया है। जालंधर के थाना सदर में ‘जाट’ फिल्म के अभिनेता सनी देओल, रणदीप हुड्डा, वीनित कुमार, निर्देशक गोपीचंद मलिनेनी, प्रोड्यूसर नवीन मलिनेनी के खिलाफ केस दर्ज कराया गया है। फिल्म के सदस्यों पर मामला जालंधर के गांव फोलरीवाल निवासी विकल्प गोल्ड के बयानों पर दर्ज हुआ है। धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने की धारा 299 बीएनएस के तहत दर्ज किया गया है। ईसाई समुदाय ने हाल ही में ‘जाट’ फिल्म में एक सीन को लेकर पुलिस कमिश्नरेट दफ्तर के बाहर प्रदर्शन किया था। समुदाय का आरोप है कि फिल्म के एक सीन में प्रभु यीशु और धर्म से जुड़ी पवित्र चीजों की बेअदबी की गई है, जिसे लेकर उन्होंने अधिकारियों को मामला दर्ज करवाने की मांग के साथ पत्र सौंपा था। पुलिस को दिए गए शिकायती पत्र में बताया गया कि जाट मूवी में प्रभु यीशु मसीह के सलीब (लकड़ी का बना क्रॉस) वाले दृश्य की नकल करके ईसाईयों की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाया गया है। जाट का निर्देशन गोपीचंद मलिनेनी ने किया है। सनी देओल के साथ फिल्म में रणदीप हुड्डा, विनीत कुमार सिंह, सैयामी खेर और रेजिना कैसंड्रा भी अहम भूमिकाओं में हैं। फिल्म में अभिनेता रणदीप हुड्डा खतरनाक खलनायक रणतुंगा के किरदार में हैं। फिल्म में उर्वशी रौतेला का एक आइटम सॉन्ग टच किया भी है। हिंदी के साथ ही तमिल और तेलुगू में रिलीज हुई फिल्म जाट का निर्माण मैत्री मूवी मेकर्स ने पीपल मीडिया फैक्ट्री के साथ मिलकर किया है। 10 अप्रैल को रिलीज हुई जाट का बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन जारी है। फिल्म 60 करोड़ से ज्यादा की कमाई कर चुकी है। सफलता से उत्साहित निर्माताओं ने जाट 2 की घोषणा भी कर दी है। निर्माताओं ने बताया कि जाट 2 नए मिशन के साथ दर्शकों के सामने आएगी।

मॉडल के साथ अफेयर की चर्चाओं के बीच, हनी सिंह का क्रिप्टिक पोस्ट

जन्मदिन सेलिब्रेशन में एमा के साथ नजर आए हनी सिंह

हनी सिंह ने ये स्टोरी ऐसे वक्त पर लगाई है, जब हाल ही में एमा बकर की जन्मदिन की पार्टी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुआ, जिसे खुद हनी सिंह ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर साझा किया है। इस वीडियो में हनी सिंह अपनी रूमर्ड गर्लफ्रेंड एमा बकर के साथ बैठे हुए हैं और एक आलीशान रेस्टोरेंट में जन्मदिन का सेलेब्रेशन मना रहे हैं। वीडियो में दिखता है कि हनी ने एमा के लिए सरप्राइज पार्टी रखी है। इस दौरान वीडियो में हनी सिंह एमा का हाथ थामे भी दिखाई दे रहे हैं। बैकग्राउंड में हनी सिंह का गाना मिलियनेयर बज रहा था, जिससे सोशल मीडिया यूजर्स संभावित रोमांटिक कनेक्शन के बारे में अटकलें लगा रहे हैं। इस वीडियो के सामने आने के बाद से ही हनी सिंह और एमा बकर के अफेयर की चर्चाएं जोरों पर हैं।

अक्सर सुर्खियों में रहने वाले सिंगर-रैपर हनी सिंह आजकल अपनी लव लाइफ को लेकर चर्चाओं में बने हुए हैं। इस बीच अब हनी सिंह का एक क्रिप्टिक पोस्ट लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच रहा है। जानिए इस पोस्ट में ऐसा क्या है खास। भारतीय रैपर-सिंगर हनी सिंह इन दिनों अपनी लव लाइफ को लेकर एक बार फिर सुर्खियों में बने हुए हैं।

उनके और मॉडल एमा बकर के रिलेशनशिप में होने की चर्चाएं इन दिनों बी-टाउन का हॉट टॉपिक बनी हुई हैं। हाल ही में एमा के जन्मदिन के मौके पर हनी सिंह की मौजूदगी ने एक बार फिर चर्चाओं को हवा दे दी है। अब अफेयर की चर्चाओं के बीच हनी सिंह ने सोशल मीडिया पर एक क्रिप्टिक पोस्ट साझा की है। जिसने लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा है।

‘जिंदगी एक खूबसूरत सफर है’

हनी सिंह ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक नोट साझा किया है। रिलेशनशिप की चर्चाओं के बीच हनी सिंह का ये क्रिप्टिक पोस्ट सुर्खियां बटोर रहा है। अपने इस पोस्ट में हनी सिंह ने लिखा, आप धरती पर रहते नहीं हैं, आप इससे गुजर रहे हैं। जिंदगी एक खूबसूरत सफर है, पीड़ा नहीं दोस्त। हनी सिंह का ये क्रिप्टिक पोस्ट अब लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच रहा।

महेश बाबू की फिल्म ‘एसएसएमबी 29’ को लेकर प्रियंका चोपड़ा ने दिया हिंट

हाल ही में अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा अपनी आगामी फिल्म ‘एसएसएमबी 29’ से चर्चा में हैं। महेश बाबू की इस बहुप्रतीक्षित फिल्म को लेकर एक बड़ा अपडेट आया है। महेश बाबू और राजामौली की बहुप्रतीक्षित फिल्म ‘एसएसएमबी 29’ की शूटिंग जोरों-शोरों से चल रही हैं। अब फिल्म को लेकर एक अपडेट आया है। प्रियंका चोपड़ा ने दिए ये हिंट। जानने के लिए पढ़ें पूरी खबर। बॉलीवुड अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा ने अपने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी शेयर की है। इसमें उन्होंने ग्राफिक्स के जरिए बताया है कि वह मुंबई से होते हुए पर्ल सिटी हैदराबाद आ गई हैं। 123 तेलुगु की रिपोर्ट के जरिए यह कहा जा रहा है कि अभिनेत्री महेश बाबू की फिल्म ‘एसएसएमबी 29’ की शूटिंग के लिए फिर से हैदराबाद आ गई हैं, जिसका अगले हफ्ते यहां शूटिंग होगी। इस फिल्म के एक-एक अपडेट का फैंस को बेसब्री से इंतजार है।

फिल्म को लेकर क्या है अपडेट?

राजामौली के निर्देशन में बन रही फिल्म एसएसएमबी 29 को अंतरराष्ट्रीय स्तर तक ले जाने का प्लान है। महेश बाबू अभिनीत इस एडवेंचर थ्रिलर फिल्म की शूटिंग 2026 के मध्य तक चलने की उम्मीद है। अभी फिल्म ने ओडिशा के कोरपुट शेड्यूल की शूटिंग पूरी की है।

गुरु रंधावा ने अपने पहले इंडिपेंडेंट एल्बम विदाउट प्रेजुडिस से कतल का ऑफिशियल वीडियो किया रिलीज़

गुरु रंधावा ने हाल ही में अपने नए एल्बम विदाउट प्रेजुडिस के रिलीज़ से संगीत प्रेमियों को एक खास तोहफा दिया है। एल्बम के सभी नौ गानों के ऑडियो वर्जन को मिल रही शानदार प्रतिक्रिया के बीच, अब गुरु रंधावा ने एल्बम के गाने कतल का आधिकारिक यूट्यूब वीडियो रिलीज़ कर दिया है। इस वीडियो में उनके साथ साउंडस मुफ़ाकिर नजर आ रही हैं, और इसे वॉर्नर म्यूजिक इंडिया के सहयोग से तैयार किया गया है। इस गाने को गुरु रंधावा ने खुद गाया है, जबकि इसके बोल रोनी अजनाली, गिल मछराई और गुरु रंधावा ने मिलकर लिखे हैं। कतल एक महिला की खूबसूरती की झलक को बयां करता है, जिसे गुरु रंधावा ने अपनी भावपूर्ण आवाज़ के ज़रिए पेश किया है। इसमें एक महिला की खूबसूरती की तुलना एक हथियार की धार से की गई है–जो उनके आत्मविश्वास, ऊर्जा और आकर्षण का प्रतीक है। इस वीडियो का निर्देशन मशहूर कोरियोग्राफर बॉस्को मार्टिस ने किया है, जो संगीत और डांस प्रेमियों को जरूर पसंद आएगा। गुरु की गायकी और गीतों की गहराई को बॉस्को की कोरियोग्राफी के साथ मिलाकर कतल एक बेहतरीन फ्यूजन बन जाता है, जो युवाओं के बीच खासा लोकप्रिय हो सकता है और भारतीय संगीत को वैश्विक स्तर पर एक नई ऊंचाई पर पहुंचाता है। विदाउट प्रेजुडिस को गुरु रंधावा का अब तक का सबसे महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट माना जा रहा है। पंजाबी म्यूजिक को अंतरराष्ट्रीय मंच पर पहचान दिलाने वाले गुरु इस एल्बम में पारंपरिक रंगों को आधुनिक वैश्विक ध्वनियों के साथ मिलाकर एक अनूठा अनुभव देते हैं। यह रचनात्मक पहल न सिर्फ़ उनकी लोकप्रियता को बढ़ाती है बल्कि दुनियाभर में बसे भारतीय समुदाय को भी एक सूत्र में जोड़ती है।

सिनेमाघरों में फिर रिलीज हुई ‘विक्की डोनर’, आयुष्मान बोले फिल्म ने मेरी जिंदगी बदल दी

अभिनेता आयुष्मान खुराना और अभिनेत्री यामी गौतम धर स्टारर फिल्म ‘विक्की डोनर’ शुक्रवार को सिनेमाघरों में फिर से रिलीज की गई। अभिनेता ने ‘विक्की डोनर’ को उनकी जिंदगी बदलने वाली फिल्म बताया। 13 साल पहले सिनेमाघरों में रिलीज हुई ‘विक्की डोनर’ के प्रति प्रेम और लगाव को व्यक्त करते हुए आयुष्मान खुराना ने कैप्शन में लिखा, 13 साल पहले आई फिल्म ‘विक्की डोनर’ ने आपके दिलों में जगह बनाई और मेरी जिंदगी हमेशा के लिए बदल दी।

अभिनेता ने आगे बताया, ‘विक्की डोनर’ सिनेमाघरों में वापस आ चुकी है और मैं फिर से वही प्यार-अपनापन महसूस कर रहा हूं। विक्की डोनर साल 2012 में रिलीज हुई थी। फिल्म निर्देशक सुजित सरकार ने बुधवार को इंस्टाग्राम पर पोस्ट साझा कर प्रशंसकों को री रिलीज की जानकारी दी। उन्होंने फिल्म से जुड़ी कुछ तस्वीरों के साथ कैप्शन में लिखा, ‘विक्की डोनर’ 18 अप्रैल को सिनेमाघरों में फिर से रिलीज हो रही है। विक्की डोनर के जरिए अभिनेता जॉन अब्राहम ने निर्माण की दुनिया में कदम रखा था। ‘विक्की डोनर’ की री-रिलीज पर उत्साह व्यक्त करते हुए जॉन ने लिखा था, निर्माता के तौर पर मेरी पहली फिल्म 18 अप्रैल को बड़े पर्दे पर वापस आ रही है! बोल्ड, समय से आगे की कहानी जिसमें एक मैसेज है, जो आज भी दिल को छू जाता है। मैं सुजित सरकार, जूही चतुर्वेदी, अनु कपूर और आयुष्मान खुराना, यामी गौतम संग काम कर खुद को लकी महसूस करता हूं। इस जबरदस्त कॉमेडी फिल्म को मिस न करें! 18 अप्रैल को देखें। आयुष्मान खुराना और यामी गौतम ने साल 2012 में आई फिल्म ‘विक्की डोनर’ के साथ बॉलीवुड में अपने अभिनय करियर की शुरुआत की थी। स्पर्म डोनेशन और बांझपन को लेकर सामाजिक धारणाओं पर चोट करती फिल्म ने तीन राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीते थे।

मैं राम नहीं दशरथ के रास्ते पर चलता हूं

2 शादी और एक अफेयर पर कमल हासन ने दी सफाई

अपनी आगामी फिल्म ठग लाइफ के प्रमोशन में व्यस्त कमल हासन ने शादी पर खुलकर बात की। त्रिशा कृष्णन ने शादी में विश्वास न होने की बात कही, तो कमल हासन ने अपनी दो शादियों का जिक्र करते हुए बताया कि कैसे उन्होंने सामाजिक मान्यताओं को चुनौती दी।

एक्टर कमल हासन, त्रिशा कृष्णन और सिलंबरासन टीआर उर्फ सिम्बू अपनी आगामी फिल्म ठग लाइफ के प्रचार में व्यस्त हैं। प्रचार के दौरान जब एक्टर्स से शादी के बारे में पूछा गया तो कमल ने दो बार शादी करने की बात कही। इवेंट में एंकर ने सबसे शादी के बारे में उनकी राय पूछी। त्रिशा ने जवाब दिया, मैं शादी में विश्वास नहीं करती। अगर शादी होती है तो ठीक है, अगर नहीं होती है तो भी ठीक है। जब कमल से इस बारे में पूछा गया, तो उन्होंने एक दशक पहले एमपी जॉन ब्रिटास के साथ हुई एक घटना का जिक्र किया। कमल हासन ने तमिल में कहा, यह 10-15 साल पहले की बात है। एमपी ब्रिटास मेरे बहुत अच्छे दोस्त हैं। उन्होंने कॉलेज के छात्रों के एक ग्रुप के सामने मुझसे पूछा- आप एक अच्छे ब्राह्मण परिवार से हैं, आपने दो बार शादी कैसे की? मैंने कहा- अच्छे परिवार से होने का शादी से क्या लेना-देना है? उन्होंने कहा- नहीं, लेकिन आप भगवान राम की पूजा करते हैं, इसलिए आप वैसे ही जीते हैं जैसे उन्होंने जिया।

मर्दों को पीरियड्स होते तो युद्ध हो जाता: जान्हवी कपूर

जान्हवी कपूर ने उन पुरुषों की आलोचना की है जो महिलाओं के पीरियड्स के दर्द को अनदेखा करते हैं। उन्होंने कहा कि पुरुष इस दर्द को सहन नहीं कर पाएंगे। जान्हवी ने बताया कि पीरियड्स का दर्द महिलाओं को अलग-अलग तरह से प्रभावित करता है और कुछ पुरुष इसे कम आंकते हैं। एक्ट्रेस जान्हवी कपूर ने उन पुरुषों की आलोचना की है जो महिलाओं में पीरियड्स के दर्द को नफरत भरी निगाहों और लहजे से नज़रअंदाज़ करते हैं। उनका कहना है कि वे खुद इस दर्द को बर्दाश्त नहीं कर पाएंगे। हाल ही में एक इंटरव्यू में जान्हवी ने बताया कि पीरियड्स का दर्द महिलाओं को किस तरह से अलग तरह से प्रभावित कर सकता है और क्यों कुछ पुरुष इसे तुच्छ समझते हैं। हाउटरफ्लाई से बात करते हुए जान्हवी कपूर ने बताया कि कैसे कई बातचीत में पीरियड्स के दर्द और मासिक धर्म का इस्तेमाल महिलाओं के मूड स्विंग के लिए किया जाता है। उन्होंने कहा, अगर मैं झगड़ा करने की कोशिश कर रही हूं या मेरी बात को सामने रखने की कोशिश कर रही हूं और आप बोलते हो क्या यह पीरियड्स का समय है? लेकिन अगर आप सच में हमदर्दी दिखा रहे हैं, तो आपको एक मिनट रुकना चाहिए। अधिकतर मामलों में, आपको एक मिनट की जरूरत होती है, क्योंकि जिस तरह से हमारे हार्मोन चार्ट से बाहर हैं, हम जिस दर्द से गुजरते हैं, वह बहुत मुश्किल है।

मर्दों को पीरियड्स होते तो...

जान्हवी ने पीरियड्स को कुछ पुरुषों के नज़रिए को पर बात की और कहा, लेकिन यह अजीब सी नजर और लहजा है... क्योंकि मैं आपको विश्वास दिलाती हूं, पुरुष इस दर्द और मूड स्विंग को एक मिनट भी बर्दाश्त नहीं कर पाएंगे। पता नहीं कौन सा परमाणु युद्ध हो जाता अगर मर्दों को पीरियड्स होते।

केकेआर पर जीत के इरादे से उतरेगी गुजरात टाइटंस

कोलकाता (एजेंसी)। आईपीएल में सोमवार को यहां के ईडन गार्डन स्टेडियम में कोलकाता नाइट राइडर्स टीम (केकेआर) अपने घरेलू मैदान पर गुजरात टाइटंस पर जीत के इरादे से उतरेगी। इस मैच में दोनो ही टीमों के बीच रोमांचक मुकाबला देखने को मिलेगा। शुभमन गिल की कप्तानी में गुजरात की टीम अभी अंकतालिका में शीर्ष पर है जिससे उसका मनोबल बढ़ा हुआ है। उसके बल्लेबाज और गेंदबाज अच्छे फार्म में हैं। वहीं दूसरी ओर आजिंक्य रहाणे की कप्तानी में खेल रही केकेआर इस सत्र में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पायी है और छठे स्थान पर है। केकेआर के बल्लेबाज और गेंदबाज अब तक अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं। गुजरात की बल्लेबाजी कप्तान शुभमन के अलावा साई सुदर्शन और जोस बटलर पर आधारित है जबकि गेंदबाजी की कमान प्रसिद्ध कृष्णा और मो सिराज के अलावा स्पिनर साई किशोर पर आधारित रहेगी। केकेआर की बल्लेबाजी अजिंक्य रहाणे , क्विंटन डी कॉक , वेंकटेश अय्यर जबकि गेंदबाजी एनरिक नॉर्टजे, वरुण चक्रवर्ती पर निर्भर है।

इस मैदान पर अच्छा उछाल मिलता जिससे बल्लेबाजों के लिए शॉट खेलना आसान होता है। ऐसे में यहां बड़े स्कोर बनते हैं। यहां तेज गेंदबाजों को शुरुआत में मदद मिलती है पर बाद में स्पिनरों को सहायता मिलती है। अब तक के आंकड़ों पर नजर डालें तो केकेआर और गुजरात टाइटंस के बीच अब तक केवल 4 मुकाबले ही खेले गए हैं, जिसमें से दो मैच गुजरात ने वहीं एक मैच केकेआर ने जीता है जबकि एक मैच का परिणाम नहीं निकला।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

केकेआर-अजिंक्य रहाणे (कप्तान), क्विंटन डी कॉक (विकेटकीपर), सुनील नरेन, रिंकू सिंह, वेंकटेश अय्यर, आंद्रे रसेल, हर्षित राणा, वैभव अरोड़ा, एनरिक नॉर्टजे, वरुण चक्रवर्ती, रमनदीप सिंह, नुकूल रॉय, रोवमैन पॉवेल, अंगकृष रघुवंशी, मनीष पांडे, अलवनिथ सिसौदिया, स्पेंसर जॉनसन, मोइन अली मयंक मारकंडे, रहमानुल्लाह गुरबाज़, चेतन सकारिया।

गुजरात टाइटंस टीम-शुभमन गिल (कप्तान), जोस बटलर (विकेटकीपर), साई सुदर्शन, शाहरुख खान, राहुल तेवतिया, राशिद खान, अरशद खान, प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद सिराज, इशांत शर्मा, शेरफेन रदरफोर्ड, वाशिंगटन सुंदर, करीम जनत, निशांत सिंधु, महिपाल लोमरोर, रविश्रीनिवासन साई किशोर, प्रसिद्ध कृष्णा, रविश्रीनिवासन साई किशोर, अनुज रावत, जयंत यादव, कुलवंत खेजरोलिया, दासुन शनाका, गेराल्ड कोएत्ज़ी, मानव सुथार, कुमार कुशाग्र और गुरनूर बराड़।

आईपीएल के इस सत्र में अब तक असफल रहे हैं ईशान

मुम्बई (एजेंसी)। बांए हाथ के आक्रामक विकेटीपर बल्लेबाज ईशान किशन आईपीएल के इस सत्र में फ्लाप साबित हुए हैं। ईशान को आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद ने मोटी रकम देकर खरीदा था। राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ पहले ही मैच में ईशान ने 45 गेंदों में शतक लगाकर सत्र की शानदार शुरुआत की थी पर इसके बाद के मैचों में उनका बल्ला खामोश रहा है। ईशान ने की पहले मैच में खेली 106 रनों की पारी से हैदराबाद को जीत मिली थी पर उसके बाद से ही वह छह पारियों में एक में भी दो अंकों में नहीं पहुंच पाये। जिसके बाद से ही वह प्रशंसकों के निशाने पर हैं। गत दिनों राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ शतक के दौरान किशन चोटिल हो गए थे और फील्डिंग के लिए नहीं लौटे थे। इसके कारण उनकी फिटनेस को लेकर संशय बना हुआ रहा। हालांकि वह बाद के मैचों में खेले। वह सलामी हैं लेकिन हैदराबाद में ट्रैविस हेड और अभिषेक शर्मा की मजबूत ओपनिंग जोड़ी के कारण उन्हें सत्र में नंबर 3 पर बल्लेबाजी करनी पड़ रही है। अब अगर वह आगे के मैचों में अच्छा प्रदर्शन करते हैं तो ही उनकी टीम इंडिया में वापसी की संभवना बनेगी।

वैभव ने सबसे कम उम्र में आईपीएल डेब्यू किया, पहली ही गेंद पर लगाया छक्का

जयपुर (एजेंसी)। आवेश खान की अंतिम ओवर में अच्छी गेंदबाजी से लखनऊ सुपरजायंट्स ने आईपीएल मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स को 2 रनों से हरा दिया। इस मैच में लखनऊ ने 5 विकेट पर 180 रन बनाए। जिसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए राजस्थान 5 विकेट पर 178 रन ही बना पायी। इस मैच में राजस्थान की ओर से 14 साल के वैभव सूर्यवंशी ने डेब्यू किया जिससे वह आईपीएल खेलने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बने हैं। इससे पहले सबसे कम उम्र में आईपीएल खेलने का रिकार्ड प्रयास रे बर्मन का था। प्रयास ने 16 साल की उम्र में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुर की ओर से खेला था।

वैभव ने पहली ही गेंद पर छक्का लगा दिया। ऐसा करने वाले वह 10वें बल्लेबाज बने हैं। वैभव ने शार्दूल ठाकुर की पहली ही गेंद पर छक्का लगाया। इससे पहले ये उपलब्धि रॉब क्वाइनी (राजस्थान रॉयल्स), केवोन कूपर (राजस्थान रॉयल्स), आंद्रे रसेल (कोलकाता नाइट राइडर्स), कार्लोस ब्रैथवेट (दिल्ली डेयरडेविल्स), अनिकेत चौधरी (रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर), जावन सियरलेस (कोलकाता नाइट राइडर्स), सिद्धेश लाड (मुंबई इंडियंस), महेश तीक्षणा (चेन्नई सुपर किंग्स), और समीर रिजवी (चेन्नई सुपर किंग्स) के नाम हैं। राजस्थान रॉयल्स ने वैभव को मेगा नीलामी में 1.10 करोड़ रुपए में शामिल किया था।

पडिक्कल और कोहली के अर्धशतक, बेंगलुरु 7 विकेट से जीता

मुल्लांपुर (एजेंसी)। कृणाल पांड्या और सुयश शर्मा की उम्दा गेंदबाजी के बाद विराट कोहली और देवदत्त पडिक्कल के अर्धशतक से रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने इंडियन प्रीमियर लीग में रविवार को यहां पंजाब किंग्स को एकतरफा मुकाबले में सात विकेट से हरा दिया। पंजाब के 158 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए RCB ने विराट कोहली (नाबाद 73 रन, 54 गेंद, सात चौके, एक छक्का) और देवदत्त पडिक्कल (61 रन, 35 गेंद, चार छक्के, पांच चौके) के बीच दूसरे विकेट की 103 रन की साझेदारी से सात गेंद शेष रहते तीन विकेट पर 159 रन बनाकर आसान जीत दर्ज की।

इस जीत के साथ ऋष्क्ककी टीम पंजाब किंग्स सहित उन पांच टीम में शामिल हो गई जिन्होंने अब तक सर्वाधिक 10 अंक जुटाए हैं। पंजाब किंग्स ने इससे पहले छह विकेट पर 157 रन बनाए। बाएं हाथ के स्पिनर कृणाल (25 रन पर दो विकेट) और लेग स्पिनर सुयश (26 रन पर दो विकेट) की फिरकी के सामने पंजाब की टीम ने नियमित अंतराल पर विकेट गंवाए और उसका कोई बल्लेबाज अच्छी शुरुआत को बड़ी पारी में नहीं बदल पाया। सलामी बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह 33 रन बनाकर पंजाब के शीर्ष स्कोरर रहे जबकि शशांक सिंह ने नाबाद 31 रन बनाए। जोश इंग्लिस (29), मार्को यानसेन (नाबाद 25) और प्रियांश आर्य (22) ने भी उपयोगी पारियां खेलीं।

लक्ष्य का पीछा करने उतरे RCB ने पहले ही ओवर में फिल सॉल्ट (01) का विकेट गंवा दिया जिन्होंने अर्शदीप की गेंद पर विकेटकीपर इंग्लिस को कैच थमाया। सलामी बल्लेबाज कोहली और पडिक्कल ने इसके बाद पावर प्ले में टीम का स्कोर एक विकेट पर 54 रन तक पहुंचाया। कोहली ने जेवियर बार्टलेट पर चौका जड़ा जबकि पडिक्कल ने इस तेज गेंदबाज पर छक्का मारा। कोहली ने हरप्रीत बरार का स्वागत दो चौकों के साथ किया और फिर यानसेन के पहले ओवर में भी दो चौके मारे। पडिक्कल ने आक्रामक तेवर दिखाते हुए युजवेंद्र चहल और बार्टलेट पर छक्के जड़े। उन्होंने चहल की गेंद पर एक रन के साथ 30 गेंद में अर्धशतक पूरा किया।

पडिक्कल ने मार्कस स्टोइनिस की लगातार गेंदों पर छक्के और चौके के साथ 12वें ओवर में टीम का स्कोर 100 रन के पार पहुंचाया। पडिक्कल हालांकि अगले ओवर में हरप्रीत की गेंद पर बड़ा शॉट खेलने की कोशिश में लॉन्ग ऑन बाउंड्री पर निहाल वढेरा के हाथों लपके गए। कोहली ने यानसेन की गेंद पर एक रन के साथ 43 गेंद में अर्धशतक पूरा किया। RCB को अंतिम पांच ओवर में जीत के लिए 36 रन की दरकार थी। कोहली ने अर्शदीप पर चौका जड़ने के बाद चहल की लगातार गेंदों पर छक्के और चौके के साथ RCB को जीत की दहलीज पर पहुंचाया। चहल ने हालांकि RCB के कप्तान रजत पाटीदार (12) को यानसेन के हाथों कैच करा दिया। RCB को अंतिम तीन ओवर में 14 रन की जरूरत थी और जितेश शर्मा (नाबाद 11) ने वढेरा पर छक्का जड़कर टीम को जीत दिला दी।

इससे पहले पाटीदार ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया। प्रभसिमरन और प्रियांश ने पंजाब को तेज शुरुआत दिलाई। प्रभसिमरन ने यश दयाल का स्वागत चौके से किया जबकि प्रियांश ने इसी ओवर में छक्का और चौका मारा। प्रभसिमरन ने भुवनेश्वर पर भी तीन चौके मारे। प्रियांश ने जोश हेजलवुड पर दो चौके मारे लेकिन कृणाल की गेंद पर तेज प्रहार करने की कोशिश में गेंद को हवा में लहरा गए और टिम डेविड ने आसान कैच लपका। प्रभसिमरन ने हेजलवुड पर छक्के के साथ पावर प्ले में टीम का स्कोर एक विकेट पर 62 रन तक पहुंचाया लेकिन कृणाल की गेंद पर बड़ा शॉट खेलने की कोशिश में लॉन्ग ऑन पर डेविड को कैच दे बैठे। उन्होंने 17 गेंद का सामना करते हुए पांच चौके और एक छक्का मारा।

कप्तान श्रेयस अय्यर भी सिर्फ छह रन बनाने के बाद रोमारियो शेफर्ड पर गेंद पर कृणाल के हाथों लपके गए। निहाल वढेरा (05) भी इसके बाद जोश इंग्लिस के साथ गलतफहमी का शिकार होकर रन आउट हो गए जिससे पंजाब का स्कोर चार विकेट पर 76 रन हो गया। इंग्लिस और शशांक ने इसके बाद पारी को आगे बढ़ाया। इंग्लिस ने शेफर्ड पर दो चौकों के साथ 12वें ओवर में टीम के रनों का शतक पूरा किया।

आईपीएल में हर सत्र के साथ बढ़ रही छक्कों की संख्या

मुम्बई । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के साल 2008 में शुरु होने के बाद से ही अब तक हुए 1133 मैचों में 13614 छक्के लगे हैं। आईपीएल का अभी 18 वां सत्र चल रहा है। इसमें नये नियमों से भी मैच बल्लेबाजों के पक्ष में गया है और अधिक छक्के लगे हैं। इस सत्र में अब तक हुए 34 मैचों में ही 587 छक्के लगे हैं। इस प्रकार हर मैच में 17.2 छक्के लगे हैं। यह आईपीएल के किसी भी सत्र से ज्यादा है। वहीं शुरुआती सत्र 2008 में 622 छक्के ही लगे थे। इस प्रकार प्रति मैच औसतन 10.72 छक्के लगे पर इसके बाद के सत्र से ही छक्कों की तादाद बढ़ने लगी। आईपीएल 2013 तक औसत छक्कों की संख्या 10 से कम रही लेकिन 2014 में यह बढ़कर 11.90 पहुंच गई। तब से हर मैच 10 से ज्यादा छक्के लग रहे हैं। इसका कारण 2022 में आये इम्पैक्ट प्लेयर नियम को भी माना गया है। इसके बाद छक्कों की संख्या में काफी तेजी आई है। एक अतिरिक्त खिलाड़ी होने की वजह से टीमें ज्यादा जोखिम लेने लगी है। 2022 में पहली बार लीग में 1000 से ज्यादा छक्के लगे। प्रति मैच छक्कों की संख्या पहली बार 14.35 रही। वहीं साल 2023 में यह पहली बार 15 के ऊपर पहुंच गई। उस सीजन 74 मैचों में कुल 1124 छक्के लगे थे। हर 15.34 गेंद के बाद एक छक्का लग रहा था। वहीं 2024 सीजन में ओर तेजी देखी गयी। इस दौरान 8 बार टीमों ने 250 से ज्यादा रन बनाये। आईपीएल इतिहास का सबसे बड़ा स्कोर 287 रन रहा। 262 रनों के लक्ष्य को भी टीमों ने हासिल कर लिया। इस सत्र में बल्लेबाजों ने कुल 1260 छक्के मारे। प्रति मैच 17.02 छक्के लगे। सनराइजर्स हैदराबाद ने इस दौरान सबसे ज्यादा 178 छक्के लगाये। 165 छक्कों के साथ आरसीबी सूची में दूसरे स्थान पर थी। लीग में अभी तक 1133 मैच हुए हैं और कुल 13614 छक्के लगे हैं। वहीं आईपीएल के 2025 सत्र में छक्कों की संख्या भी तेजी है।

मांजरेकर के शीर्ष 10 बल्लेबाजों की सूची में विराट ओर सैमसन शामिल नहीं

मुंबई । पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने आईपीएल के अब तक के सत्र में के शीर्ष टॉप 10 बल्लेबाजों को चयनित किया है। मांजरेकर की इस सूची में राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन और आरसीबी के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली को जगह नहीं मिली है। आईपीएल की शुरुआत में भी मांजरेकर ने सत्र के संभावित शीर्ष 10 बल्लेबाजों की एक सूची बनायी थी। उस सूची में से केवल पांच खिलाड़ी ही इस सूची में शामिल हैं। इस सूची में मिचेल मार्श, ट्रैविस हेड, निकोलस पूरन, फिल सॉल्ट, श्रेयस अय्यर बने हुए हैं जबकि पांच खिलाड़ी बाहर हो गए हैं। दिल्ली कैपिटल्स के विकेटकीपर बल्लेबाज केएल राहुल शुरुआत में इसमें नहीं थे पर अब उन्हें जगह मिली है। राहुल ने पांच पारियों में 238 रन बनाये हैं। , इस सूची में गुजरात टाइटन्स के जोस बटलर, प्रियांशु आर्य, अभिषेक शर्मा और हेनरिक क्लासेन को भी शामिल किया गया है। पावरप्ले में प्रियांशु आर्य और अभिषेक शर्मा ने आक्रामक बल्लेबाजी की है। मांजरेकर के शीर्ष 10 बल्लेबाज वो हैं, जिन्होंने कम से कम 200 रन बनाए हैं और उनका स्ट्राइक रेट अच्छा है। वहीं सत्र में 200 से ज्यादा रन बनाने और 60 की औसत बनाए रखने के बावजूद, विराट का नाम नहीं होने से सभी हैरान हैं। उनका नाम शामिल नहीं होने का कारण स्ट्राइक रेट सिर्फ कम होना है।

करीबी हार को पचाना मुश्किल होता है लेकिन घबराने की जरूरत नहीं -राजस्थान रॉयल्स के कोच

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स के स्पिन गेंदबाजी कोच साईराज बहुतुले ने स्वीकार किया कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में लगातार दो करीबी मैच हारना टीम के लिए मुश्किल भरा रहा है, लेकिन उन्होंने कहा कि इससे टीम में किसी तरह की घबराहट की कोई भावना नहीं है।

रॉयल्स की टीम शनिवार रात लखनऊ सुपर जाइंट्स से दो रन से हार गई, जबकि उसने अपना पिछला मैच भी दिल्ली कैपिटल्स से सुपर ओवर में गंवा दिया था। आठ मैचों में सिर्फ दो जीत के साथ, राजस्थान अंक तालिका में आठवें स्थान पर है। बहुतुले ने मैच के बाद पत्रकारों से कहा, 'हम अच्छी क्रिकेट खेल रहे हैं। बात सिर्फ इतनी है कि परिणाम हमारे अनुकूल नहीं रहे। डगआउट में राहुल (द्रविड़) के होने से काफी शांति है। हमारी टीम में शामिल सभी लोगों ने पर्याप्त क्रिकेट खेली है और इसलिए किसी को भी किसी तरह से घबराने की जरूरत नहीं है।'

उन्होंने कहा, 'लेकिन दुर्भाग्य से हमें इस मैच में दो रन से और पिछले मैच में सुपर ओवर में हार का सामना करना पड़ा। इस तरह की करीबी हार को पचाना मुश्किल होता है लेकिन खेल इसी तरह से आगे बढ़ता है। टी20 ऐसा प्रारूप है जिसमें बहुत जोखिम शामिल है।'

बहुतुले ने कहा कि वे मैदान पर गलतियों को कम करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'हमारा प्रयास गलतियों को कम करने का है। जब हमारी साझेदारी चल रही थी तो हम उसे कुछ ओवर पहले ही खत्म कर सकते थे। लेकिन आवेश ने 18वें और 20वें ओवर में अच्छी गेंदबाजी की। हमें चोटिल होने के कारण बाहर होने वाले कप्तान संजू सैमसन की कमी भी खली।'

नडाल का फ्रेंच ओपन टेनिस में होगा सम्मान : मौरेस्मो

पेरिस । स्पेन के टेनिस स्टार रफेल नडाल को फ्रेंच ओपन टेनिस के पहले दिन 25 मई को कोर्ट फिलिप चैट्रियर में सम्मानित किया जाएगा। नडाल बाईस बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन फ्रेंच हैं। 14 बार के विजेता नडाल ने पिछले साल नवंबर में खेल को अलविदा कह दिया था। फ्रेंच ओपन की निदेशक एमिली मौरेस्मो ने कहा कि नडाल ने कई प्रकार से फ्रेंच ओपन को प्रभावित किया है। इसलिए उनके सम्मान में एक समारोह आयोजित किया जाएगा। नडाल वह टूर्नामेंट संग्रहालय में एक प्रदर्शनी में भी शामिल होंगे और आधिकारिक फ्रेंच ओपन ट्रेलर में अपनी आवाज देंगे। नडाल फ्रेंच ओपन में अंतिम बार 2024 में खेले थे पर इसमें वह पहले दौर में ही एलेक्जेंडर ज्वेरेव से हार गए थे। उनके नाम चारों ग्रैंड स्लैम खिताब हैं। नडाल ने पुरुष टेनिस में सबसे अधिक 22 ग्रैंड स्लैम खिताब जीते हैं। इसमें 14 फ्रेंच ओपन दो ऑस्ट्रेलियाई ओपन और दो विम्बलन खिताब के अलावा 4 अमेरिकी ओपन खिताब हैं। इसके अलावा उन्होंने 2008 बीजिंग ओलंपिक में पुरुष एकल में स्वर्ण पदक जीता था। इसके अलावा एटीपी टूर्नामेंट खिताब- 92 एकल खिताब, जिसमें 36 मास्टर्स 1000 खिताब और 23 एटीपी 500 खिताब शामिल हैं। डेविस कप- स्पेन के लिए 5 बार (2004, 2008, 2009, 2011, 2019) डेविस कप जीता। वह 209 हफ्तों तक एटीपी रैंकिंग में नंबर 1 रहे, पहली बार 2008 में शीर्ष स्थान हासिल किया।

अर्जुन बाबुता गोल्ड से चूके, भारत पदक तालिका में तीसरे स्थान पर

लीमा (पेरू) (एजेंसी)। पेरिस ओलंपिक में भाग ले चुके भारतीय निशानेबाज अर्जुन बाबुता यहां आईएसएसएफ विश्व कप में पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में मामूली अंतर से स्वर्ण पदक से चूक गए और उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा जबकि आर्या बोरसे महिलाओं की स्पर्धा में पांचवें स्थान पर रहीं। पिछले साल पेरिस ओलंपिक में चौथे स्थान पर रहे बाबुता (252.3) रोमांचक फाइनल में मौजूदा ओलंपिक चैंपियन चीन के शेंग लिहाओ (252.4) से सिर्फ 0.1 अंक से हार गए। विश्व कप में 40 से अधिक पदक जीत चुके हंगरी के निशानेबाज इस्तवान पेनी ने 229.8 के कुल स्कोर के साथ कांस्य पदक जीता। फाइनल में कई स्टार निशानेबाज पहुंचे थे जिनमें मौजूदा विश्व चैंपियन और पेरिस ओलंपिक के रजत पदक विजेता स्वीडन के विक्टर लिंडग्रेन, नॉर्वे के जॉन-हरमन हेग और भारत के पूर्व विश्व चैंपियन रुद्रांक्ष पाटिल शामिल थे। भारत के पास दो पदक जीतने का मौका था, लेकिन दुर्भाग्य से तकनीकी खराबी के कारण पाटिल को जूरी ने अपना 11वां शॉट नहीं लेने दिया। इस तरह से यह भारतीय निशानेबाज पहले एलिमिनेशन चरण में हारकर आठवें स्थान पर रहा। फाइनल में बाबुता और पाटिल दोनों ने समान 10.1 के साथ मजबूत शुरुआत की। पाटिल ने पिछले सप्ताह ब्यूनस आयर्स में विश्व कप में स्वर्ण पदक जीता था, लेकिन इस बार भाग्य उनके साथ नहीं था और उन्हें फाइनल के शुरू बाहर होना पड़ा। पाटिल के बाहर हो जाने के बावजूद बाबुता शांत रहे और उन्होंने 14वें शॉट के बाद पहली बार बढ़त ले ली। शेंग ने इसके बाद अच्छी वापसी की। बाबुता को एक समय 0.3 अंक की मामूली बढ़त हासिल थी लेकिन चीन के निशानेबाज में 10.9 अंक का निशाना साधकर बढ़त बना दी। बाबुता का अंतिम स्कोर 10.5 फिर से बढ़त हासिल करने के लिए पर्याप्त नहीं था, क्योंकि शेंग ने 10.3 के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम पक्का कर दिया।

यॉर्कर फेंकना जारी रखूंगा, यह मेरी सर्वश्रेष्ठ गेंद है : आवेश खान

जयपुर (एजेंसी)। लखनऊ सुपर जायंट्स की इंडियन प्रीमियर लीग में राजस्थान रॉयल्स पर दो रन की रोमांचक जीत में डेथ ओवरों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले तेज गेंदबाज आवेश खान ने कहा कि वह यॉर्कर पर ध्यान केंद्रित करना जारी रखेंगे, जो मुश्किल परिस्थितियों में उनका मुख्य हथियार है। आवेश ने 18वें और 20वें ओवर में शानदार गेंदबाजी करते हुए क्रमश-पांच और छह रन दिए, जिससे लखनऊ शनिवार रात को खेले गए मैच में आखिरी तीन ओवरों में 25 रन का बचाव करने में सफल रहा।

आवेश ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'मैं यॉर्कर फेंकना जारी रखने की कोशिश करूंगा क्योंकि मेरा मानना है कि यॉर्कर मेरी सबसे अच्छी गेंद है। मैं हमेशा किसी भी स्थिति में यॉर्कर फेंकने की कोशिश करता हूं। आईपीएल में खुद पर भरोसा रखना महत्वपूर्ण होता है।'

आवेश ने कहा कि वह किसी तरह से दबाव में नहीं थे क्योंकि जब वह 18वें ओवर में गेंदबाजी करने आए तो रॉयल्स जीत की ओर बढ़ रहा था और उसके 8 विकेट बचे हुए थे। उन्होंने कहा, 'मैं हमेशा अपनी रणनीति पर अमल करने की कोशिश करता हूं। जब भी मैं गेंदबाजी के लिए आता हूं तो किसी तरह के दबाव में नहीं रहता हूं। मैं जो भी गेंद करता हूं उस पर पूरा भरोसा रखता हूं।'

आवेश ने कहा, 'आईपीएल में बड़े स्कोर बन रहे हैं और गेंदबाज काफी रन दे रहे हैं। पहले ओवर में मैंने भी 13 रन दिए लेकिन मैं हमेशा परिस्थितियों के अनुसार गेंदबाजी करता हूं और अपनी रणनीति को सही तरह से लागू करने पर ध्यान देता हूं।'

इस 28 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा कि 18वें ओवर में यशस्वी जायसवाल और रियान पराग के आउट होने से लखनऊ को काफी फायदा मिला क्योंकि इससे डेथ ओवरों में दो नए बल्लेबाज क्रीज पर थे। उन्होंने कहा, 'अगर कोई नया बल्लेबाज आता है, तो उसके लिए यह इतना आसान नहीं होता है। नए बल्लेबाज के लिए किसी भी स्थिति में आना मुश्किल होता है, खासकर जब गेंद थोड़ी नीचे रह रही हो।'

मध्य प्रदेश के तेज गेंदबाज ने कहा कि जब डेविड मिलर ने शुभम दुबे का कैच छोड़ा तो वह थोड़ा तनाव में थे। दुबे ने दो रन लिए जबकि रॉयल्स को जीत के लिए आखिरी गेंद पर चार रन चाहिए थे। आवेश ने कहा, 'जैसे ही गेंद हवा में गई तो मैं सोच रहा था कि मिलर इसे पकड़ लेंगे। वह पूरी तरह से गेंद के नीचे थे। लेकिन जब कैच छूट गया तो मैं थोड़ा निराश हो गया। लेकिन मुझे आखिरी गेंद पर चार रन बचाने का भरोसा था।'

आवेश ने कहा कि वह रोमांचक जीत का जश्न नहीं मना सके क्योंकि दुबे का शॉट फील्डर के पास जाने से पहले उनके टखने पर लगा था। उन्होंने कहा, 'मुझे जश्न मनाने का मौका भी नहीं मिला। शुरू में मुझे लगा कि गेंद मेरी हड्डी पर लगी है। मैं आसमान की तरफ देख रहा था और मुझे अपनी आंखें बंद करनी पड़ी।'

आचार संहिता का उल्लंघन, गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल पर लगा जुर्माना

अहमदाबाद । गुजरात टाइटन्स के कप्तान शुभमन गिल पर दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबले में जुर्माना लगा है। आईपीएल प्रबंधन की ओर से जारी बयान के अनुसार शुभमन पर ये जुर्माना धीमी ओवर गति के लिए लगाया गया है। गुजरात टाइटंस का इस सत्र में धीमी ओवर गति को लेकर ये पहला अपराध था। इसलिए शुभमन पर केवल 12 लाख रुपये जुर्माना ही लगाया गया है। इस सत्र में ये छठी बार है जब धीमी ओवर गति के लिए जुर्माना लगाया गया है। वहीं राजस्थान रॉयल्स पर दो बार, मुंबई इंडियंस, लखनऊ सुपर जायंट्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु व गुजरात टाटइंस पर एक-एक बार जुर्माना लगाया गया है। इस सत्र में धीमी ओवर गति के लिए जगाया जाना वाला मैच प्रतिबंध का नियम हटा लिया गया है। अब केवल नकारात्मक अंक और जुर्माना लगाया जाएगा। इस मैच में गुजरात की टीम ने जोस जोस बटलर की 97 रनों की शानदार पारी से दिल्ली कैपिटल्स को 7 विकेट से हराया।

संकट से जूझ रही पाकिस्तानी एयरलाइंस, अब निजी हाथों में देने की तैयारी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्राधिकारियों ने सरकारी विमानन कंपनी 'पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस' को बेचने के प्रयास विफल रहने के बाद इसकी बिक्री की नए सिरे से कोशिश करने का फैसला किया है। नकदी संकट से जूझ रही पीआईए के निजीकरण पर सालों से विचार किया जा रहा है और इसके लिए 2024 में बोली लगाई गई थी लेकिन सरकार बड़ा खरीदार आकर्षित करने में विफल रही और बोली लगाने वाली एकमात्र कंपनी ने मात्र 10 अरब रुपए की पेशकश की जिसे अस्वीकार कर दिया गया था। पाकिस्तान के निजीकरण और निवेश मंत्री अब्दुल अलीम खान ने पिछले महीने कहा था कि पीआईए के निजीकरण का काम मई तक पूरा कर लिया जाएगा। निजीकरण आयोग की बैठक में अगले सप्ताह से बिक्री प्रक्रिया शुरू करने का फैसला किया गया है। बयान में कहा गया कि पीआईएसीएल के पृथक्करण के लिए रुचि की अभिव्यक्ति का एक नया विज्ञापन अगले सप्ताह प्रकाशित करने की योजना है। इसमें कहा गया कि एजेंडे के शेष मदों पर विचार करने के लिए बैठक की जाएगी। पीआईए पिछले कई सालों से वित्तीय संकट से जूझ रही है। यह समस्या 2023 में तब आई जब पीआईए के 7,000 कर्मचारियों को वेतन नहीं दिया। इससे पहले यूरोपीय संघ ने सुरक्षा संबंधी चिंताओं के कारण 2020 में पीआईए पर प्रतिबंध लगा दिया था।

विमान कर रहा था लैंडिंग टूट गया पहिया, यात्रियों में मचा हड़कंप

-एक यात्री ने फेसबुक पर लिखा-ऐसा लगा अब हमारी कहानी खत्म

वाशिंगटन। अमेरिकी विमान कंपनी फंटियर एयरलाइंस के विमान का एक पहिया टूट गया। विमान ने फ्लोरिडा से प्यूर्टो रिको के सैन जुआन के लिए उड़ान भरी थी, लेकिन लैंडिंग के समय इसके फ्रंट लैंडिंग गियर में गड़बड़ी आ गई। वायरल वीडियो में विमान की खिड़की के बाहर धुआं निकलता नजर आ रहा है, जबकि विमान के अंदर से यात्रियों के रोने की आवाज आ रही हैं। एक पैसेंजर ने इस हादसे के बारे में फेसबुक पर लिखा– कुछ मिनटों के लिए लगा कि अब हमारी कहानी खत्म हो गई है। हकीकत तो यह है कि अनुभवहीन लोग विमान को उड़ा रहे थे। फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन और नेशनल ट्रांसपोर्ट सेफ्टी बोर्ड इस मामले की जांच कर रहा है। मीडिया रिपोर्ट के 228 यात्रियों को ले जा रहे एयरबस ए321 की लैंडिंग के दौरान फ्रंट लैंडिंग गियर का एक पहिया टूट गया। इस हादसे में किसी के घायल होने की खबर नहीं है, सभी यात्रियों को सुरक्षित उतार लिया गया और विमान को बस से टर्मिनल तक पहुंचाया। फंटियर एयरलाइंस ने इस घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि विमान सुरक्षित रूप से लैंड कर गया, किसी पैसेंजर या क्रू मेंबर को कोई चोट नहीं आई। घटना की जांच की जा रही है। घटना मंगलवार की बताई जा रही है।

चीन ने फिर किया कमाल! इंसान और रोबोट्स की कराई दौड़

-21 किमी की दौड़ में इंसान को पानी तो रोबोट्स को पड़ी बैटरी की जरुरत

बीजिंग। आपने इंसानों की दौड़ तो देखी होगी लेकिन चीन ने अपने यहां एक अनोखी दौड़ का आयोजन किया यह दौड़ इंसान और रोबोट के बीच थी। बीजिंग में शनिवार को इंसानों और रोबोट्स के बीच हाफ मैराथन दौड़ हुई। यह पहली बार था जब रोबोट्स ने 21 किलोमीटर की दूरी इंसानों के साथ पूरी की। ये आयोजन बीजिंग के दक्षिण-पूर्वी यिझुआंग जिले में हुआ, जहां चीन की कई बड़ी टेक्नोलॉजी कंपनियों केक ऑफिस हैं। इसका दौड़ का मकसद रोबोटिक्स और टेक्नोलॉजी की दुनिया में चीन की तरक्की दिखाना था। चीन की ड्रॉयडअप और नोएटिक्स रोबोटिक्स जैसी कंपनियों के रोबोट्स ने भी इस दौड़ में भाग लिया। दौड़ में शामिल कुछ रोबट्स का साइज 120 सेमी यानी 3.9 फीट से भी कम था, जबकि कुछ 1.8 मीटर यानी 5.9 फीट तक ऊंचे थे। बीजिंग इनोवेशन सेंटर ऑफ ह्यूमन रोबोटिक्स के रोबोट तियांगोंग अल्ट्रा ने मशीनों में सबसे पहले 2 घंटे 40 मिनट में यह रेस पूरी की जबकि इंसान को रेस पूरी करने में 1 घंटे 2 मिनट का समय लगा। सबसे कम वक्त में 21 किमी की मैराथन पूरी करने का रिकॉर्ड जैकब किप्लिमो जिन्होंने 56 मिनट 42 सेकेंड के नाम है। रेस के दौरान जिस तरह इंसानों को बीच दौड़ के बीच में पानी की जरूरत पड़ती है उसी तरह रोबोट्स को बैटरियां बदलने की परमिशन थी। रोबोट के साथ इंसानी ट्रेनर भी थे, जिन्होंने दौड़ के दौरान रोबोट्स को सहारा दिया। कुछ रोबोट्स ने रनिंग शूज पहने थे, एक ने बॉक्सिंग ग्लव्स भी पहने थे और दूसरे ने लाल रंग का हेंड-बैंड पहना था जिस पर चीनी भाषा में बाउण्ड टू विन यानी जीतने के लिए तैयार हैं लिखा था। रोबोटिक्स सेंटर के चीफ टेक्नोलॉजी अधिकारी ने कहा कि तियांगोंग अल्ट्रा को दौड़ने के दौरान लंबी टांगों और एक एल्गोरिथ्म की मदद मिली। इस वजह से यह इंसानों की तरह मैराथन दौड़ पाया। उन्होंने कहा कि वह शेखी नहीं बघारना चाहता, लेकिन उसे लगता है कि पश्चिम देशों में कोई भी अन्य रोबोटिक्स फर्म तियांगोंग की स्पोर्ट्स अचीवमेंट्स की बराबरी नहीं कर सकती। दौड़ के दौरान रोबोट की सिर्फ तीन बार बैटरी बदली गई।

रूस-यूक्रेन के बीच चल रही जंग को खत्म करवाने में जुटे ट्रंप को नहीं मिल रही कामयाबी?

वाशिंगटन (एजेंसी)। बीते तीन सालों से रूस-यूक्रेन की जंग चल रही है। अमेरिका अपने कथित स्वार्थों को पूरा करते हुए यह जंग खत्म कराने के प्रयास कर रहा है। लेकिन उसे कामयाबी नहीं मिल रही है। माना जा रहा है कि ट्रंप इस डील से पीछे हट सकते हैं।अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने शुक्रवार को साफ शब्दों में कहा कि अगर यूक्रेन युद्ध खत्म करना मुमकिन नहीं लगता, तो अमेरिका 'कुछ ही दिनों' में इस प्रयास से हट सकता है। यह बयान पेरिस में यूरोपीय और यूक्रेनी अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय बैठक के बाद आया। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो के हालिया बयान ने साफ कर दिया है कि अगर अगले कुछ दिनों में कोई ठोस प्रगति नहीं हुई, तो अमेरिका शांति प्रक्रिया से पीछे हट सकता है।

अमेरिकी प्रशासन के भीतर यह निराशा बढ़ती जा रही है कि पिछले कई महीनों की कोशिशों के बावजूद कोई ठोस नतीजा नहीं निकल पाया है। ट्रंप प्रशासन ने एक शांति प्रस्ताव तैयार किया है, जिसमें सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि अमेरिका रूस के क्रीमिया पर नियंत्रण को मान्यता देने को तैयार है। यह वही क्रीमिया है, जिसे रूस ने 2014 में यूक्रेन से जबरन छीन लिया था। अगर यह प्रस्ताव आगे बढ़ता है, तो यह पुतिन के लिए एक बड़ी जीत होगी।दूसरी ओर, यूक्रेन को लेकर ट्रंप प्रशासन का रवैया अब और सख्त होता जा रहा है। ट्रंप ने यह भी साफ कर दिया कि अमेरिका यूक्रेन को अनंतकाल तक फंड नहीं कर सकता और यूरोपीय देशों को अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी। मार्को रूबियो ने साफ तौर पर कहा, यह हमारी जंग नहीं है। हमने यूक्रेन की मदद की है, लेकिन अगर कोई हल नहीं निकलता, तो हम पीछे हट जाएंगे। ट्रंप की नजर में अब समय आ गया है कि दोनों पक्ष गंभीरता दिखाएं। अगर कोई पक्ष खेल खेलता रहा, तो ट्रंप साफ कहेंगे - तुम मूर्ख हो, तुम बेकार लोग हो - और फिर अमेरिका किनारा कर लेगा। ट्रंप ने सीधे तौर पर यह नहीं कहा कि वह पूरी तरह से बातचीत छोड़ देंगे या यूक्रेन को सैन्य सहायता रोक देंगे, लेकिन उनका लहजा साफ था- अब और सब्र नहीं। रूसी राष्ट्रपति कार्यालय (क्रेमलिन) ने ट्रंप प्रशासन की चिंता को गंभीरता से लिया है। क्रेमलिन प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने कहा कि हम समाधान की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन यह प्रक्रिया बहुत जटिल है। वहीं, रूस के सांसद एवगेनी पोपोव ने अमेरिकी बयान को कीव के लिए अंतिम चेतावनी बताया। इन कूटनीतिक गतिविधियों के बीच, जमीनी सच्चाई यह है कि रूस ने खारकीव शहर पर मिसाइल हमला किया, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और 67 घायल हो गए। इस हमले ने एक बार फिर ये साबित कर दिया है कि शांति की कोशिशें अभी अधूरी हैं और युद्ध की आग बुझने से दूर है।अगर शांति वार्ता से अमेरिका अलग होता है, तो यूक्रेन की सैन्य क्षमता और यूरोप की तैयारी दोनों सवालों के घेरे में आ जाते हैं। यूरोप अभी भी फ्रंटलाइन पर हथियारों और संसाधनों की कमी से जूझ रहा है, और यूक्रेन की अर्थव्यवस्था पहले से ही जर्जर है। इस स्थिति में, अमेरिका का हटना कीव के लिए एक कूटनीतिक झटका होगा।

ईस्टर पर सार्वजनिक कार्यक्रम में शामिल हुए पोप फांसिस

पोप फांसिस ईस्टर रविवार के अवसर पर सेंट पीटर्स स्क्वायर में हजारों लोगों को आशीर्वाद देने हेतु कुछ समय के लिए जनता के सामने आए और सार्वजनिक कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर लोगों की भीड़ ने तालियां बजाकर उनका स्वागत किया। पोप को हाल में निमोनिया हो गया था और वह इससे उबर रहे हैं। पोप फांसिस ने लोगों को ईस्टर की शुभकामनाएं देते हुए कहा, ''भाइयो और बहनों, ईस्टर की शुभकामनाएं! '' उनकी आवाज पहले की तुलना में अधिक प्रभावशाली प्रतीत हो रही थी। पोप फांसिस ने पियाजा में ईस्टर की प्रार्थना में हिस्सा नहीं लिया बल्कि इसे सेंट पीटर्स बेसिलिका के सेवानिवृत्त कार्डिनल एंजेलो कोमास्ट्री को सौंप दिया। लेकिन प्रार्थना समाप्त होने के बाद, फांसिस बेसिलिका के प्रवेश द्वार के ऊपर स्थित लॉजिया बालकनी पर दिखाई दिए। नीचे मौजूद हजारों लोगों ने खुशी का इजहार किया, जब सैन्य बैंड ने होली सी और इतालवी राष्ट्रगान की धुन बजाई। फांसिस ने बालकनी से हाथ हिलाया और फिर एक सहयोगी से अपना भाषण पढ़ने को कहा।

विदेशी ताकतों की कठपुतली बनें यूनुस बनेंगे बांग्लादेश की तबाही का सबब

–शेख हसीना का वर्चुअल संबोधन वाला वीडियो फिर हुआ वायरल

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री और अवामी लीग की प्रमुख शेख हसीना ने अंतरिम सरकार के प्रमुख सलाहकार मोहम्मद यूनुस पर तीखा हमला बोला है। अपने एक वर्चुअल संबोधन में हसीना ने यूनुस को सत्ता का भूखा और विदेशी शक्तियों की कठपुतली करार देते हुए आरोप लगाया कि उन्होंने देश को तबाही की राह पर धकेलने की गहरी साजिश रची है। शेख हसीना का यह वीडियो एक बार फिर तेजी से वायरल हुआ है और चर्चा का विषय बना हुआ है।

पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने लगभग 8 मिनट के इस वीडियो संदेश में यूनुस पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने कहा है, कि यह आत्मकेंद्रित और पैसों का लालची व्यक्ति बांग्लादेश की आजादी की पहचान को मिटाने पर तुला है। बीएनपी और जमात-ए-इस्लामी के साथ मिलकर यूनुस ने अवामी लीग के नेताओं को निशाना बनाना शुरू कर दिया है। देशभर में हमारे समर्थकों के कारोबार, अस्पताल और यहां तक कि स्मारकों तक को आग के हवाले किया जा रहा है। पूर्व प्रधानमंत्री ने चेतावनी भरे लहजे में कहा, यूनुस, आग से खेलोगे तो वो तुम्हें जला देगी। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके नेतृत्व में बनाए गए मुक्ति योद्धा स्मारकों को जलाया जा रहा है और आजादी के नायकों का अपमान खुलेआम किया जा रहा है।

हसीना ने आरोप लगाया कि यूनुस के कार्यकाल में बांग्लादेश की आर्थिक स्थिति चरमराई है। उन्होंने कहा, हजारों कारखाने बंद हो चुके हैं, डॉक्टरों को बर्खास्त किया जा रहा है, और पुलिस की वर्दी ऐसे राजनीतिक कार्यकर्ताओं को दी गई है जो किसी भी तरह से उपयुक्त नहीं हैं,।

अबू सईद की मौत पर सनसनीखेज खुलासा

संबोधन में शेख हसीना ने बीते वर्ष कोटा आंदोलन के दौरान मारे गए अबू सईद की मौत पर भी सनसनीखेज खुलासा किया। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट में इस मौत को पुलिस द्वारा जानबूझकर हत्या बताया गया था, लेकिन हसीना ने इसे सिरे से खारिज करते हुए कहा कि पुलिस ने केवल रबर बुलेट का इस्तेमाल किया था। सईद की मौत पत्थर से सिर कुचले जाने से हुई थी। लेकिन फिर 7.62 एमएम की असली गोली वहां कैसे पहुंची? यह साबित करता है कि यह सब पूर्व नियोजित साजिश थी। हसीना ने यह भी आरोप लगाया कि जब इस हत्या की जांच शुरू हुई, तब यूनुस ने संबंधित अधिकारी को पद से हटा दिया। उन्होंने मांग की कि अबू सईद के शव का दोबारा परीक्षण किया जाए ताकि सच्चाई सामने आ सके।

पूर्व प्रधानमंत्री ने कहा कि आज असली दोषियों को इनाम मिल रहा है और निर्दोषों को सजा दी जा रही है। जो पुलिसवाले हिंसा में घायल हुए, उन्हें भुला दिया गया और हिंसा करने वालों को मुआवजा दिया गया, यह सब हसीना ने दुख जताते हुए कहा है।

गौरतलब है कि शेख हसीना वर्तमान में निर्वासन में हैं और भारत में रहकर सोशल मीडिया के माध्यम से अपनी पार्टी अवामी लीग के नेताओं और समर्थकों से संवाद बनाए रखती हैं। हसीना का यह बयान ऐसे समय में आया जबकि बांग्लादेश में राजनीतिक अस्थिरता और सत्ता संघर्ष चरम पर है। उनका यह तीखा हमला यह संकेत देता है कि आने वाले समय में बांग्लादेश की राजनीति में और अधिक उथल-पुथल देखने को मिल सकती है।

खालिस्तानियों के हौसले बुलंद, अब गुरुद्वारे की दीवार पर लिखे भारत विरोधी नारे

वैंकूवर (एजेंसी)। कनाडा में खालिस्तानियों को हौसले बुलंद हैं। यहां वैंकूवर में एक ऐतिहासिक गुरुद्वारे पर खालिस्तानी कट्टरपंथियों ने भारत विरोधी नारे लिख दिए। खालिस्तानियों की इस हरकत के बाद गुरुद्वारे के प्रवक्ता ने कहा कि अलगाववादी सिखों के एक गुट ने हमारे पवित्र गुरुद्वारे की दीवारों को दूषित किया है और उनपर खालिस्तानी नारे लिख दिए हैं।

गुरुद्वारे की तरफ से कहा गया कि यह खालसा साजणा दिवस के मौके पर हम एकता की कसम खाते हैं। एक समूह द्वारा किया गया यह कृत्य निंदनीय है। कट्टरपंथी ताकतें सिखों को बांटना चाहती हैं और यह खौफ पैदा करने की कोशिश है। उन्होंने कहा कि कट्टरपंथी हमारे बुजुर्गों के बलिदान को नहीं समझ पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारे बुजुर्गों ने विविधता और स्वतंत्रता के लिए अपना बलिदान दिया है। हम उनकी फूट डालने की कोशिश कामयाब नहीं होने देंगे।

बता दें कि यह गुरुद्वारा 1906 में बनाया गया था। बीते रविवार को गुरुद्वारे में नगर कीर्तन और बैसाखी परेड का आयोनज किया गया था। इन कार्यक्रमों में खालिस्तान समर्थकों को शामिल होने से रोक दिया गया था। खालिस्तानियों ने गुरुद्वारे के अलावा सूरी और ब्रिटिश कोलंबिया में मंदिरों को भी टारगेट किया है। यहां भी दीवारों पर खालिस्तानी नारे लिखे गए हैं।

मंदिर के प्रवक्ता ने कहा कि कनाडा में हिंदुओं और सिखों में एकता बनाए रखने के लिए लक्ष्मीनारायण मंदिर बढ़-चढ़कर काम करता है। इसीलिए मंदिर को भी निशाना बनाया गया है। यह संयोग नहीं है बल्कि नियोजित तरीके से ये नारे लिखे गए हैं। बीते साल दिसंबर में रॉस स्ट्रीट गुरुद्वारे में करीब हिंदुओं और सिख समुदाय के 60 लोग एकत्रित हुए थे। उन्होंने ऐलान किया था कि फूट डालने वालों की साजिश को नाकाम किया जाएगा। 2023 और 2024 में कनाडा में कई मंदिरों पर हमले किए गए। पुलिस अब तक उन उपद्रवियों को गिरफ्तार नहीं कर पाई है। लक्ष्मी नारायण मंदिर में भी खालिस्तानियों ने उपद्रव किया था।

हैती पर भुखमरी का संकट: जून तक आधी से अधिक आबादी गंभीर खतरे में होने की आशंका

गाजा (एजेंसी)। हैती एक गहरे मानवीय संकट की ओर बढ़ रहा है, जहां देश की आधी से अधिक आबादी जून 2025 तक गंभीर भुखमरी की चपेट में आ सकती है। संयुक्त राष्ट्र समर्थित संस्था एकीकृत खाद्य सुरक्षा चरण वर्गीकरण (आईपीसी) की ताजा रिपोर्ट में यह चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है। रिपोर्ट के अनुसार लगातार गिरती अर्थव्यवस्था, सुरक्षा की गंभीर स्थिति, और सशस्त्र गिरोहों के बीच बढ़ती हिंसा इस आपात स्थिति के मुख्य कारण हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, वर्तमान में लगभग 57 लाख हैतीवासी गंभीर खाद्य असुरक्षा की स्थिति में हैं। इसके अलावा, 8,400 लोग ऐसे अस्थायी आश्रयों में रह रहे हैं, जहां भुखमरी का खतरा और भी अधिक है। पहले इन शरणस्थलों में भोजन और पेयजल की आपूर्ति नियमित रूप से की जाती थी, लेकिन अमेरिका की ओर से विदेशी सहायता अनुबंधों में 90त्न तक की कटौती के बाद हालात और बिगड़ गए हैं।

रिपोर्ट बताती है कि अगस्त 2024 से फरवरी 2025 तक करीब 9.77 लाख लोगों को मासिक खाद्य सहायता मिली, लेकिन उनमें से अधिकतर को आधा राशन ही मिल पाया। इससे यह साफ होता है कि हालात तेजी से गंभीर हो रहे हैं और अंतरराष्ट्रीय सहायता की सख्त जरूरत है। इस बीच यूनिसेफ ने भी चिंता जताई है कि देश में करीब 28.5 लाख बच्चे भुखमरी का सामना कर रहे हैं, जो हैती के भविष्य के लिए एक गहरी चेतावनी है।

भुखमरी के प्रमुख कारण

सशस्त्र गिरोहों का नियंत्रण: राजधानी पोर्ट-औ-प्रिंस समेत कई क्षेत्रों में हथियारबंद गिरोहों का बोलबाला है, जिससे सामान्य जीवन ठप हो गया है। राजनीतिक अस्थिरता और भ्रष्टाचार॰ लंबे समय से चली आ रही सरकारों की असफलताएं और प्रशासनिक ढांचे की कमजोरियां स्थिति को और जटिल बना रही हैं। आर्थिक पतन॰ मुद्रास्फीति और बेरोजगारी के उच्च स्तर ने आम जनता की क्रय शक्ति को समाप्त कर दिया है। विदेशी सहायता में कटौती॰ अमेरिका सहित अन्य देशों से आने वाली सहायता में भारी गिरावट के कारण राहत प्रयास सीमित हो गए हैं। हैती में भुखमरी एक मानवीय त्रासदी का रूप ले चुकी है, जिसे टालने के लिए तुरंत और ठोस अंतरराष्ट्रीय हस्तक्षेप की आवश्यकता है। अगर हालात पर जल्द काबू नहीं पाया गया, तो यह संकट लाखों लोगों की जान के लिए खतरा बन सकता है, खासकर उन बच्चों के लिए, जो पहले से ही कुपोषण की मार झेल रहे हैं।

ऑस्ट्रेलिया में 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों पर सोशल मीडिया मे प्रतिबंध

ऑस्ट्रेलिया (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया की संसद ने दिसंबर 2024 में ऑनलाइन सेफ्टी अमेंडमेंट एक्ट पारित किया है। ऑस्ट्रेलिया में इस साल 10 दिसंबर 2025 के बाद से यह एक्ट प्रभाव में आ जाएगा। इसके बाद 16 साल से कम उम्र के बच्चे सोशल मीडिया के प्लेटफार्म का उपयोग ऑस्ट्रेलिया में नहीं कर पाएंगे। बच्चों के लिए टिकटोक, इंस्टाग्राम, स्नैपचैट,फेसबुक और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रतिबंध लग जाएगा।सोशल मीडिया की कंपनियों को 16 साल से कम उम्र के बच्चों को प्लेटफार्म से हटाना पड़ेगा। 16 वर्ष से कम उम्र का यदि एक भी बच्चा सोशल मीडिया के प्लेटफार्म का उपयोग करता हुआ पाया गया। ऐसी स्थिति में 3।1 करोड डॉलर जो भारतीय मुद्रा में लगभग 275 करोड रुपए होते हैं। सोशल मीडिया कंपनी को यह जुर्माना अदा करना होगा। सारी दुनिया के देशों में छोटे बच्चों को सोशल मीडिया से दूर रखने के लिए बड़े प्रयास किया जा रहे हैं। बच्चे खेल के मैदान से गायब हो गए हैं।अपनी उम्र के बच्चों के साथ उनका बोलना खेलना कूदना सब बंद हो गया है। बच्चों को वास्तविक पारिवारिक और सामाजिक ज्ञान नहीं मिल रहा है। खेलकूद नहीं होने के कारण बच्चों के स्वास्थ्य में भी विपरीत असर देखने को मिल रहा है। जिसके कारण दुनिया भर में चिंता देखी जा रही है। अमेरिका मे 13 वर्षीय कम उम्र के बच्चों की जानकारी एकत्रित की जा रही है। इन्हें सोशल मीडिया से दूर करने की पहले शुरू की गई है।

ब्रिटेन में 2023 के पारित कानून के अनुसार सोशल मीडिया पर बच्चों के लिए हानिकारक सामग्री की पहचान कर प्लेटफार्म से हटाने की जवाब देही सोशल मीडिया कंपनियों पर सरकार ने डाली है।

फ्रांस में 2023 में पारित कानून के अनुसार 15 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को सोशल मीडिया अकाउंट खोलने के पहले माता-पिता की सहमति सोशल मीडिया कंपनियों के लिए जरूरी की गई है।

जर्मनी में 16 वर्ष या उससे कम उम्र के बच्चों को सोशल मीडिया का उपयोग करने के लिए अपने माता-पिता की अनुमति को अनिवार्य किया गया है।

आतंकियों को पनाह देने वाले पाकिस्तान के लिए संकट खड़ा कर रहे आतंकवादी

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान सरकार और वहां की सेना आतंकवादियों को पोषित करने में कोई कसर नहीं छोड़ते हैं। ये आतंकवाद अब इतना ताकतवर हो चुका है कि पाकिस्तान को ही डराने धमकाने लगा है। हालात ऐसे हो चुके हैं कि पाकिस्तान सरकार, आर्मी या फिर पुलिस पूरी ताकत लगाकर उन्हें कंट्रोल करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन वे बेकाबू हो चुके हैं। डेटा से भी इसकी पुष्टि होती है। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में सुरक्षा बलों और कानून प्रवर्तन एजेंसियों के संयुक्त अभियान के दौरान चार आतंकवादी मारे गए। पाकिस्तानी सेना की मीडिया शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने बताया कि खुफिया जानकारी के आधार पर यह अभियान प्रांत के स्वात जिले में चलाया गया। साल 2025 के शुरुआती तीन महीनों में आतंकवादी हमलों में 152 लोग मारे जा चुके हैं।

रिपोर्ट के अनुसार हमलों में फ्रंटियर कोर (एफसी) के 34 जवानों की मौत हो गई और 43 अन्य घायल हो गए। थिंक टैंक पाकिस्तान इंस्टीट्यूट फॉर कॉन्फ्लिक्ट एंड सिक्योरिटी स्टडीज (पीआईसीएसएस) के आंकड़ों के अनुसार, जनवरी 2025 में देश में आतंकवादी गतिविधियों में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई, जो पिछले महीने की तुलना में 42 प्रतिशत अधिक है।रिपोर्ट में खुलासा हुआ कि देश भर में कम से कम 74 आतंकवादी हमले हुए, जिसके चलते 91 लोगों की मौत हुई, जिनमें 35 सुरक्षाकर्मी, 20 नागरिक और 36 आतंकवादी शामिल थे। इसके अलावा, 117 लोग घायल हुए, जिनमें सुरक्षा बलों के 53 सदस्य, 54 नागरिक और 10 आतंकवादी शामिल थे। खैबर पख्तूनख्वा सबसे अधिक प्रभावित प्रांत रहा, उसके बाद बलूचिस्तान का स्थान रहा। खैबर पख्तूनख्वा के जिलों में आतंकवादियों ने 27 हमले किए, जिसके कारण 19 लोग मारे गये, जिनमें 11 सुरक्षाकर्मी, छह नागरिक और दो आतंकवादी शामिल थे।

रिपोर्ट के अनुसार आईएसपीआर ने बताया कि सुरक्षा बलों ने आतंकवादियों से उनके ठिकाने पर मुठभेड़ की जिसमें चारों आतंकवादी मारे गए। आतंकवादियों के ठिकाने से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किया गया। बयान में कहा गया कि मारे गए आतंकी क्षेत्र में कई आतंकवादी गतिविधियों में शामिल थे। इससे पहले, सुरक्षा बलों ने बुधवार को डेरा इस्माइल खान जिले के मद्दी इलाके में चार आतंकवादियों को मार गिराया था। रिपोर्ट के अनुसार, साल 2025 के पहले तीन महीनों में खैबर पख्तूनख्वा (केपी) में आतंकवादी हमलों में 152 लोग मारे गए। मरने वालों में पुलिस वाले, सुरक्षाकर्मी और आम नागरिक शामिल थे। केपी पुलिस की एक रिपोर्ट के अनुसार, इन घटनाओं में 302 व्यक्ति घायल भी हुए। रिपोर्ट में कहा गया है कि आमलोग सबसे अधिक प्रभावित हुए हैं। जनवरी से मार्च के बीच 45 लोगों की मौत हुई और 127 लोग घायल हुए। पुलिस बल ने 37 सदस्यों को खो दिया, जबकि 46 अन्य घायल हुए।

असम में दिल दहला देने वाली वारदात : पत्नी का सिर काटकर साइकिल से थाने पहुंचा पति

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम के चिरांग जिले से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहाँ एक 60 वर्षीय व्यक्ति ने घरेलू विवाद के चलते अपनी पत्नी की निर्मम हत्या कर दी। आरोपी बितीश हाजोंग ने पत्नी बैजंती हाजोंग का सिर काटकर साइकिल की टोकरी में रखा और सीधे पुलिस थाने पहुंचकर सरेंडर कर दिया। यह भयावह वारदात शनिवार रात को हुई। पुलिस के मुताबिक, बितीश एक दिहाड़ी मजदूर है। वह रोज की तरह शनिवार को भी मजदूरी करने के बाद अपने घर आया। इसी बीच पत्नी से विवाद हो गया। विवाद पहले भी होता था, लेकिन इस बार घर में झगड़ा इतना बढ़ गया कि उसने धारदार हथियार से पत्नी का सिर धड़ से ही अलग कर दिया। इसके बाद वह साइकिल से करीब 7 किलोमीटर दूर पुलिस थाने पहुंचा, और थाने में मौजूद अधिकारियों को कटी हुई गर्दन दिखाई, जिससे पूरे थाने में सनसनी फैल गई। इस घटना को लेकर स्थानीय लोगों का कहना था कि पति-पत्नी के बीच अक्सर झगड़े होते थे। हर रोज किसी न किसी बात पर बहस होती थी। लेकिन किसी ने सोचा भी नहीं था कि बात इतनी खतरनाक मोड़ ले लेगी। चिरांग की एएसपी रश्मि रेखा शर्मा ने बताया, कि आरोपी को हिरासत में ले लिया गया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है और फोरेंसिक टीम ने साक्ष्य एकत्र किए हैं। जांच जारी है।

साइबर ठगी : तकनीकी विकास के साथ बढ़ती चुनौतिया

- दुनिया में हर सेकेंड 1.63 करोड़ की साइबर ठगी, भारत में 6 साल में 42 गुना बढ़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंटरनेट और तकनीक ने हमारे जीवन को आसान और सरल बना दिया है, लेकिन इसके साथ ही साइबर ठगों ने भी नए धरातल पर कब्जा जमा लिया है। 2024 में दुनिया भर में साइबर ठगों ने 498 लाख करोड़ से अधिक की चपट लगाई। यानी, हर सेकेंड में 1.63 करोड़ की ठगी हो रही है। भारत में भी स्थिति चिंताजनक है, 2023 में 9.2 लाख से अधिक शिकायतें आईं, जिनमें 6 हजार करोड़ का घातक चपत हुआ। गृह मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार साइबर ठगी अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर तेजी से बढ़ रही है। इसमें तकनीकी सुविधाएं ही नहीं, बल्कि आर्थिक और कानूनी चुनौतियाँ भी शामिल हैं। साइबर ठगों द्वारा ठगी की रकम की लॉन्ड्रिंग के लिए मनी म्यूल, क्रिप्टोकरेंसी और हवाला नेटवर्क का इस्तेमाल हो रहा है। सरकारें भी इस मामले पर ध्यान दे रही हैं। साइबर सुरक्षा को मजबूत करने के लिए वे अरबों रुपये खर्च कर रही हैं। भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र ने भी चिंताजनक आंकड़ों की चेतावनी दी है, 2025 में भारतीयों से .2 लाख करोड़ से अधिक की ठगी की आशंका है। यह आंकड़ा बिहार के बजट के 50 फीसदी के बराबर है। ग्लोबल स्तर पर भी स्थिति चिंताजनक है। हर साल, 514 लाख करोड़ से अधिक की ठगबंदी व्याप्त है, जिससे साइबर अपराधी अर्थव्यवस्था को भी खतरा है। इसका मतलब है कि 2024 में दुनिया भर में साइबर क्राइम से 498 लाख करोड़ का नुकसान हुआ है। ये आंकड़े समझाते हैं कि साइबर अपराध कितना गंभीर मुद्दा है, और हमें सावधान रहना होगा।

महाराष्ट्र में 40 लाख के इनामी 4 नक्सली गिरफ्तार

गढ़चिरौली (एजेंसी)। महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में पुलिस और सीआरपीएफ की संयुक्त कार्रवाई में 4 कुख्यात नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया। इन पर कुल 40 लाख रुपए का इनाम था। गिरफ्तार नक्सलियों में सैलू मुड्डेला उर्फ रघु (20 लाख), उसकी पत्नी जैनी खराटम उर्फ अखिला (16 लाख), झांसी तलांडी उर्फ गंगू और मनीला गावड़े उर्फ सरिता (2-2 लाख) शामिल है। ये सभी 11 फरवरी को दिरांगी-फुलनार जंगल में हुए एनकाउंटर में ष्ट-60 कमांडो की हत्या में शामिल थे। सैलू 77 मामलों, अखिला 29, तलांडी 14 और मनीला 10 मामलों में शामिल रही है। सभी बम्हरागढ़ क्षेत्र में सक्रिय थे। पु?लिस अ?धिकारी ने बताया कि नक्सल विरोधी अभियान अब और तेज किया जाएगा।

कर्नाटक में बोर्ड परीक्षा की कॉपी में मिले 500-500 के नोट

बेलगावी (एजेंसी)। कर्नाटक के बेलगावी जिले के चिक्कोडी में एसएसएलसी (कक्षा 10वीं) परीक्षा के दौरान छात्रों ने आंसर सीट में 500-500 रुपए के नोट रखकर पास कराने की गुहार लगाई। कुछ छात्रों ने लिखा, सर, चाय पी लीजिए और पास कर दीजिए। किसी ने लिखा, प्यार आगे बढ़ाना है तो पास करिए। एक छात्र ने तो यहां तक लिखा, अगर पास किया तो और पैसे दूंगा। शिक्षकों ने बताया कि आंसर सीट में कई भावनात्मक अपील की गई- जैसे माता-पिता कॉलेज नहीं भेजेंगे अगर फेल हुआ। इन घटनाओं की तस्वीरें और बातें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। शिक्षा विभाग ने मामले को गंभीरता से लिया है।

साईं बाबा के चरणों में आस्था का भक्तिपूर्ण उपहार, भक्त ने चढ़ाया 68 लाख का स्वर्ण मुकुट

- साईं संस्थान के पास स्वर्ण मुकुटों की संख्या अब 28

शिरडी (एजेंसी)। शिरडी के साईबाबा के चरणों में एक भक्त ने भक्ति की अमूल्य भेंट चढ़ाई है। बताया गया है कि आंध्र प्रदेश के गुंटूर के एक भक्त ने श्री साईं बाबा के चरणों में 68 लाख रुपये मूल्य का सोने का मुकुट अर्पित किया। इस मुकुट का वजन 788.44 ग्राम है और इस पर की गई आकर्षक नक्काशी साईं के प्रति गहरी भक्ति भावना का प्रतीक है। श्री साईंबाबा संस्थान के मुख्य कार्यकारी अधिकारी गोरक्ष गाडिलकर ने बताया कि यह स्वर्ण मुकुट शनिवार दिनांक 19 अप्रैल को साईं चरण को अर्पित किया गया और इस नए चढ़ावे के साथ ही साईं संस्थान के पास स्वर्ण मुकुटों की संख्या अब 28 तक पहुंच गई है। आपको बताते चलें कि शिरडी सिर्फ एक तीर्थ स्थल नहीं है, यह आस्था का सागर है। जिसे कोई पार नहीं कर सकता... यहां आने वाला हर व्यक्ति अपना दर्द, अपनी आशा, अपनी प्रार्थनाएं साईं के चरणों में अर्पित करता है और बदले में, उन्हें अपने दिल में शांति और संतोष मिलता है।

2027 के उप्र चुनावों में भी 'इंडिया' गठबंधन जारी रहेगा: अखिलेश यादव

लखनऊ। (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने रविवार को कहा कि 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन जारी रहेगा। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर हमला करते हुए आरोप लगाया कि वह वक्फ (संशोधन) कानून के जरिए माफिया की तरह जमीन हड़पने की कोशिश कर रही है।

यादव ने संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि 2027 के विधानसभा चुनावों में पीडीए (पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक) राज्य से भाजपा को उखाड़ फेंकेगा। जब उनसे 'इंडिया' गठबंधन के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने दोहराया, 'इंडिया' गठबंधन (मौजूदा) है और रहेगा।

उन्होंने कहा, भाजपा वक्फ संशोधन कानून लेकर आई है ताकि वह जमीन छीन सके। जहां भी उन्हें जमीन दिखती है, वे उस पर कब्जा कर लेते हैं। उन्होंने भाजपा को भू-माफिया पार्टी करार दिया।

यादव ने सत्तारूढ़ पार्टी पर नोटबंदी और जीएसटी (माल एवं सेवा कर) के जरिए लोगों का पैसा छीनने और आरक्षण के अधिकार को कम करने का आरोप लगाया। यादव ने प्रयागराज में महाकुंभ के आयोजन के संबंध में भाजपा की कार्यप्रणाली की भी आलोचना की तथा वादा किया कि यदि उनकी पार्टी सत्ता में आई तो कुप्रबंधन की जांच कराई जाएगी।

सपा प्रमुख ने दावा किया कि सरकार ने घटना के दौरान हताहतों की संख्या और वित्तीय लाभ के बारे में गलत आंकड़े दिए, और आरोप लगाया कि जनवरी में भगदड़ के दौरान ड्रोन और सीसीटीवी निगरानी विफल रही।

यादव ने दावा किया, 'जिस समय (भगदड़ के समय) ड्रोन और सीसीटीवी की सबसे अधिक जरूरत थी, उस समय ये या तो बंद थे या बंद करा दिए गए थे। इन्होंने संगम नोज पर भगदड़ में मारे गए लोगों की सही संख्या नहीं बताई और मृत्यु के कारण बदलने के लिए परिजनों पर दबाव बनाया।'

राणा सांगा पर सपा सांसद रामजी लाल सुमन के बयान को लेकर पूछे गए प्रश्न पर उन्होंने कहा, 'जो इतिहास एक दूसरे को ऊंच-नीचा दिखाए, जो इतिहास हमारी प्रगति को रोकता हो, उस इतिहास को इतिहास ही रहने देना चाहिए।'

सपा प्रमुख ने संवाददाता सम्मेलन में प्रयागराज महाकुंभ 2025 को लेकर सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर स्वयं द्वारा दिए गए सुझावों को एक पुस्तिका के रूप में तब्दील कर पत्रकारों को उपलब्ध कराया। साथ ही उन्होंने 2013 में हुए प्रयागराज कुंभ मेले को लेकर हावर्ड विश्वविद्यालय द्वारा किए गए अध्ययन की रिपोर्ट भी उपलब्ध कराई। अखिलेश यादव, पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल की पुत्री के विवाह समारोह में शामिल होने प्रयागराज आए थे।

फ्लाइट डायवर्ट होने की वजह से देर रात तक फंसे रहे सीएम अब्दुल्ला, एक्स पर निकाला गुस्सा

नई दिल्ली। जम्मू से दिल्ली आ रही उनकी फ्लाइट को दिल्ली एयरपोर्ट की स्थिति खराब होने के कारण जयपुर डायवर्ट कर दिया गया, जिससे वह देर रात तक जयपुर एयरपोर्ट पर फंसे रहे। उमर अब्दुल्ला ने रात करीब 1 बजे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक सेल्फी शेयर की, जिसमें वह जयपुर एयरपोर्ट पर प्लेन की सीढ़ियों पर खड़े दिखाई दे रहे हैं। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शनिवार रात दिल्ली हवाई अड्डे की अव्यवस्थाओं को लेकर सोशल मीडिया पर अपनी भड़ास निकाली। उन्होंने तस्वीर शेयर

करते हुए उन्होंने लिखा, दिल्ली एयरपोर्ट एक ब्लडी शिट शो है (माफ कीजिए मेरी भाषा के लिए लेकिन मैं फिलहाल विनम्र होने के मूड में नहीं हूं)। जम्मू से उड़ान भरने के तीन घंटे बाद हम जयपुर डायवर्ट हो गए और अब रात 1 बजे यहां प्लेन की सीढ़ियों पर खड़े होकर ताजी हवा ले रहा हूं। मुझे नहीं पता कि हम यहां से कब रवाना होंगे। उमर अब्दुल्ला की यह पोस्ट सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया और कई यूजर्स ने दिल्ली एयरपोर्ट की तैयारियों पर सवाल खड़े किए। कुछ ने मौसम को जिम्मेदार ठहराया, जबकि कई लोगों ने एयर ट्रैफिक कंट्रोल और समन्वय की कमी पर भी निशाना साधा। हालांकि, अब तक दिल्ली एयरपोर्ट अथॉरिटी या संबंधित एयरलाइन की ओर से इस डायवर्जन पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। सूत्रों के मुताबिक, खराब मौसम या रनवे कंजेशन इस डायवर्जन का कारण हो सकता है। यह पहली बार नहीं है जब उमर अब्दुल्ला ने सार्वजनिक रूप से किसी सेवा या प्रशासनिक व्यवस्था को लेकर अपनी नाखुशी जाहिर की हो।

हैप्पी पसिया से उप्र पुलिस पूछेगी महाकुंभ पर हमले का प्लान

लखनऊ (एजेंसी)। अमेरिका से गिरफ्तार पुलिस कुख्यात गैंगस्टर हरप्रीत सिंह उर्फ हैप्पी पसिया से पूछताछ के लिए उत्तर प्रदेंश पुलिस भी सवाल लेकर बैठी है। उत्तर प्रदेश पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक, लाजर मसीह की गिरफ्तारी के बाद की गई पूछताछ में हैप्पी पसिया का नाम सामने आया था। एडीजी (कानून व्यवस्था) अमिताभ यश ने इस बात की पुष्टि की है और कहा है कि हरप्रीत को भारत लाए जाने के बाद यूपी पुलिस भी उससे पूछताछ करेगी। उत्तर प्रदेश पुलिस ने दावा किया है कि गिरफ्तार खालिस्तानी आतंकवादी नेता ने महाकुंभ पर हमले की भी योजना बनाई थी।

उत्तर प्रदेश पुलिस कुख्यात गैंगस्टर हरप्रीत सिंह उर्फ हैप्पी पसिया से पूछताछ की तैयारी में है। उसका नाम मार्च में कौशांबी जिले से गिरफ्तार किए गए बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) के एक कथित ऑपरेटिव लाजर मसीह की पूछताछ के दौरान सामने आया था। हरप्रीत सिंह पंजाब में आतंकी गतिविधियों से जुड़ा हुआ बताया जा रहा है। उसे हाल ही में अमेरिका में एफबीआई ने गिरफ्तार किया है। भारतीय एजेंसियों, खासकर राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की रडार पर रहे हरप्रीत पर 10 लाख रुपये का इनाम भी घोषित किया गया था। पुलिस का दावा है कि मसीह प्रयागराज में संपन्न हुए 45 दिवसीय महाकुंभ के दौरान आतंकी हमले की योजना बना रहा था, जो 26 फरवरी को समाप्त हुआ था। उल्लेखनीय है कि मसीह पिछले वर्ष सितंबर में पंजाब पुलिस की हिरासत से फरार हो गया था और तभी से उस पर नजर रखी जा रही थी। जैसे ही हैप्पी पसिया को भारत लाया जाएगा, सुरक्षा एजेंसियों द्वारा उससे पूछताछ की जाएगी ताकि उसके आतंकी नेटवर्क और बीकेआई से जुड़ाव की गहराई से जांच की जा सके। लाजर मसीह अमृतसर का रहने वाला है। उस पर बब्बर खालसा इंटरनेशनल का सक्रिय सदस्य होने का आरोप है। यह संगठन पाकिस्तान की आईएसआई से जुड़े होने के लिए कुख्यात है। मसीह को मार्च में एसटीएफ और पंजाब पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में कौशांबी के कोखराज क्षेत्र से पकड़ा गया था। गिरफ्तारी के समय उसके पास से ग्रेनेड, जिलेटिन रॉड, डेटोनेटर और एक पिस्तौल बरामद की गई थी।

उद्धव और राज ठाकरे साथ आएंगे तो होगी खुशी: फडणवीस

राउत ने रखी शर्त कहा- राज यूबीटी दुश्मनों को अपने घर में जगह न दें

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे फिर एक साथ आ सकते हैं। इस पर महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि अगर दोनों साथ आते हैं तो हमें खुशी होगी। मतभेद मिटाना अच्छी बात है। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे ने शनिवार को इस बात का संकेत दिए थे। राज ठाकरे ने कहा था कि हमारे बीच राजनीतिक मतभेद हैं, विवाद हैं, झगड़े हैं, लेकिन यह सब महाराष्ट्र के आगे बहुत छोटी चीज हैं।

महाराष्ट्र और मराठी लोगों के हित के लिए साथ आना कोई बहुत बड़ी मुश्किल नहीं है। राज ठाकरे ने एक यू-ट्यूब चैनल पर यह बातें कहीं। राज से उद्धव के साथ गठबंधन पर सवाल किया तो उन्होंने कहा कि किसी बड़े मकसद के आगे हमारे बीच की लड़ाइयां छोटी हैं। वहीं उद्धव का भी रिएक्शन सामने आया है, उन्होंने कहा कि मेरी

तरफ से कभी कोई झगड़ा था ही नहीं। हालांकि राज्यसभा सांसद संजय राउत ने गठबंधन को लेकर शर्त रखी है।

शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने कहा कि उद्धव शर्त के साथ राज से बातचीत को तैयार हैं, अगर राज ठाकरे महाराष्ट्र और शिवसेना (यूबीटी) के दुश्मनों को अपने घर में जगह न दें। वहीं शिवसेना नेता नरेश म्हस्के ने उद्धव से पूछा कि जब उन्होंने खुद राज को पार्टी से अलग किया तो अब एकजुटता की बात क्यों कर रहे हैं? वहीं नेता अंबादास दानवे ने कहा है कि दोनों भाई हैं, लेकिन उनकी राजनीति अलग है। अगर साथ आना है तो आमने-सामने बात होनी चाहिए, टीवी पर नहीं।

राज ठाकरे ने शिवसेना में उद्धव को उत्तराधिकारी घोषित करने के बाद 27 नवंबर 2005 को पार्टी से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद अपनी पार्टी महाराष्ट्र नव निर्माण सेना बनाई थी। तब दोनों के बीच रिश्ते अच्छे नहीं रहे अब एक बार फिर राज ठाकरे ने उद्धव के साथ आने की इच्छा जाहिर की है।

उद्धव ठाकरे पर नितेश राण ने साधा निशाना, पत्नी का नाम लेकर पूछा ये सवाल

मुंबई । महाराष्ट्र के मंत्री और भाजपा नेता नितेश राणे ने राज ठाकरे के साथ उद्धव ठाकरे की सुलह की अटकलों के बीच शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख पर कटाक्ष किया है। राणे ने शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख से पूछा कि राज के बयान पर प्रतिक्रिया देने से पहले उन्होंने अपनी पत्नी रश्मि ठाकरे से सलाह ली थी। राणे ने एक हिंदी समाचार चैनल से बातचीत में कहा, 'आपको उद्धव ठाकरे से पूछना चाहिए कि क्या उन्होंने मनसे के साथ हाथ मिलाने से पहले रश्मि ठाकरे की अनुमति ली है। ऐसे फैसलों में उनकी राय अधिक मायने रखती है।' मंत्री ने आरोप लगाया कि यह रश्मि ठाकरे ने ही राज ठाकरे को शिवसेना से बाहर निकालने में मुख्य भूमिका निभाई थी, जबकि उस समय दोनों चचेरे भाइयों के बीच कोई बड़ा मतभेद नहीं था। शिवसेना (यूबीटी) और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के एक साथ आने की संभावना पर राणे ने कहा कि महाराष्ट्र में भाजपा के नेतृत्व वाली महायुति ने जोरदार जीत हासिल की है। उन्होंने कहा, 'इसलिए हम उनके बीच किसी गठबंधन को लेकर चिंतित नहीं हैं।' मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शनिवार को राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे के फिर से साथ आने की संभावना का स्वागत किया और इसे एक सकारात्मक कदम बताया। पत्रकारों से बात करते हुए फडणवीस ने कहा, 'अगर दोनों साथ आते हैं, तो हमें खुशी होगी। अगर लोग अपने मतभेद सुलझा लेते हैं, तो यह अच्छी बात है। मैं इसके बारे में और क्या कह सकता हूं?'

निशिकांत दुबे के बयान पर भड़के ओवैसी बोले- ये तो सुप्रीम को धार्मिक युद्ध की धमकी है

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे के बयान पर हैदराबाद से सांसद असदुद्दीन ओवैसी भड़क गए हैं। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा है कि उन लोगों को नहीं मालूम की अनुच्छेद 142 क्या है। ये वो अनुच्छेद है जिसे खुद डॉ अंबेडकर ने तैयार किया था। उन्होंने कहा कि भगवा पार्टी के समर्थक इतने ज्यादा कट्टरपंथी हो गए हैं कि वे अब खुले आम न्यायपालिका को धार्मिक युद्ध की धमकी दे रहे हैं। सांसद निशिकांत के इस बयान से भारतीय जनता पार्टी ने खुद को किनारे कर लिया है। अध्यक्ष जेपी नड्डा ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करके कहा कि पार्टी का इस बयान से कुछ भी लेना-देना नहीं है। उन सांसदों को आगे से ऐसा बयान न देने के लिए निर्देशित किया गया है।

ओवैसी ने सीधा पीएम मोदी को संबोधित करते हुए कहा, मोदी जी अगर आप इन लोगों को नहीं रोकेंगे तो देश कमजोर हो जाएगा। देश आपको माफ नहीं करेगा और कल आप सत्ता में नहीं रहेंगे।

निशिकांत दुबे के बयान पर लगभग सभी विपक्षी पार्टियों ने अपनी आपत्ति जताई है। कांग्रेस नेता बीवी श्रीनिवास ने दुबे पर निशाना साधते हुए कहा, निशिकांत दुबे जैसे उपद्रवी सांसदों में अपने आकाओं

के आदेश के बिना सुप्रीम कोर्ट और मुख्य न्यायाधीश के खिलाफ मुंह खोलने की हिम्मत नहीं है। नड्डा, आप कब तक राम बोलकर छुरा घोपेंगे? भाजपा के नेताओं पर तंज कसते हुए ओवैसी ने कहा, आप लोग(भाजपा) ट्यूबलाइट हैं। इस तरह से अदालत को धमका रहे हैं। क्या आपको पता भी है कि अनुच्छेद 142 क्या है? इसे बीआर अंबेडकर ने तैयार किया था। भाजपा धोखाधड़ी कर ही है और धार्मिक युद्ध की धमकी दे रही है। आपको बता दें कि अनुच्छेद 142 के प्रावधान के तहत सुप्रीम कोर्ट अपने समक्ष आए किसी भी मामले में पूर्ण न्याय देने का अधिकार होता है।

ये थे निशिकांत दुबे के बोल

भारतीय जनता पार्टी के सांसद निशिकांत दुबे ने सुप्रीम कोर्ट और मुख्य न्यायाधीश पर गृह युद्ध को भड़काने का आरोप लगाया था। सुप्रीम कोर्ट के अधिकार पर सवाल उठाते हुए दुबे न कहा था कि अगर सुप्रीम कोर्ट को ही कानून बनाना है तो संसद भवन को बंद कर देना चाहिए।उन्होंने कहा,सुप्रीम कोर्ट का एक ही उद्देश्य है कि तुम मुझे चेहरा दिखाओ.. मैं तुम्हें कानून दिखाऊंगा। सुप्रीम कोर्ट अपनी सीमाओं से आगे जा रहा है। अगर हर चीज सुप्रीम कोर्ट में ही तय होनी है तो संसद और राज्य विधानसभा को बंद कर देना चाहिए।

मुर्शिदाबाद हिंसा: गुस्से में बोलीं ममता फूट डालकर राज करना चाहती है भाजपा-आरएसएस

कोलकाता (एजेंसी)। राज्य की जनता के लिए लिखे एक शांति पत्र में ममता ने वक्फ विधेयक के खिलाफ मुर्शिदाबाद में हुई हिंसा का जिक्र करते हुए कहा कि वहां जो हुआ वह नहीं होना चाहिए था लेकिन आज राज्य की विपक्षी पार्टियां उस दुर्भाग्यपूर्ण घटना का इस्तेमाल अपनी राजनीति के लिए कर रहीं हैं। भारतीय जनता पार्टी और संघ जिस विभाजनकारी राजनीति का खेल खेलने की योजना बना रहे हैं वह बहुत ही भयावह है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शनिवार को भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के ऊपर मुर्शिदाबाद हिंसा का इस्तेमाल करके फूट डालो और राज करो की राजनीति करने का आरोप लगाया।

विपक्ष पर हमला बोलते हुए सीएम ममता ने कहा कि राज्य में भाजपा और उसके सहयोगी बहुत ज्यादा आक्रामक हो गए हैं। यह पूरे राज्य में भ्रामक और झूठा अभियान चला रहे हैं।अपने पत्र में ममता ने राज्य की जनता को भरोसा दिलाते हुए कहा कि राज्य में सांप्रदायिक दंगों में शामिल सभी अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। इसके साथ ही उन्होंने लोगों से आपस में भरोसा रखने और आपसी अविश्वास से बचने का आग्रह किया। ममता ने लिखा, उन लोगों ने मुख्य रूप से रामनवमी के दिन आग से खेलने की योजना बनाई थी लेकिन पश्चिम बंगाल में रामनवमी का उत्सव बेहद ही शांतिपूर्ण रहा। इसके बाद जब केंद्र सरकार जब वक्फ संशोधन अधिनियम लेकर आई तो इसके खिलाफ आंदोलन से संबंधित कुछ मामलों का हिंसात्मक उपयोग करने की कोशिश की गई।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बीजेपी और उसकी सहयोगी पार्टियों पर हिंदू धर्म को अपने राजनैतिक एजेंडे के नाम पर बदनाम करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद का धर्म भारत का सार्वभौमिक धर्म है।

राजस्थान समेत कई राज्यों में झुलसाने वाली भीषण गर्मी से राहत दिलाएगी बारिश

नई दिल्ली (एजेंसी)।राजस्थान सहित कई राज्यों भीषण गर्मी और तपन का दौर चला रहा है। अधिकतर हिस्सों में हीटवेव का प्रकोप नजर आने लगा है। मौसम विभाग के अनुमान के मुताबिक आने वाले दिनों में राजस्थान, मध्य प्रदेश और विदर्भ समेत देश के बड़े हिस्से में हीटवेव बनी रहेगी। वहीं राजधानी दिल्ली में हल्के बादल छाए रहेंगे। तेज हवाएं भी चल सकती हैं। वहीं जम्मू-कश्मीर में पश्चिमी विक्षोभ की वजह से कई इलाकों में भारी बारिश की संभावना है।

मौसम विभाग के मुताबिक पश्चिमी विक्षोभ की वजह से 20 अप्रैल को बारिश के आसार हैं। तेज हवाओं और गरज-चमक के साथ कई जिलों में तेज बारिश हो सकती है। उत्तराखंडी की बात करें तो कई जगहों पर हल्की बर्फबारी भी हो सकती है। वहीं हिमाचल प्रदेश और ओडिशा के कई हिसों में ओले गिरने की संभावना है।

20 और 21 अप्रैल को हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल और ओडिशा के कई इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है। इससे तापमान में गिरावट दर्ज की जाएगी। उत्तर प्रदेश में ज्यादातर जगहों पर गर्मी में बढ़ोतरी देखी जा रही है। रात का तापमान भी धीरे-धीरे बढ़ने लगा है। फिलहाल बारिश या तापमान से राहत की कोई संभावना नहीं है। राजस्थान, मध्य प्रदेश और विदर्भ में अगले तीन-चार दिन लगातार तापमान में बढ़ोतरी दर्ज की जाएगी। मध्य महाराष्ट्र में आर्द्रता की वजह से उमस रहेगी। राजस्थान के बीकानेर, जैसलमेर, चुरु और अन्य कई जिलों में अधिकतम तापमान 44 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है।

शनिवार को महाराष्ट्र के नागपुर में सबसे ज्यादा तापमान 44.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इससे पहले शुक्रवार को अधिकतम तापमान 43 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ था। 24 घंटे में ही तापमान में इतनी बढ़ोतरी दर्ज की गई जो कि सामान्य से 4.1 डिग्री सेल्सियस ज्यादा था।मौसम विभाग की भविष्यवाणी की मानें तो आने वाले दिनों में दिल्ली में बादल छाए रहेंगे और अधिकतम तापमान 38 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। शनिवार को दिल्ली का न्यूनतम तापमान 25.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। यह सामान्य से 4.2 डिग्री अधिक था। वहीं मौसम विभाग का कहना है कि राजधानी दिल्ली में हल्की बूंदाबांदी होने के आसार हैं जिससे तापमान में गिरावट दर्ज की जा सकती है। हवाओं की स्पीड 30 से 40 किलोमीटर प्रतिघंटा रह सकती है।